राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 278 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शनिवार ,10 अप्रैल 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

किसी भी वजह से सड़कों को ब्लॉक नहीं किया जाए : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा से दिल्ली तक सड़क मार्ग पर लगाए गए अवरोध को हटाने की मांग पर सुनवाई करते हुए कहा कि किसी भी वजह से सड़कों को ब्लॉक नहीं किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा और उत्तर प्रदेश को याचिका में पक्षकार बनाने का आदेश दिया। इस मामले पर अगली सुनवाई 19 अप्रैल को होगी। नोएडा निवासी मोनिका अग्रवाल ने दायर याचिका में कहा है कि नोएडा से दिल्ली जाना काफी कठिन हो गया है। बीस मिनट में तय होने वाला रास्ता दो घंटे में पार होता है। पहले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने दो अलग-अलग मामलों में नोएडा से दिल्ली जाने की परेशानी और गाजियाबाद के कौशांबी में यातायात की अव्यवस्था पर संज्ञान लिया था। गाजियाबाद के कौशांबी के मामले में कौशांबी अपार्टमेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रेसिडेंट और आशापुष्प विहार आवास विकास समिति ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई की मां का निधन

गुवाहाटी। देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई की मां और पूर्व मुख्यमंत्री केशब चंद्र गोगोई की पत्नी शांति गोगोई का निधन हो गया। शांति गोगोई ने शुक्रवार को तड़के दिल्ली के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। शांति गोगोई का उम्र जनित बीमारियों के कारण दिल्ली में इलाज चल रहा था। शांति गोगोई के बड़े बेटे अंजन गोगोई एयर मार्शल पद से रिटायर हुए थे। दूसरे बेटे रंजन गोगोई सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और मौजूदा राज्यसभा सांसद हैं, जबकि छोटे बेटे निरंजन गोगोई एक अच्छे डॉक्टर हैं। उनकी दो बेटियां भी प्रशासनिक अधिकारी हैं। शांति गोगोई की मां पद्मकुमारी गोहाई असम सरकार में मंत्री थीं। गौरतलब है कि शांति गोगोई सेवा नामक एनजीओ चलाने के अलावा कई सामाजिक गतिविधि में शामिल थीं। शांति गोगोई के निधन की खबर से पूरे डिब्रूगढ़ जिले में शोक की लहर दौड़ गयी । उनका पार्थिव शरीर दिल्ली से डिब्रूगढ़ के खलीहामारी स्थित उनके आवास पर लाया जाएगा।

एयर सेशल्स ने सेशल्स-मुंबई मार्ग पर उड़ानें बहाल कीं

नई दिल्ली। एयर सेशल्स ने शुक्रवार को कहा कि उसने भारत और सेशल्स के बीच बनी एयर बबल व्यवस्था के तहत आठ अप्रैल से सेशल्स-मुंबई मार्ग पर उड़ानों का परिचालन बहाल कर दिया है। एयरलाइन ने अपने बयान में कहा, ''छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय विमानपत्तन, मुंबई से एयर सेशल्स की उड़ानें बृहस्पतिवार और रविवार को प्रस्थान करेंगी। सेशल्स अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से वापसी की उड़ानें बुधवार और शनिवार को रवाना होंगी।'' कोरोना वायरस महामारी के कारण पिछले साल 23 मार्च से भारत में सभी पूर्व निर्धारित अंतरराष्ट्रीय यात्री विमान सेवाओं को निलंबित कर दिया गया था। हालांकि पिछले साल जुलाई से करीब 27 देशों के साथ द्विपक्षीय एयर बबल व्यवस्था के तहत विशेष अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन किया जा रहा है। पूरी जानकारी एयर सेशल्स की वेबसाइट और एयर सुविधा पोर्टल से मिल सकती है। महामारी के कारण नियमित विमान सेवाएं निलंबित रहने के कारण दो देशों के बीच व्यावसायिक यात्री सेवाएं शुरू करने के लिए किया गया समझौता एयर बबल कहलाता है।

मुंबई की अदालत ने पत्रकार अर्नब के खिलाफपुलिस अधिकारी की मानहानि याचिका खारिज की

मुंबई। मुंबई की एक अदालत ने रिपब्लिक टीवी के एडिटर इन चीफ अर्नब गोस्वामी के खिलाफ अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले की कवरेज के दौरान किए गए दावे को ले कर पुलिस अधिकारी की ओर से दायर मानहानि याचिका खारिज कर दी है। पुलिस उपायुक्त अभिशेक त्रिमुखे की ओर से दाखिल याचिका को अदालत ने एक अप्रैल को खारिज कर दिया था लेकिन इस संबंध में विस्तृत आदेश बृहस्पतिवार को उपलब्ध कराया गया। त्रिमुखे की याचिका में एआरजी आउटलियर मीडिया प्राइवेट लिमिटेड पर भी आरोप लगाए गए थे। इसके पास रिपब्लिक मीडिया नेटवर्क का मालिकाना हक है।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी, बोले- फौरन बंद हो कोरोना वैक्सीन का निर्यात

नई दिल्ली । कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और वायनाड से सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक चिट्ठी लिखी है। इसमें उन्होंने कोरोना वैक्सीन के निर्यात पर फौरन रोक लगाने की मांग की है। इसके साथ ही राहुल गांधी ने यह भी कहा है कि हर उस व्यक्ति को कोरोना रोधी टीका लगाना चाहिए जिसे इसकी जरूरत है। आपको बता दें कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि टीके की खरीद एवं वितरण में राज्यों की भूमिका बढ़ाई जाए। राहुल गांधी ने आठ अप्रैल को यह चिट्ठी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखी है। उन्होंने इस पत्र में यह आरोप भी लगाया कि केंद्र सरकार की ओर से सही तरीके से क्रियान्वयन न किए जाने और उसमें लापरवाही के कारण टीकाकरण का प्रयास कमजोर पड़ता दिख रहा है।उन्होंने प्रधानमंत्री से यह भी कहा कि टीके के आपूर्तिकर्ताओं को जरूरी संसाधन मुहैया कराए जाएं ताकि टीके तैयार करने की क्षमता में इजाफा हो सके।

कांग्रेस नेता ने देश में कोरोना वायरस संक्रमण की नयी लहर आने और टीकाकरण की गति कथित तौर पर धीमी होने का भी उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया कि अगर मौजूदा गति से टीकाकरण चलता रहा तो देश की 75 फीसदी आबादी को टीका लगाने में कई साल लग जाएंगे।

उन्होंने यह आग्रह किया, टीके के निर्यात पर तत्काल रोक लगाई जाए। नियमों और दिशानिर्देशों के अनुसार दूसरे टीकों को त्वरित अनुमति दी जाए। जिन्हें भी टीके की जरूरत है उनके लिए टीकाकरण की व्यवस्था की जाए। टीकाकरण के लिए तय राशि 35000 करोड़ रुपये में बढ़ोतरी की जाए।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने पत्र में कहा, हमारे टीकाकरण अभियान को, अब टीके के प्रमाणपत्र पर किसी व्यक्ति की तस्वीर से आगे, अधिकतम टीकाकरण की दिशा में बढ़ाना होगा।

राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते संकट के बीच टीके की कमी होना बहुत गंभीर समस्या है और केंद्र सरकार को पक्षपात किए बिना सभी राज्यों की मदद करनी चाहिए। उन्होंने यह टिप्पणी उस वक्त की है जब महाराष्ट्र और कुछ अन्य राज्यों में कोविड-रोधी टीके की कमी होने की खबरें आई हैं।

राहुल गांधी ने ट्वीट किया, बढ़ते कोरोना संकट में टीके की कमी एक अतिगंभीर समस्या है, उत्सव नहीं है। अपने देशवासियों को ख़तरे में डाल कर वैक्सीन का निर्यात करना क्या सही है? कांग्रेस नेता ने कहा, केंद्र सरकार सभी राज्यों की, बिना पक्षपात के मदद करे। हम सबको मिल कर इस महामारी को हराना होगा। उल्लेखनीय है कि एक दिन में कोविड-19 के 1,31,968 नए मामले सामने आने के बाद शुक्रवार को देश में संक्रमितों की कुल संख्या 1,30,60,542 हो गई। वहीं, 780 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 1,67,642 हो गई है।

कोविड -19 : दिल्ली के स्कूलों में चल रहीं सभी कक्षाएं अगले आदेश तक बंद, सीएम केजरीवाल ने दी जानकारी

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली में तेजी से बढ़ते कोविड -19 मामलों के मद्देनजर एक बार फिर दिल्ली के सभी निजी और सरकारी स्कूलों को अगले आदेश तक बंद करते हुए सभी क्लासों को रोक दिया गया है। इसके साथ ही 9वीं से 12वीं तक के छात्रों की फिजीकल मोड़ में चल रही अकादमिक व परीक्षा संबंधी सभी प्रकार की गतिविधियां भी रद्द कर दी गई हैं। 9वीं तक पहले से ही क्लासें ऑनलाइन चल रही थीं।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा, कोविड के बढ़ते मामलों के कारण, दिल्ली में सभी स्कूल (सरकारी, प्राइवेट सहित), सभी क्लासेज के लिए अगले आदेश तक बंद किए जा रहे हैं।

बता दें कि, इससे पहले दिए गए आदेश के मुताबिक, अकादमिक सत्र 2020-21 के 9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को बीते 5 फरवरी से अपने अभिभावकों की मंजूरी लेकर परीक्षाओं, प्रैक्टिकल, प्रोजेक्ट वर्क व इंटर्नल असेसमेंट संबंधी कार्यों के लिए स्कूल आने की छूट दी गई थी। स्कूल में आने वाले सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों को मास्क लगाने, सोशल डिस्टेंसिंग और कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करने को कहा गया था।

कोरोना संक्रमण के 7,437 मामले सामने आए- दिल्ली में गुरुवार को कोरोना संक्रमण के 7,437 मामले सामने आए थे, जो इस साल का एक दिन का सबसे बड़ा आंकड़ा है, जबकि के कारण 24 और लोगों की मौत हो गई, जिससे राजधानी में मृतकों की संख्या बढ़कर 11,157 हो गई। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, संक्रमण दर भी पिछले दिन की 6.1 प्रतिशत से बढ़कर 8.1 प्रतिशत हो गई, क्योंकि पिछले कुछ हफ्तों में मामलों में काफी वृद्धि हुई है। इस वर्ष पहली बार एक दिन में 7,000 से अधिक नए मामले सामने आए हैं। पिछले दो दिन 5,000 से अधिक नए मामले आए थे।

दिल्ली में अब तक के सबसे अधिक दैनिक मामले 11 नवंबर को आए थे, जब 8,593 मामले आए थे, जबकि शहर में कोविड-19 से सबसे अधिक मौतें 19 नवंबर को हुई थीं, जिस दिन 131 मरीजों की मौत हो गई थी। बुलेटिन में कहा गया कि एक दिन पहले 52,696 आरटी-पीसीआर जांच और 39,074 रैपिड एंटीजन जांच सहित कुल 91,770 जांच की गई थी। गुरुवार को संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 6,98,005 हो गए। अब तक 6.63 लाख से अधिक मरीज वायरस से उबर चुके हैं।

हेल्थ बुलेटिन के अनुसार, बीमारी के कारण 24 और लोगों की मौत हो गई, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 11,157 हो गई। दिल्ली में एक्टिव मरीजों की संख्या एक दिन पहले के 19,455 से बढ़कर 23,181 हो गई। बुलेटिन में कहा गया है कि होम आइसोलेशन में रखे गए लोगों की संख्या बुधवार के 10,048 से बढ़कर 11,367 हो गई, जबकि कंटेनमेंट जोन की संख्या एक दिन पहले के 3,708 से बढ़कर 4,226 हो गई।

देश में कोरोना के एक दिन में 1,31,968 नए मामले

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। भारत में एक दिन में कोविड-19 के 1,31,968 नए ममाले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की कुल संख्या 1,30,60,542 हो गई। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार की सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, वायरस से 780 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 1,67,642 हो गई। 18 अक्टूबर के बाद सामने आए मौत के ये सबसे अधिक मामले हैं। आंकड़ों के अनुसार, देश में लगातार 30 दिनों से नए मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है और इसके साथ ही उपचाराधीन मरीजों की संख्या भी बढ़कर 9,79,608 हो गई, जो कुल मामलों का 7.5 प्रतिशत है। >देश में 12 फरवरी को सबसे कम 1,35,926 उपचाराधीन मरीज थे। यह संख्या उस समय के कुल मामलों का 1.25 प्रतिशत थी। आंकड़ों के अनुसार, देश में अभी तक 1,19,13,292 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। हालांकि मरीजों के ठीक होने की दर में गिरावट आई है और अब वह 91.22 प्रतिशत है। वहीं कोविड-19 से मृत्यु दर 1.28 प्रतिशत है। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितम्बर को 40 लाख से अधिक हो गई थी।

राहुल गांधी का प्रधानमंत्री पर हमला, कहा- 'वैक्सीन की कमी समस्या है, उत्सव नहीं'

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कोरोना के रोकथाम की दिशा में टीकाकरण की तैयारी पर सवाल उठाने के बाद अब टीकों को कमी के लिए केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि टीके की कमी एक गंभीर समस्या है लेकिन केंद्र इसे गंभीरता से नहीं ले रहा है। देशवासियों को खतरे में डालकर कोरोना वैक्सीन को एक्सपोर्ट करना सरकार की प्राथमिकता में है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को ट्वीट कर देश में कोरोना वैक्सीन की कमी के मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने ट्वीट कर लिखा, 'बढ़ते कोरोना संकट में वैक्सीन की कमी एक अति गंभीर समस्या है, उत्सव नहीं। अपने देशवासियों को खतरे में डालकर वैक्सीन एक्सपोर्ट क्या सही है? केंद्र सरकार सभी राज्यों को बिना पक्षपात के मदद करे।

कोरोना संकट के बीच बच्चों को परीक्षा को लेकर विवश करने के लिए सीबीएसई जैसे बोर्ड जिम्मेदारः प्रियंका

नई दिल्ली,(वेबवार्ता)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि देश में एक बार फिर से बढ़ रहे कोरोना संकट के बीच बच्चों को परीक्षा में बैठने को लेकर विवश करने के लिए सीबीएसई जैसे बोर्ड जिम्मेदार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि परीक्षा रद्द की जाए या फिर ऐसी व्यवस्था की जाए कि बच्चों को भीड़ वाले परीक्षा केंद्रों पर जाने की जरूरत न पड़े। कांग्रेस महासचिव ने ट्वीट किया, ''कोरोना वायरस का संक्रमण एक बार फिर से हमारे देश को अपनी चपेट में ले रहा है । ऐसे में परीक्षा का दबाव डालने से बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ेगा। हमारी शिक्षा व्यवस्था को अपने रुख में व्यापक बदलाव करने की जरूरत है और बच्चों के प्रति संवेदनशीलता तथा करुणा का भाव दिखाना चाहिए, न कि इस बारे में सिर्फसम्मेलनों एवं संगोष्ठियों में बात की जानी चाहिए।''

लोगों को अराजकता के लिए उकसा रही हैं ममता, नहीं चाहती हैं शांतिपूर्वक चुनाव : अमित शाह

कोलकाता, (वेबवार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा प्रहार किया है। सुरक्षाबलों को घेरने संबंधी मुख्यमंत्री के बयान का जिक्र करते हुए अमित शाह ने कहा है कि ममता बनर्जी अराजकता के लिए लोगों को उकसा रही हैं। वह शांतिपूर्वक तरीके से चुनाव नहीं चाहती हैं। पश्चिम बंगाल में तीन चरण का चुनाव हो चुका है और चौथे चरण का मतदान शनिवार को होगा। मतदान से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया है कि अब तक हुए तीन चरणों के मतदान में भाजपा को 63 से 68 सीटें मिलनी तय है। शाह ने कहा कि अब तक तीन चरणों में बीजेपी को बंगाल की जनता ने अप्रत्याशित जनसमर्थन दिया है। हमारे आकलन के हिसाब से 63 से 68 सीट हम जीत रहे हैं। शाह ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस की बौखलाहट उसके नेताओं की भाषा, व्यवहार और बातचीत में दिखाई दे रही है। जिस तरह की टिप्पणी ममता बनर्जी ने सुरक्षाबलों के लिए की है, मुझे आश्चर्य है, कोई राज्य की मुख्यमंत्री या राजनीतिक दल की अध्यक्षा अगर कहती हैं कि सीआरपीएफ का आप घेराव कर लो, रोक लो, ममताजी ये क्या कहना चाहती हैं? लोगों को अराजकता की ओर ले जा रही हैं, शांतिपूर्ण चुनाव नहीं चाहती। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि ममता बनर्जी बार-बार आरोप लगा रही हैं कि गृह मंत्रालय के इशारे पर सीआरपीएफ बार-बार चुनाव को डिस्टर्ब कर रहा है। दीदी को मैं कॉमन सेंस की बात बताना चाहता हूं कि जब केंद्रीय बल चुनाव आयोग के काम में लगते हैं तो उन पर गृह मंत्रालय का कंट्रोल नहीं होता है।

देवस्थानम बोर्ड से मुक्त होंगे 51 मंदिर

हरिद्वार, (वेबवार्ता)। मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत शुक्रवार को हरिद्वार दौरे पर सप्तसरोवर मार्ग रानी गली स्थित अखंड परम धाम आश्रम में विश्व हिंदू परिषद की केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल की बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री ने कहा कि देवस्थानम बोर्ड में शामिल किए गए 51 मंदिरों को बोर्ड से मुक्त कर दिया जाएगा। देवस्थानम बोर्ड के बारे में भी पुनर्विचार किया जाएगा। जल्दी ही चार धामों के तीर्थ पुरोहितों की बैठक बुलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी के भी अधिकार को छीनने नहीं दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि चार धामों को लेकर शंकराचार्यों द्वारा प्राचीन काल से जो व्यवस्था की गई है उसका पूरी तरह पालन किया जाएगा। उसमें कोई छेड़छाड़ नहीं होगी। इस संबंध में जो भी उनके हाथ में होगा वो करेंगे। संतों को निराश नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री रावत ने कहा कि जब उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली तो सबसे पहले उनके एजेंडे में हरिद्वार का महाकुंभ और देवस्थानम बोर्ड का मुद्दा था। उन्होंने शपथ लेते ही अगले दिन हरिद्वार में आकर कुंभ के पहले शाही स्नान में संतों का आशीर्वाद लिया और कुंभ में स्नान के लिए सभी लोगों को आमंत्रण दिया, जिसके कारण 35 लाख से ज्यादा लोग पहले शाही स्नान पर्व पर क्षेत्र में आए। रावत ने कहा कि उन्होंने अखाड़ों और संतों के लिए कुंभ में भूमि देने के आदेश दिए और कोरोना से ठीक होने के बाद वो गंगा सभा द्वारा हरकी पैड़ी पर आयोजित गंगा पूजन में भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने कुंभ को सकुशल व दिव्य बनाने के लिए अधिकारियों को जरूरी आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि हरिद्वार में अगले महाकुंभ के लिए अभी से अखाड़ों को जमीन चिह्नित कर आवंटित कर दी जाएगी, ताकि भविष्य में कोई दिक्कत न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगा स्नान करने में रोक-टोक नहीं की जाएगी।

ममता बनर्जी को चुनाव आयोग ने थमाया एक और नोटिस, सीआरपीएफ पर दिए बयान को लेकर जताई नाराजगी

कोलकाता, (वेबवार्ता)। चुनाव आयोग ने राज्य में चुनाव ड्यूटी पर तैनात केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के खिलाफ पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रथम दृष्टया ÷पूरी तरह गलत, भड़काऊ और तीखे बयानों÷ के लिए नोटिस जारी किया है।

गुरुवार रात जारी किए गए नोटिस में कहा गया है कि तृणमूल कांग्रेस नेता ने प्रथम दृष्टया केंद्रीय बलों के खिलाफ अपनी टिप्पणी से भारतीय दंड संहिता और आदर्श आचार संहिता के विभिन्न वर्गों का उल्लंघन किया है। मुख्यमंत्री को शनिवार सुबह 11 बजे तक नोटिस का जवाब देने के लिए कहा गया है। चुनाव आयोग का कहना कि सीआरपीएफ सहित सभी अर्द्धसैनिकों बलों की चुनाव कराने महत्वपूर्ण भूमिका है, वह कानून व्यवस्था से लेकर निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराते हैं। आयोग ने कहा कि ममता बनर्जी का आरोप दुर्भाग्यपूर्ण है, इससे न सिर्फ चुनाव के दौरान, बल्कि चुनाव के बाद भी केंद्रीय सुरक्षा बलों पर सवाल उठेंगे। चुनाव आयोग का कहना है कि ममता का बयान चुनाव आचार संहिता के साथ ही आईपीसी की धारा 186, 189 और 505 का उल्लंघन है। ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग ने 10 अप्रैल को दिन में 11 बजे तक जवाब मांगा हैं। आयोग का कहना है कि अगर ममता बनर्जी जवाब नहीं देती हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पिछले कुछ दिनों में बनर्जी को यह दूसरा नोटिस है। बुधवार को उसने उसे सांप्रदायिक लाइनों के साथ वोट के लिए उनकी कथित अपील पर नोटिस जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि यह मॉडल कोड और जनप्रतिनिधित्व कानून का उल्लंघन है।

न्यायालय ने काला जादू, जबरन धर्मांतरण रोकने के अनुरोध संबंधी याचिका पर सुनवाई से इनकार किया

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने काला जादू और जबरन धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए केंद्र को निर्देश देने के अनुरोध संबंधी याचिका पर सुनवाई से शुक्रवार को इनकार करते हुए कहा कि 18 वर्ष से अधिक उम्र का व्यक्ति अपना धर्म चुनने के लिए स्वतंत्र है। न्यायमूर्ति आर एफ नरीमन, न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऋषिकेष रॉय की पीठ ने याचिकाकर्ता वकील अश्विनी उपाध्याय की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता शंकरनारायण से कहा, ÷अनुच्छेद 32 के तहत यह किस तरह की याचिका है। हम आप पर भारी जुर्माना लगाएंगे। आप अपने जोखिम पर बहस करेंगे।÷ पीठ ने कहा कि 18 वर्ष से अधिक आयु वाले किसी व्यक्ति को उसका धर्म चुनने की अनुमति नहीं देने का कोई कारण नहीं हैं। पीठ ने शंकरनारायण से कहा, ÷संविधान में प्रचार शब्द को शामिल किए जाने के पीछे कारण है।÷ इसके बाद शंकरनारायण ने याचिका वापस लेने और सरकार एवं विधि आयोग के समक्ष प्रतिवेदन दायर करने की अनुमति मांगी। पीठ ने विधि आयोग के समक्ष प्रतिवेदन की अनुमति देने से इनकार कर दिया और कहा, ÷हम आपको यह इजाजत नहीं दे सकते।÷ न्यायालय ने वापस ली गई याचिका के रूप में इसका निस्तारण किया।

अमेरिका में रह रहे चीनी अब जमकर खरीद रहे हथियार

न्यूयॉर्क, (एजेंसी)। तीन महीने से अमेरिका गोलीबारी की घटनाओं से जूझ रहा है। गन हिंसा प्राधिकरण के मुताबिक 3 अप्रैल तक 8076 लोगों की मौत गोली लगने की वजह से हुई है। पर सबसे चिंताजनक बात है नया डेटा और ट्रेंड, जो बताता है कि अमेरिकी इतिहास में इन दिनों सबसे ज्यादा बंदूकें बिक रही हैं। नया ट्रेंड ये, कि इन खरीदारों में अब आधे एशियाई अमेरिकी हैं, इनमें भी अधिकतर चीनी हैं, जो हेट क्राइम की वजह से ऐसी गोलीबारी में आसान शिकार बनते हैं। न्यूयॉर्क में बंदूक कारोबारी जिम्मी गांग कहते हैं कि नए खरीदारों में चीनी अमेरिकियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। मैंने कभी इतनी संख्या में इन्हें बंदूकें खरीदते नहीं देखा। अब तक चीनी लोगों में हथियार खरीदने में हिचकिचाहट रहती थी। पर न्यूयॉर्क में साउथ एशियन कम्युनिटी पर गोलीबारी की घटना नौ गुना बढे के बाद लोग खुद को बचाने के लिए हथियार खरीद रहे हैं। गांग कहते हैं कि महामारी के दौरान बंदूकों की बिक्री दोगुनी हो गई है, इनमें आधा बिजनेस एशियाई अमेरिकियों से मिल रहा है।

एक और चौंकाने वाला तथ्य यह है कि राहत पैकेज के तहत मिल रहे चेक का इस्तेमाल लोग बंदूक खरीदने में कर रहे हैं। देश के कई बंदूक दुकान मालिकों का मानना है कि अमेरिकी नागरिकों का एक वर्ग बंदूक खरीदने के लिए राहत पैकेज का इस्तेमाल कर रहा है। अब उन्हें दूसरे राउंड के राहत पैकेज का इंतजार है। फ्लोरिडा के ब्रैंडन हेक्सलर कहते हैं कि राहत पैकेज यानी गन मनीड़। बीते साल अप्रैल में लोगों को राहत पैकेज के तौर पर 1200 डॉलर मिले थे, उस वक्त बिक्री 20त्न बढ़ी थी। उम्मीद है कि दूसरे राउंड की चेक जारी होते ही ब्रिकी फिर बढ़ेगी। नेशनल अफ्रीकन अमेरिकन गन एसोसिएशन के फाउंडर फिलिप स्मिथ कहते हैं कि गोलीबारी घटनाओं ने भी लोगों को बंदूक रखने के लिए प्रोत्साहित किया है। वे कहते हैं कि नए खरीदारों में ऐसे भी हैं, जिन्होंने कल्पना भी नहीं की थी कि उन्हें बंदूक खरीदनी पड़ेगी। लोग गंभीरता से सोच रहे हैं कि खुद और परिवार को कैसे बचाएं। इस साल जनवरी में एफबीआई के पास 43 लाख खरीदारों की जांच के आवेदन थे, जबकि जनवरी 2020 में में 27 लाख थे।

पश्चिमी फ्रांस में वर्ष 1900 में खोजा गया कांस्य युग का फलक, यूरोप में मौजूद सबसे पुराना नक्शा

पेरिस, (एजेंसी)। एक अध्ययन में खुलासा हुआ है कि पश्चिमी फ्रांस में वर्ष 1900 में खोजा गया कांस्य युग का फलक, यूरोप में मौजूद सबसे पुराना नक्शा है। पुरातत्वविद वान पैलियर के अनुसार, करीब 4000 साल पुरानी इस वस्तु को सेंट बेलेक स्लैब के नाम से जाना जाता है, इसमें पश्चिमी फ्रांस के ब्लैक माउंटेंस के एक हिस्से को उकेरा गया है। उन्होंने कहा, आज यहां यूरोपीय क्षेत्र का सबसे पुराना मैप है। आप इस स्लैब पर नक्काशी को देख सकते हैं जो पहली नजर में समझ में नहीं आती है।

पुरातत्वविद पॉल ड्यू चेटेलियर ने इस स्लैब को फिनिस्टेयर के एनसिएंट बरियल ग्राउंड में वर्ष 1900 में खोजा था और दशकों तक उनकी एक प्रापर्टी में रखा हुआ था। शोधकताओं ने इस चट्टान के बारे में 2017 में अध्ययन शुरू किया जो 2।2 मीटर लंबा और 1।5 मीटर चौड़ी है और इसका भार करीब एक टन है। पैलियर कहते हैं कि यदि हम इस स्लैब के चिह्नों के मायने तलाश पाए तो हम जान पाएंगे कि यह मैप किस जगह के बारे में बात रहा है।

ब्रिटेन ने पाबंदियों से तोड़ी संक्रमण की चेन

लंदन, (एजेंसी)। कोरोना से शीर्ष संक्रमित देशों में शामिल रहे ब्रिटेन में रोजाना नए मरीज 3 हजार से नीचे और रोजाना मौतें 50 से कम हो गई हैं। यानी जनवरी के पीक से नए मरीज 90 फीसदी घट गए हैं। इस साल के शुरूआती दिनों में यहां रोजाना 50 हजार से ज्यादा नए मरीज मिल रहे थे। फरवरी के बाद यूरोप में कोरोना की नई लहर आई और नए मरीजों की संख्या कई गुना बढ़ गई। वहीं, ब्रिटेन में फरवरी के बाद नए केस दो तिहाई घट गए हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक सबसे अधिक संक्रमित होने के बाद ब्रिटेन ने कोरोना को नियंत्रित करने का सबसे सफलतम उदाहरण पेश किया है। इमपेरियल कॉलेज ऑफ लंदन ने एक रिसर्च के आधार पर कहा है कि ब्रिटेन ने तेज वैक्सीनेशन और योजनाबद्ध तरीके से चरणवार लॉकडाउन लगाया। लिहाजा इंफेक्शन और मौतों के बीच चेन को तोडे में कामयाब हुआ है। ब्रिटेन ने 14 दिसंबर से अपने देश में वैक्सीनेशन शुरू किया। अब तक वह अपनी 48त्न से ज्यादा आबादी को पहला डोज दे चुका है। लंदन में दो दिन ऐसे आए जब कोरोना से एक भी मौत नहीं हुई। अब यहां अनलॉक की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

पीएम जॉनसन ने 4 जनवरी-21 को अगले 6 महीने के लिए नई पाबंदियों की घोषणा की। लेकिन योजना के साथ चरणबद्ध तरीका स्पष्ट था। इसमें कहा गया था कि 8 मार्च से स्कूल खुल जाएंगे। 29 मार्च से लोग दो परिवार या 6 लोग बाहर जा सकेंगे। 12 अप्रैल से गैरजरुरी दुकानें खुल जाएंगी। 21 जून से सभी कानूनी प्रतिबंध हटा लिए जाएंगे।

न्यूजीलैंड में भारतीयों की एंट्री बैन

वेलिंगटन, (एजेंसी)। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए न्यूजीलैंड ने भारतीयों के आने पर रोक लगा दी है। भारतीयों की न्यूजीलैंड में एंट्र पर बैन 11 अप्रैल से 28 अप्रैल तक लागू रहेगा। न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डर्न ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि उनके देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 23 मामलों में से 17 भारतीय हैं। ये सभी भारत से लौटे थे। इसलिए यह फैसला लिया गया है। सिंगापुर ने भी भारत में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए 8 हजार भारतीयों के वीजा रोक दिए हैं। ये वो भारतीय हैं जो पिछले साल कोरोना काल के दौरान सिंगापुर से भारत आए थे और अब वापस जाना चाहते हैं।

न्यूजीलैंड में पिछले कुछ दिनों के अंदर कोरोना के 2,531 नए केस सामने आए हैं। प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डर्न ने कहा कि भारत से आने वाले यात्रियों में कोरोना के मामले सामने आ रहे थे। इसलिए ये अस्थाई बैन लगाया गया है। न्यूजीलैंड के नागरिकों पर भी ये लागू होगा। हमारी सरकार ऐसे और देशों पर भी नजर बनाए है, जहां कोरोना के केस तेज से बढ़ रहे हैं। अगर जरूरत पड़ी तो दूसरे देशों से आने वाले यात्रियों पर भी बैन ल गाया जाएगा।

म्यांमार के राजदूत को लंदन में स्थित कार्यालय में प्रवेश नहीं करने दिया गया

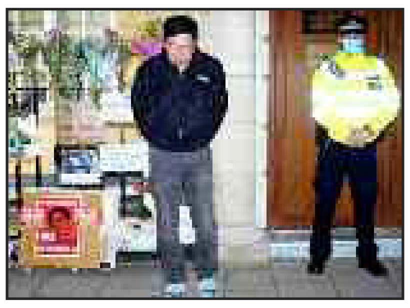

लंदन, (एजेंसी)। ब्रिटेन में म्यांमार के राजदूत ने आरोप लगाया है कि उनके सहकर्मियों ने उन्हें लंदन में स्थित कार्यालय में प्रवेश नहीं करने दिया। राजदूत क्यॉ ज्वार मिन ने कहा कि म्यांमार के सैन्य शासन के निष्ठावान राजनयिकों ने बुधवार शाम उन्हें दूतावास में प्रवेश करने से रोक दिया। राजदूत ने पिछले महीने म्यांमार की लोकतंत्र समर्थक नेता आंग सू ची की रिहाई की अपील की थी, जिन्हें एक फरवरी को सैन्य तख्तापलट के बाद हिरासत में ले लिया गया था। उन्होंने तख्तापलट की भी आलोचना की थी।

उन्होंने स्थानीय मीडिया से कहा, मुझे कर्मचारियों ने अंदर जाने से रोक दिया और कहा कि उन्हें राजधानी से निर्देश मिले हैं, लिहाजा वे मुझे अंदर नहीं जाने दे सकते। उन्होंने इस कदम को बगावत करार दिया। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डॉमिनिक रॉब ने बृहस्पिवार को इस घटना की निंदा करते हुए इसे म्यांमार के सैन्य शासन की तंग करने वाली कार्रवाई करार दिया और राजदूत के साहस की प्रशंसा की।

भारत से मजबूत संबंधों के लिए अमेरिकी संसद में स्ट्रैटजिक कॉम्पिटिशन एक्ट ऑफ 2021 विधेयक पेश

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के दो प्रभावशाली सांसदों ने भारत से मजबूत संबंधों के लिए अमेरिकी संसद में स्ट्रैटजिक कॉम्पिटिशन एक्ट ऑफ 2021 विधेयक पेश किया है। इस द्विदलीय व्यापक विधेयक में चीन से प्रतिस्पर्धा के लिए देश की क्षमता को बढ़ाने, क्वाड की पहलों को बढ़ावा देने और भारत समेत अमेरिका की द्विपक्षीय एवं क्षेत्रीय भागीदारी को प्रगाढ़ करने की बात कही गई है।

सांसद एवं सीनेट की प्रभावशाली विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष रॉबर्ट मेनेंडेज ने कहा कि विधेयक स्ट्रैटजिक कॉम्पिटिशन एक्ट ऑफ 2021 अमेरिका की राष्ट्रीय एवं आर्थिक सुरक्षा को लेकर चीन द्वारा पैदा की गई चुनौतियों से मुकाबला करने के लिए हिंद-प्रशांत रणनीति के वास्ते देश के सभी सामरिक, आर्थिक और राजनयिक नीति को समाहित करेगा।

मेनेंडेज ने रैंकिंग सदस्य जिम रिस्च के साथ 280 पृष्ठों वाले अधिनियम को पेश किया है। सीनेट की विदेश मामलों की समिति इस विधेयक पर चर्चा करने वाली है और 14 अप्रैल को मतदान होगा जिसके बाद इसे सीनेट भेज दिया जायेगा। मेनेंडेज ने कहा, विधेयक स्ट्रैटजिक कॉम्पिटिशन एक्ट ऑफ 2021 इस बात को स्वीकारता है कि यह वक्त एक एकीकृत, सामरिक प्रतिक्रिया देने का है जिससे कि अमेरिका के नेतृत्व को फिर से उभारा जाये, चीन से प्रतिस्पर्धा के लिए निवेश किया जाये।

ठहराव के बाद चाबहार बंदरगाह का संचालन मई तक शुरू होने की संभावना

वाशिंगटन, (एजेंसी)। भारत ने थोड़े ठहराव के बाद इस साल की शुरूआत से ही चाबहार बंदरगाह पर काम तेज कर दिया है और सामरिक रूप से महत्वपूर्ण इस ईरानी बंदरगाह का संचालन अगले महीने तक शुरू होने की संभावना है। अमेरिकी संसद की एक रिपोर्ट में यह बात कही है। अमेरिकी सांसदों के लिए अपनी नयी रिपोर्ट में कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस (सीआरएस) ने कहा कि 2015 में ईरान के चाबहार बंदरगाह और रेलवे लाइन बिछाने के काम में मदद के लिए भारत तैयार हो गया था। इस रेलवे लाइन से भारत को पाकिस्तान से गुजरे बिना अफगानिस्तान से बेरोक-टोक व्यापार करने में मदद मिलेगी। करीब 100 पृष्ठों की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि मई 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ईरान गए और बंदरगाह तथा उससे संबंधित बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 50 करोड़ डॉलर निवेश करने के समझौते पर हस्ताक्षर किए। हालांकि ट्रंप प्रशासन ने ईरान पर अपने कड़े प्रतिबंधों से भारत की अफगानिस्तान पुनर्निर्माण परियोजना को छूट दे रखी थी लेकिन भारत ने 2020 के अंत तक परियोजना पर काम रोक दिया।

सीआरएस रिपोर्ट में कहा है कि उसने 2021 की शुरूआत में काम तेज कर दिया और बंदरगाह का संचालन मई 2021 तक शुरू होने की संभावना है। स्वतंत्र संगठन सीआरएस की रिपोर्ट विशेषज्ञों ने तैयार की है और इसे अमेरिकी संसद की आधिकारिक रिपोर्ट नहीं माना जाता। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान की अर्थव्यवस्था दक्षिण एशिया में उसके निकटतम पड़ोसियों से जुड़ी हुई है। सीआरएस ने कहा कि पाकिस्तान के साथ ईरान के आर्थिक संबंध भारत के साथ उसके आर्थिक संबंधों की तुलना में कम व्यापक हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की भूमिका पर अविश्वास ने क्वाड को मजबूत बनाया है।

खैबर पख्तूनख्वा सरकार ने पाकिस्तान में हिंदू मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए 3.48 करोड़ दिए

पेशावर, (एजेंसी)। पाकिस्तान की खैबर पख्तूनख्वा प्रांतीय सरकार ने पिछले वर्ष दिसंबर में कुछ स्थानीय मौलाना और कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी उलेमा-ए-इस्लामी के सदस्यों के नेतृत्व में भीड़ द्वारा तोड़े गए हिंदू मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए 3.48 करोड़ रुपये जारी किए हैं। प्रांतीय सरकार श्री परमहंस जी महाराज की समाधि के पुनर्निर्माण के लिए औकाफ विभाग को 3,48,29,000 रुपये देगी। खैबर पख्तूनख्वा के कारक जिले के टेरी गांव में पिछले वर्ष 30 दिसंबर को श्री परमहंस जी महाराज की समाधि तोड़ दी गई थी। एक सदी से अधिक पुराने मंदिर और पास में स्थित समाधि पर हमले की मानवाधिकार कार्यकताओं और अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के नेताओं ने कड़ी आलोचना की थी, जिसके बाद उच्चतम न्यायालय ने इसके फिर से निर्माण का आदेश दिया था। अदालत ने प्रांतीय सरकार को निर्देश दिया कि मंदिर का निर्माण जल्द से जल्द पूरा किया जाए। खैबर पख्तूनख्वा में हिंदू समुदाय ने पिछले महीने मंदिर तोड़ने वाली भीड़ को माफ करने का फैसला किया था।

अमेरिका में फिर फायरिंग, एक की मौत, 6 घायल

टेक्सास, (एजेंसी)। अमेरिका के टेक्सास के ब्रायन शहर के एक पार्क में सिरफिरे ने खुलेआम गोलीबारी कर दी। पार्क में बैठे एक शख्स की इसमें मौत हो गई, जबकि 6 अन्य घायल हो गए। ये गोलीबारी उस वक्त हुई जब पार्क में बड़ी संख्या में लोग घूमने पहुंचे थे। पुलिस ने मामले में आरोपी को हिरासत में ले लिया है। घटना का कारण अभी नहीं पता चल पाया है। पुलिस के मुताबिक, गोलीबारी की यह घटना ब्रायन शहर के इंडस्ट्रियल पार्क में हुई है। स्थानीय समय के अनुसार घटना गुरुवार दोपहर 2:30 बजे की है। चश्मदीदों की मुताबिक हमला करने वाला कैंट मूर कैबिनेट्स का कर्मचारी है। पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। अमेरिका में लगातार हो रही गोलीबारी की घटनाओं को लेकर राष्ट्रपति जो बाइडेन भी चिंतित हैं। वह इस पर लगाम लगाने की कोशिश में जुटे हैं। बाइडेन ने कहा कि देश में बंदूक से की गई हिंसा एक महामारी की तरह है। इसे रोकने के लिए हर संभव कदम उठाया जाएगा।

अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े ने भारत की अनुमति के बिना लक्षद्वीप के निकट किया अभ्यास

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े के ने भारत की अनुमति के बिना लक्षद्वीप के निकट एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन के भीतर फ्रीडम ऑफ नेवीगेशन ऑपरेशन किया। यह अमेरिकी ऑपरेशन भारत की सामुद्रिक सीमा सुरक्षा के खिलाफ है।

अमेरिका के सातवें बेड़े के पब्लिक अफेयर्स के बयान में कहा गया, 7 अप्रैल, 2021 (स्थानीय समय) को अमेरिकी पोत यूएसएस जॉन पॉल ने लक्षद्वीप से 130 नॉटिकल मील पश्चिम में भारत के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन के भीतर नेवीगेशनल राइट्स तथा फ्रीडम का इस्तेमाल किया, जिसके लिए अंतरराष्ट्रीय कानूनों के मुताबिक भारत से पूवार्नुमति नहीं मांगी गई... भारत के अनुसार, एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन के भीतर सैन्य अभ्यासों तथा आवाजाही के लिए पूवार्नुमति अनिवार्य है, लेकिन वह अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुरूप नहीं है... बयान के अनुसार, हम रूटीन और नियमित फ्रीडम ऑफ नेवीगेशन ऑपरेशन्स करते हैं, जो हम अतीत में भी कर चुके हैं और भविष्य में भी करते रहेंगे... ये किसी एक देश के बारे में नहीं होते, और न ही वे कोई राजनैतिक अर्थ रखते हैं...

हालाँकि इस बयान पर भारतीय नौसेना अथवा भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से फिलहाल कोई बयान नहीं आया है। किन्तु यह बयान भारत के लिए कलहकारी बन सकता है, क्योंकि अमेरिका इस वक्त भारत के सबसे करीबी रणनीतिक साझीदारों में शुमार होता है और दोनों पक्ष चीन के समुद्री, खासतौर से दक्षिण चीन सागर में, विस्तारवाद का विरोध करते रहे हैं। भारत और अमेरिका सारे साल ही नौसेनिक अभ्यास भी करते रहते हैं।

राफेल सौदे के लिए भारत में बिचौलिए को दी गई दलाली

नई दिल्ली, (संवाददाता)। फ्रांसीसी एयरोस्पेस कंपनी दसॉल्ट ने भारत के साथ राफेल जेट विमानों की खरीद में भ्रष्टाचार के ताजा आरोपों को गुरुवार को खारिज किया और कहा कि अनुबंध संरचना का किसी भी प्रकार उल्लंघन नहीं किया गया है। इससे कुछ दिन पहले फ्रांसीसी मीडिया प्रकाशन ने देश की भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी की जांच का हवाला देते हुए खबर प्रकाशित की थी कि दसॉल्ट एविएशन ने एक भारतीय बिचौलिए को दस लाख यूरो की रिश्वत दी थी। दसॉल्ट एविएशन के एक प्रवक्ता ने कहा, फ्रांसीसी भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी समेत कई आधिकारिक संगठनों द्वारा बहुत सी जांच की जाती है। 36 विमानों की खरीद में भारत के साथ हुए अनुबंध की संरचना का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। अधिकारी ने कहा कि दसॉल्ट एविएशन ने दोहराया कि वह आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) के रिश्वत रोधी प्रस्ताव और राष्ट्रीय कानूनों का कड़ाई से पालन करता है। केंद्र की भाजपा नीत राजग सरकार ने फ्रांसीसी एयरोस्पेस कंपनी दसॉल्ट एविएशन से 36 राफेल जेट खरीदने के लिए 23 सितंबर, 2016 को 59,000 करोड़ रुपये के समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। लोकसभा चुनाव,2019 से पहले कांग्रेस ने विमान की दरों और कथित भ्रष्टाचार सहित इस सौदे को लेकर कई सवाल खड़े किये थे, लेकिन सरकार ने सभी आरोपों को खारिज कर दिया था।

क्या ठीक होंगे भारत-पाकिस्तान के बीच संबंध, हुई चर्चा

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान सेना के शीर्ष अधिकारियों ने संघर्ष विराम समझौता बहाल होने के बाद नियंत्रण रेखा समेत भारत के साथ लगी सीमा पर स्थिति को लेकर चर्चा की है। सेना प्रमुख (सीओएएस) जनरल कमर जावेद बाजवा ने रावलपिंडी में कोर कमांडरों के 240 वें सम्मेलन की अध्यक्षता की। इस बैठक में भाग लेने वाले अधिकारियों ने वैश्विक, क्षेत्रीय और घरेलू सुरक्षा माहौल की सघन समीक्षा की। सेना ने बताया कि सम्मेलन में हाल में संपन्न अभ्यास के दौरान सेना की परिचालन तैयारियों पर संतोष प्रकट किया गया। डीजीएमओ के बीच संघर्ष विराम समझौते के बाद खासकर पूर्वी सीमा, नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर स्थिति को लेकर विस्तृत चर्चा की गयी है।

दक्षिण चीन सागर में अमेरिकी विध्वसंक जहाज की फिर एंट्री

नई दिल्ली, (संवाददाता)। ताइवान की खाड़ी से अमेरिकी विध्वंसक जहाज के गुजरने से चीन गुस्से में है। उसने अमेरिका के इस कदम का गुरुवार को पुरजोर विरोध किया। ड्रैगन ने कहा कि उसके इस कदम से क्षेत्र में अशांति और खतरा उत्पन्न हो सकता है। दोनों देशों के इस क्षेत्र में अपनी नौसैन्य गतिविधि बढ़ाने के बीच यह ताजा कदम है। चीनी सेना की पूर्वी थिएटर कमान के प्रवक्ता झांग चुनहुई ने एक बयान में कहा कि चीन ने बुधवार को यूएसएस जॉन एस मैक्केन पोत को उसके मार्ग से गुजरते देखा। उन्होंने कहा कि हमारे सैनिकों ने उसका पीछा किया और उसकी निगरानी भी की। अमेरिका का यह कदम ताइवान की सरकार को गलत संकेत भेजता है और वह ताइवान की खाड़ी में शांति तथा स्थिरता को खतरे में डालकर क्षेत्रीय स्थिति को जानबूझकर बाधित करना चाहता है। उन्होंने कहा कि चीन इस कदम का कड़ा विरोध करता है और चीनी सेना सख्त एहतियाती कदमों और सतर्कता से इसका जवाब देगी।

वहीं, अमेरिकी नौसेना ने कहा कि मैक्केन अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग के जरिये सात अप्रैल को ताइवान की खाड़ी से आम दिनों की तरह गुजरा। इस संबंध में अमेरिका ने एक बयान जारी किया था। उसने इसमें कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत जहाज यहां से गुजरा। इस बीच, अमेरिकी नौसेना ने यह घोषणा की कि शनिवार को उसके विमान वाहक पोत थियोडोर रूजवेल्ट और उसके स्ट्राइक समूह ने इस वर्ष दूसरी बार दक्षिण चीन सागर (एससीएस) में प्रवेश किया। उन्होंने बताया कि यह अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग कानून के तहत सामान्य ऑपरेशन था। उधर, चीन पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा ठोकता है और इस क्षेत्र में प्रवेश करने पर किसी भी विदेशी जहाज और पोत का विरोध करता है। चीन की सैन्य क्षमताओं में भारी सुधार और ताइवान के आसपास उसकी बढ़ती गतिविधि ने अमेरिका को चिंतित कर दिया है। एक नियमित ब्रीफिंग में अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने दोहराया कि ताइवान के लिए हमारी प्रतिबद्धता चट्टान की तरह है। उन्होंने कहा कि हम सोचते और जानते हैं कि यह ताइवान की खाड़ी और क्षेत्र के भीतर शांति और स्थिरता के रखरखाव में योगदान देता है। प्राइड ने कहा कि अमेरिका ताइवान के लोगों की सुरक्षा या सामाजिक या आर्थिक व्यवस्था को खतरे में डालने वाले किसी भी प्रकार के बल या जबरदस्ती का विरोध करने की क्षमता रखता है। वू ने कहा कि अगर चीन हमला करता है तो उनका देश आखिरी दिन तक अपनी रक्षा करेगा। वू ने एक तरफ चीन की सुलह की कोशिशों और दूसरी तरफ सैन्य धमकियां देने पर बुधवार को कहा कि वे इस द्वीप के निवासियों को मिलाजुला संकेत भेज रहे हैं। वू ने कहा कि सोमवार को ताइवान के वायु रक्षा क्षेत्र में चीन के 10 युद्धक विमान उड़े और उसने ताइवान के समीप अभ्यासों के लिए एक विमान को तैनात किया है। उन्होंने पत्रकारों से कहा, हम बिना किसी सवाल के अपनी रक्षा करेंगे।

एक नजर

दिल्ली में बंदर का डर दिखाकर पैसा छीनने वाले गिरोह का पर्दाफाश, ऐसे देते थे वारदात को अंजाम

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस ने राजधानी में बंदर का डर दिखाकर पैसा उगाही करने वाले एक गैंग का पर्दाफश किया है. यह गिरोह लोगों को बंदर का डर दिखाता और फिर उनसे पैसे देने के लिए कहता था. दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक ऐसे गैंग को पकड़ा है, जो अपने पास बन्दर रखते थे और बंदरों के जरिये लोगों को घेरकर उन्हें डराते थे ,फिर डर दिखाकर उनसे पैसे छीन लेते थे.

दक्षिणी दिल्ली के डीसीपी अतुल ठाकुर के मुताबिक, 2 अप्रैल को मालवीय नगर में रहने वाले पेशे से एक वकील ने शिकायत दी कि 3 लोगों का एक गैंग, जो बंदर लेकर चल रहा था, उन्हें बंदरों से घिरवा दिया. फिर बंदरों ने ऐसा मुंह बनाया जैसे वो काट लेंगे. गैंग के लोगों ने कहा कि जो पैसे हों वो दे दो नहीं तो बंदर छोड़ेंगे नहीं. फिर डर की वजह से वकील को बंदर के हाथ में 6000 हज़ार रुपये देने पड़े. पुलिस ने वकील की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू की. इसके बाद 8 अप्रैल को पुलिस को पता चला कि चिराग दिल्ली फ्लाईओवर के पास कुछ लोग बंदर लेकर घूम रहे हैं. पुलिस ने मौके पर जाकर 2 लोगों बलवान नाथ और सलिन नाथ को पकड़ा जबकि इनका एक साथी अजय फरार हो गया. इनके पास से 2 बंदर भी बरामद किए गए हैं. आरोपियों ने बताया कि वो बंदरों के जरिये लोगों को डराकर पैसे छीनते आये हैं.

जेब से सिर्फ तीन रुपये मिलने पर बदमाश हुआ आग बबूला, फैक्टरी कर्मी को पीट-पीट कर किया अधमरा

नई दिल्ली । देश की राजधानी दिल्ली के अलीपुर में एक बदमाश ने फैक्टरीकर्मी को पीट-पीट कर इसलिए अधमरा कर दिया, क्योंकि लूटपाट के दौरान उसके जेब में सिर्फ तीन रुपये मिले। पीड़ित को घायल करने के बाद बदमाश तीन रुपये ही लेकर फरार हो गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने लूटपाट का मामला दर्ज किया है और पीड़ित के बताए हुलिए के आधार पर उसकी पहचान करने में जुटी है। पीड़ित की पहचान मूलत~ यूपी के गांव नगला दशरथ, मैनपुरी निवासी अर्जुन के रूप में हुई है। वह पिछले आठ साल से सिंघु गांव में रहता है और कोंडली स्थित एक फैक्टरी में काम करता है। मंगलवार की रात वह साइकिल से फैक्टरी जा रहा था। दादा भैया मंदिर के पास एक युवक उसके सामने आ गया और धक्का देकर उसे साइकिल से गिरा दिया। बदमाश उसे हथियार दिखाकर उससे नकदी और अन्य सामान देने के लिए कहा।

अर्जुन ने उससे कहा कि उसके पास कुछ भी नहीं है। उसके बाद बदमाश उसकी पिटाई करने लगा और फिर पीछे से गले में बांह का फंदा बनाकर उसे पीटता रहा। इस दौरान बदमाश अर्जुन के जेबों को टटोलता रहा। उसके एक जेब से सिर्फ तीन रुपये खुल्ले मिले।

यह देखकर बदमाश गुस्से से लाल हो गया और अर्जुन को पीटने लगा। वह उसे तब तक पीटता रहा जब तक वह अधमरा नहीं हो गया। उसके बाद बदमाश उसे भागने के लिए कहा। डरा सहमा अर्जुन किसी तरह से साइकिल खींचते हुए फैक्टरी पहुंचा और अपने सहकर्मी को घटना की जानकारी दी। सहकर्मी उसे लेकर सिंघु गांव स्थित उसके घर पर पहुंचे। जहां से अर्जुन ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने अर्जुन को इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने उसके बयान पर मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुट गई है।

मुसीबत-दर-मुसीबत : दिल्ली के कई अस्पतालों में वैक्सीन की कमी, टीकाकरण पर असर

नई दिल्ली । राजधानी में टीका लेने वालों की संख्या में इजाफा होते ही अस्पतालों में वैक्सीन की कमी होने लगी है। कुछ सरकारी अस्पतालो में प्रतिदिन 300 से कम खुराक लगाई जा रही है। वहीं, एक निजी अस्पताल में टीके का स्टॉक ही खत्म हो गया है। हालांकि, दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन का कहना है कि राजधानी में टीकाकरण अभियान अच्छी तरह चल रहा है। सरकार के पास अगले चार से पांच दिन का टीके का स्टॉक उपलब्ध है। केंद्र से और मांग की गई है। उम्मीद है जल्द ही वैक्सीन की अगली खेप भी मिल जाएगी।

दिल्ली सरकार ने कुछ दिन पहले सभी अस्पतालों को आदेश जारी किया था कि प्रत्येक अस्पताल में कम से कम छह टीकाकरण केंद्र होने चाहिए और प्रति केंद्र पर 200 खुराक लगनी चाहिए, लेकिन वैक्सीन की कमी के चलते लक्ष्य के हिसाब से टीका नहीं लग पा रहा है। दिल्ली सरकार के राजीव गांधी सुपरस्पेशयलिटी अस्पताल में प्रतिदिन केवल 200 लोगों को ही खुराक लगाई जा रही है। यहां दोपहर तीन बजे तक ही वैक्सीन का स्टॉक खत्म हो जाता है। जबकि, इस केंद्र पर टीकाकरण का समय रात 09 बजे तक का है। इससे दोपहर बाद आने वाले लोगों को यहां टीका ही नहीं लग पा रहा है। इसी प्रकार इहबास अस्पताल में भी 300 लोगों को ही वैक्सीन दी जा रही है। वहीं, कीर्ति नगर के कालरा अस्पताल में वैक्सीन का स्टॉक की खत्म हो गया है। इस अस्पताल में टीका लेने के लिए आने वालों को वापस लौटना पड़ रहा है।

इस मामले में राजीव गांधी अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉक्टर बी.एल शेरवाल ने कहा कि टीकाकरण केंद्र बनाने का काम जिला प्रशासन के आदेश के हिसाब से किया जाता है। अभी उन्हें दो केंद्र ही चलाने को कहा गया है। एक दो दिन में तीसरा केंद्र भी चालू हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि केंद्र की संख्या के हिसाब से वैक्सीन का स्टॉक उपल्बध है। वहीं,कालरा अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉक्टर आर.एन कालरा ने कहा कि उनके अस्पताल में टीके का स्टॉक खत्म हो गया है, प्रशासन की ओर से उन्हें आश्वासन दिया गया है कि अगले एक दो दिन में वैक्सीन उपलब्ध करा दी जाएगी।

चाचा को मिला लाचार भतीजे की देखरेख का अधिकार, पत्नी के साथ है विवाद

नई दिल्ली । एक्यूट इस्कीमिक स्ट्रोक से ग्रस्त व बिस्तर पर पड़े वित्त मंत्रालय में लोवर डिविजनल क्लर्क अजीत कुमार सिंह की देखरेख के लिए दिल्ली हाई कोर्ट ने उनके चाचा को अभिभावक का अधिकार दिया है। न्यायमूर्ति प्रतीक जालान की पीठ ने कहा कि अजीत बैंक खाता संचालित करने के योग्य नहीं हैं। नोटिस के बावजूद अजीत की पत्नी पेश नहीं हुई और आपसी सहमति से तलाक की प्रक्रिया चल रही है। अजीत के बड़े बेटे ने भी याचिकाकर्ता को कानून अभिभावक बनाने पर कोई आपत्ति नहीं जाहिर की है, जबकि दूसरा बेटा अभी नाबालिग है। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता भीम सिंह अजीत के चाचा हैं और उनकी देखरेख कर रहे हैं। उनके अलावा कोई भी रिश्तेदार अभिभावक बनने के लिए आगे नहीं आया है। ऐसे में भीम सिंह को अजीत के केंद्रीय सचिवालय स्थित एसबीआइ के खाते की देखरेख के लिए अभिभावक नियुक्त किया जाता है। हालांकि, पीठ ने निकासी की रकम को 30 हजार रुपये से कम करके 20 हजार प्रतिमाह किया है और यह रकम अप्रैल 2021 से निकाली जा सकेगी। पीठ ने इसके साथ ही एसबीआइ को हर तीन महीने पर कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के पास खाते का स्टेटमेंट पेश करने का निर्देश दिया है।

यह है मामला- अधिवक्ता ध्रुव द्विवेदी के माध्यम से दायर याचिका में भीम सिंह ने कहा कि उनके भतीजे अजीत कुमार सिंह वर्ष 2018 से एक्यूट इस्कीमिक स्ट्रोक की बीमारी से ग्रस्त हैं और नवंबर 2020 में तबीयत और खराब होने पर उन्हें एम्स में भर्ती किया गया था। इसके बाद से अजीत बिस्तर पर हैं और वह उनकी देखरेख कर रहे हैं। उन्होंने अजीत के देखरेख के लिए 30 हजार रुपये की निकासी की अनुमति देने की मांग को लेकर याचिका दायर की थी। इस मामले में सहयोग करने के लिए पीठ ने अदालत मित्र बनाए गए अधिवक्ता रमेश सिंह, अधिवक्ता तारा नरुला की सराहना की। पीठ ने कहा कि अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए सभी ने अदालत को इस फैसले पर पहुंचने में मदद की।

राजीव गांधी अस्पताल में बंद हुई नॉन कोविड सेवाएं,

हॉर्ट पैशेंट को होगी बड़ी परेशानी, सिर्फ कोरोना मरीजों का होगा इलाज!

नई दिल्ली (आनंद राय) । दिल्ली में बढ़ते कोरोना संक्रमण पूरी तरीके से बेकाबू होता जा रहा है. ऐसे में जहां स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने का काम जोर शोर से किया जा रहा है. वहीं, मौजूदा अस्पतालों में नॉन कोविड सर्विसेज को बंद करने के फैसले भी लिए जा रहे हैं.

दिल्ली के सबसे बड़े अस्पताल एम्स में जहां ओपीडी के बाद जनरल सर्जरी को बंद करने का फैसला लिया गया. वहीं, दिल्ली सरकार के यमुनापार के बड़े अस्पताल राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भी अब जनरल सेवाओं को बंद करने के आदेश जारी कर दिए गए हैं. ऐसा करने के पीछे बड़ी वजह यह है कि अस्पतालों में अब मरीजों की संख्या बढ़ रही है और बेड्स कम पड़ रहे हैं. इसके चलते नॉन कोविड अस्पताल बनाने की कवायद तेज कर दी गई है जिससे कि अस्पतालों में बेड्स की कमी ना रहे. दिल्ली सरकार एलएनजेपी अस्पताल में भी अपनी जनरल सेवाओं को कम कर चुकी है.

अस्पताल प्रशासन की ओर से आदेश जारी करते हुए कहा गया है कि कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं. ऐसे में अस्पताल में चल रही सभी नॉन कोविड सर्विसेज को अगले आदेशों तक निलंबित किया जाता है. इस आदेश के बाद अब यह साफ हो गया है कि अस्पताल में 14 से ज्यादा गंभीर बीमारियों का इलाज पूरी तरीके से बंद कर दिया गया है.

इस अस्पताल में विशेष रुप से कार्डियोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, कार्डियक सर्जरी, थोरेऐक सर्जरी, वैस्कुलर सर्जरी, क्रिटिकल केयर, एंडॉक्रिनलॉजी एंड डायबिटीज, यूरोलॉजी एंड किडनी ट्रांसप्लांट, जीआई सर्जरी, मिनीमैली इनवेसिव सर्जरी, पल्मनोलॉजी, कलीनिकल हैमाटोलॉजी समेत कुल 14 विशेष विभागों में अलग-अलग बीमारियों का इलाज किया जाता है. अस्पताल में इन सभी चिकित्सा सेवाओं के बंद होने के बाद नॉन कोविड पेशेंट के लिए बड़ी समस्या भी खड़ी हो जाएगी. अस्पताल में हार्ट के पेशेंट के लिए भी बड़ी समस्या पैदा हो जाएगी. यहां पर दिल्ली के अलावा आसपास के राज्यों से भी मरीज इलाज के लिए आते हैं.

अस्पताल में इंटरनल मेडिसिन और बच्चों से जुड़ी हुई बीमारियों का भी इलाज किया जाता है. इसमें विशेष रूप से जॉइंट्स बोन, कनेक्टिव टिशु एंड ऑटोइम्यून बीमारियों का विशेष रूप से इलाज किया जाता है. विशेष रुप से संधिवातीयशास्त्र बीमारियों का इलाज किया जाता है.

बताते चलें कि गुरुवार को पिछले 24 घंटे में अब तक के सभी रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 7437 मामले रिकॉर्ड किए गए. वही, पिछले 24 घंटे में 24 लोगों की कोरोना की वजह से मौत भी हुई थी. दिल्ली में संक्रमित एक्टिव मामलों की संख्या बढ़कर 23181 हो गई थी. मौतों का आंकड़ा अब बढ़कर 11157 पहुंच गया. पिछले 24 घंटे में गुरुवार को पॉजिटिविटी रेट 8.10 फ़ीसदी रिकॉर्ड किया गया था.

अस्पतालों में भी अब बेड्स पर मरीजों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ रही है. गुरुवार तक अस्पतालों में 8813 बेड्स की व्यवस्था थी जिसमें से 4212 पर मरीज भर्ती हैं. 4601 अभी खाली हैं. डेडीकेटेड कोविड केयर सेंटर में 5525 की व्यवस्था है जिस पर 100 मरीज भर्ती हैं. अब 5417 बेड खाली हैं. वहीं डेडीकेटेड हेल्थ केयर सेंटर में भी अब मरीज भर्ती होने लगे हैं. इनमें 82 बेड्स की व्यवस्था की गई है जिस पर 65 मरीज भर्ती हैं सिर्फ 17 ही बेड खाली हैं. दिल्ली में अब समग्र पॉजिटिविटी रेट बढ़ कर 4.57 फ़ीसदी हो गया है. कुल समग्र पॉजिटिव मरीजों की संख्या अब बढ़कर 6,98,005 हो गई है. वहीं, रिकवर्ड करने वालों की संख्या 6,63,667 रिकॉर्ड की गई है. कोरोना की वजह से मृत्यु दर 1.6त्न हो चुकी है.

दिल्ली में अस्पतालों को आदेश, मरीज ने 10 मिनट से ज्यादा किया इंतजार तो खैर नहीं

नई दिल्ली । राजधानी में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए एक बार फिर दिल्ली सरकार के अस्पतालों को सख्त आदेश दिए गए हैं. दिल्ली के हेल्थ एंड फेमिली वेलफेयर के स्पेशल सेक्रेटरी की ओर से दिए आदेश में मरीजों को 10 मिनट से ज्यादा इंतजार न करने देने के लिए कहा गया है. इसके लिए अस्पतालों को कोविड बेड बढ़ाने के साथ ही मेनपॉवर बढ़ाने के लिए कहा गया है.

दिल्ली के सरकारी अस्पतालों को दिए गए आदेश में कहा गया है कि अस्पताल में आने वाले मरीज को दाखिले के लिए 10 मिनट से ज्यादा इंतजार नहीं कराना है. इससे भीड़-भाड़ बढ़ने के साथ ही कोरोना फैलने का खतरा है. इसके साथ ही कोविड के गंभीर मरीजों के लिए अस्पतालों में ज्यादा से ज्यादा ऑक्सीजन सुविधाएं बढ़ाई जाएं. अस्पतालों में इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ ही मेनपॉवर बढ़ाने के आदेश दिए गए हैं.

वहीं एक अन्य आदेश में दिल्ली सरकार के सबसे बड़े अस्पताल लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल और जीटीबी अस्पताल में कोविड के एक हजार सामान्य बेड बढ़ाने के आदेश दिए गए हैं. साथ ही आईसीयू बेड बढ़ाने के लिए भी कहा गया है.

दिल्ली में कोरोना के मरीजों की तेजी से बढ़ती संख्या को देखते हुए दिल्ली सरकार एक्टिव मोड़ में है. ऐसे में लगभग कोविड अस्पताल बन चुके एलएनजेपी में पहले से तय एक हजार सामान्य कोविड बेड को बढ़ाकर 1500 करने के लिए कहा गया है. वहीं इसमें बिना वेंटिलेटर के 100 आईसीयू बेड बढ़ाने के भी आदेश भी हेल्थ एंड फेमिली वेलफेयर के स्पेशल सेक्रेटरी की ओर से दिए गए है.

वहीं जीटीबी अस्पताल की बात करें तो अभी तक यहां 500 कोविड के सामान्य बेड थे जिन्हें इस आदेश के बाद बढ़ाकर एक हजार कर दिया गया है. वहीं 100 बिना वेंटीलेटर वाले सामान्य बेड भी बढ़ाए गए हैं. इस अस्पताल में पहले से 200 वेंटीलेटर वाले आईसीयू बेड भी तैयार किए जा चुके हैं.

दिल्ली सरकार की ओर से कहा गया है कि राज्य में किसी भी इमरजैंसी से निपटने के लिए आदेशों का तत्काल प्रभाव से पालन किया जाए. बता दें कि पिछले साल इन दोनों ही अस्पतालों को कोविड अस्पताल घोषित कर दिया गया था और यहां सामान्य मरीजों का इलाज बंद कर दिया गया था.

नई दिल्ली में कोरोना के प्रकोप और फिर से लॉकडाउन के डर के कारण, लोग अपने मूल स्थानों पर वापस जाते हुए।

एम्स के 50 कर्मचारी कोरोना संक्रमित, ऑपरेशन थिएटर बंद, सर्जरी केवल गंभीर मरीजों की

नई दिल्ली । कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसकी चपेट में अस्पतालों के कर्मचारी तेजी से बड़ी संख्या में आ रहे हैं। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में 50 से ज्यादा कर्मचारियों के कोरोना संक्रमित होने का खुलासा हुआ है। पिछले एक सप्ताह में 50 से अधिक स्वास्थ्यकर्मी कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं।

जानकारी के अनुसार अस्पताल के मेडिसिन विभाग में कुछ डॉक्टर संक्रमित हुए हैं। वहीं सर्जरी विभाग के कई डॉक्टर भी कोरोना संक्रमित हुए हैं। डॉक्टरों के अनुसार कर्मचारियों के लगातार संक्रमित होने की वजह से ही एम्स प्रबंधन ने ऑपरेशन थिएटर बंद करने का फैसला लिया है। यहां सिर्फ इमरजेंसी मामलों में ही सर्जरी की जाएगी।

एम्स निदेशक डॉ रणदीप गुलेरिया की निगरानी में हुई बैठक में डॉक्टरों ने कहा कि दिल्ली के हालात बिगड़ चुके हैं। हर दिन हजारों की संख्या में लोग संक्रमित हो रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र को बचाना भी जरूरी है। इसलिए पहले से तय ऑपरेशन को अनिश्चितकाल के लिए रोकना जरूरी है। इस पर बैठक में फैसला हुआ कि शनिवार से एम्स में ऑपरेशन थियेटर बंद कर दिए जाएंगे। केवल उन्हीं मरीजों का ऑपरेशन किया जाएगा जिनकी जान को जोखिम है और चिकित्सीय तौर पर उनका ऑपरेशन करना तत्काल जरूरी हो। बैठक के बाद प्रबंधन ने सभी विभागों को यह आदेश जारी कर दिया। दो दिन पहले ही एम्स ने ऑफलाइन ओपीडी पंजीयन पर रोक लगाई है। अभी केवल उन्हीं लोगों को प्रवेश दिया जा रहा है जिनके पास पहले से अपॉइनमेंट है।

नाइट कर्फ्यू का उल्लंघन करने वाले 489 लोगों के खिलाफ एफआईआर

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली में कोरोना के केस बढ़ रहे हैं। बावजूद इसके नाइट कर्फ्यू में भी लोग नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। इसी का नतीजा है कि नाइट कर्फ्यू की दूसरी रात को कुल 489 मामले दर्ज किए गए है। ये पहली पहली रात के मुकाबले दोगुने से ज्यादा हैं। नाइट कर्फ्यू के पहली रात को कुल 220 मामले दर्ज किए गए थे।

दिल्ली पुलिस के अतिरिक्त जनसंपर्क अधिकारी अनिल मित्तल ने बताया कि नाइट कर्फ्यू की दूसरी रात को कुल 489 एफआईआर दर्ज की गई। गौरतलब है कि सरकारी नियमों का उल्लंघन करने पर एफआईआर आईपीसी की धारा 188 के तहत की जाती है। नाइट कर्फ्यू की दूसरी रात को 731 लोगों का चालान किया गया है।

इसके अलावा दिल्ली पुलिस एक्ट 65 व सीआरपीसी की धारा 107/151 के तहत 843 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इन लोगों को या जो थाने में बंद किया गया या फिर उनके खिलाफ कलंदरा बनाया गया है। दिल्ली पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नाइट कर्फ्यू का सख्ती से पालन करवाने के आदेश दिए गए हैं। जो नाइट कर्फ्यू का पालन नहीं कर रहा है उसके खिलाफ मामला दर्ज किया जा रहा है। इसके अलावा जिनके पास चालान के लिए दो हजार रुपये नहीं होते उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा रही है।

24 घंटे में 1911 लोगों का चालान- दिल्ली पुलिस अधिकारियों के अनुसार पिछले 24 घंटे में कोविड दिशानिर्देशों का पालन नहीं करने वाले 1911 लोगों का चालान किया गया है। इनमें 1779 लोगों को मास्क नहीं पहनने पर, 60 लोगों का सार्वजनिक पर थूकने पर और सामाजिक दूरी का पालन नहीं करने वाले 72 लोगों का चालान किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को 205 लोगों को मास्क भी बांटे।

दिल्ली में प्राइवेट लैब्स पर बढ़ा सैंपल टेस्टिंग का बोझ, कहा- अब इससे ज्यादा नहीं कर सकते

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है. रोजाना रिकॉर्ड मामले सामने आ रहे हैं. राजधानी में आरटी-पीसीआर टेस्ट क्षमता अपने चरम पर पहुंच गई है. पिछले आठ दिनों में रोजाना लगभग 85,000 टेस्ट किए गए हैं. इनमें से करीब 51000 (60त्न) आरटी-पीसीआर और बाकी रैपिड एंटीजन टेस्ट हुए हैं. ये आंकड़े दिल्ली सरकार की ओर से उपलब्ध करवाए गए हैं.

आरटी-पीसीआर टेस्ट सरकारी अस्पतालों में मुफ्त किए जा रहे हैं. वहीं, प्राइवेट लैब इसके लिए 800 रुपए चार्ज कर रहे हैं. इसके अलावा अगर घर से सैंपल लिया जा रहा है तो 400 रुपए अतिरिक्त चार्ज किए जा रहे हैं. पिछले दो हफ्तों में जब से को

'अधिक टेस्टिंग के लिए खरीदनी पड़ेंगी मशीनें'- इस मामले को लेकर लैब का कहना है कि उनके ऊपर इस समय बहुत ज्यादा भार है. एक लैब के मालिक का कहना है, 'हम रोजाना 4,000 के करीब टेस्ट कर रहे हैं. अधिक टेस्टिंग करने के लिए हमें मशीनें खरीदनी पड़ सकती हैं. साथ ही साथ कर्मचारी और किराए पर स्पेस लेना पड़ेगा. इसके लिए पैसों और समय की आवश्यकता होगी. इन दोनों चीजों के लिए हम कुछ नहीं कर सकते हैं.'

डॉ. डांग लैब के संस्थापक डॉ. नवीन डांग ने कहा, 'उन्होंने पिछले छह महीनों में तीन बार टेस्टिंग क्षमता बढ़ाई है. इसे और बढ़ाने के लिए, हमें उपकरण खरीदने और अधिक प्रशिक्षित स्टाफ को हायर करना होगा. इसके लिए समय चाहिए.' डॉ. लाल पैथ लैब्स के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. अरविंद लाल ने कहा कि सरकार को उभरते हुए संकट का हल खोजने के लिए सभी स्टेकहॉल्डर्स की बैठक आयोजित करनी चाहिए.

जेनेस्ट्रिंग्स डायग्नोस्टिक सेंटर के संस्थापक-निदेशक डॉ गौरी अग्रवाल ने कहा कि वे प्रतिदिन लगभग 2,000 टेस्ट कर रही हैं, जिसमें सरकारी एजेंसियों द्वारा प्रबंधित केंद्रों से भेजे गए सैंपल भी शामिल होते हैं. उन्होंने कहा, 'हम अधिकतम क्षमता पर काम कर रहे हैं. हालांकि, अगर मामलों की वृद्धि के साथ परीक्षण की मांग बढ़ती है, तो मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर पर्याप्त नहीं हो सकता है.'

एक भारतीय मेडिकल एसोसिएशन के सदस्य ने कहा कि कुछ प्राइवेट लैब्स का कहना है कि कोरोना टेस्ट के लिए वर्तमान शुल्क पर्याप्त नहीं नहीं है. मामला केंद्र के साथ-साथ राज्यों के साथ भी उठाया गया है, लेकिन बुनियादी सुविधाओं को बढ़ाने के लिए हमारी शिकायतों का कोई निवारण नहीं किया गया है. कोरोना की पहली लहर के बाद, सरकार को टेस्टिंग के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए रोडमैप तैयार करना चाहिए था. साथ ही साथ सभी स्टेकहोल्डर्स की बैठक बुलानी चाहिए थी.

दिल्ली में कोरोना के आंकड़े- दिल्ली में गुरुवार को 83 हजार से अधिक लाभार्थियों ने कोविड-19 का टीका लगवाया. दिल्ली स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि शाम छह बजे तक कम से कम 83,437 लोगों को टीके की खुराक दी जा चुकी है. इनमें से 72,267 लाभार्थियों को पहली खुराक दी गई और 11,170 को दूसरी खुराक लगाई गई.

दिल्ली में गुरुवार को कोविड-19 के 7,437 नए मामले सामने आए हैं, जो इस साल का सबसे बड़ा दैनिक आंकड़ा है, जबकि कोरोना वायरस संक्रमण के कारण 24 और लोगों की मौत हो गई, जिससे राष्ट्रीय राजधानी में मृतकों की संख्या बढ़कर 11,157 हो गई. स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, संक्रमण दर भी पिछले दिन की 6.1 प्रतिशत से बढ़कर 8.1 प्रतिशत हो गई, क्योंकि पिछले कुछ हफ्तों में मामलों में काफी वृद्धि हुई है. इस वर्ष पहली बार एक दिन में 7,000 से अधिक नए मामले सामने आए हैं.

एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में कोविड-19 परीक्षण के लिए एक स्वाब नमूना एकत्र करते हुए।

दिल्ली के मंडावली इलाके में गोली मारकर युवक की हत्या, गैंगवार से जुड़ा मामला होने का अंदेशा

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के मंडावली इलाके में गुरुवार को एक युवक की गोलियां मारकर हत्या कर दी गई. मृतक की पहचान फरहान के तौर पर हुई है, जो वेलकम इलाके का रहने वाला बताया जा रहा है.

फरमान को बाइक सवार हमलावरों ने मंडावली इलाके के बुद्धा मार्ग पर अपना निशाना बनाया और उस पर तबातोड़ फायरिंग कर दी. मृतक फरमान को करीब 5 गोलियां लगी हैं. पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में मामला गैंगवार का लग रहा है. पुलिस को एक सीसीटीवी मिला है जिसमें हमलावर बाइक पर जाते दिख रहे हैं.

वहीं, उत्तर प्रदेश में हापुड़ जिले के पिलखुवा कोतवाली क्षेत्र में एक युवक की संदिग्ध हालत में गोली लगने से मौत हो गई. युवक हत्या के मामले में जेल में बंद था और पैरोल पर बाहर आया था. पुलिस ने इसकी जानकारी दी.

पुलिस ने बताया कि पिलखुवा थाने के दहपा गांव निवासी निर्दोष (35) का शव गुरुवार की दोपहर उसके घर में मिला. उन्होंने बताया कि उसे गोली लगी थी. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

संपादकीय

कानून के लंबे, लेकिन झूलते हाथ

कहावत है कि कानून के हाथ बड़े लंबे होते हैं और अपराधी लाख कोशिश करे, उससे बच नहीं सकता। पर इस बार सच सिद्ध होते-होते भी इसने कुछ ऐसे भयावह यथार्थ से हमारा सामना कराया है कि हममें से बहुत समझ ही नहीं पाए कि हम इन अपराधियों के जरिए अपने ही समाज का चेहरा देख रहे हैं। सिर्फ दो राज्यों, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश की ये दो आपराधिक गाथाएं यद्यपि एक-दूसरे से जुड़ी नहीं हैं, लेकिन दोनों समान रूप से इशारा कर रही हैं कि अपराधी के बदले प्रोफाइल ने उसे किस कदर सर्वव्यापी और सर्वशक्तिमान बना दिया है! हममें से बहुत से लोगों को यह पढ़कर अविश्वसनीय लगा होगा कि सचिन वाजे नाम के एक अपराधी पुलिस इंस्पेक्टर को उसके राजनीतिक आका ने मुंबई के सिर्फ एक क्षेत्र- बार और नाइट क्लबों से प्रतिमाह 100 करोड़ रुपये इकट्ठा करने का दायित्व सौंप रखा था। इनसे कम कमाऊ नहीं हैं भवन-निर्माण, तस्करी या फिल्म निर्माण जैसे क्षेत्र। इन सबको जोड़ लें, तो सिर चकरा सकता है, पर अब इसे सच मानना होगा। इसी तरह, उत्तर प्रदेश के मुख्तार अंसारी की बार-बार लिखी-सुनी कहानी का सद्यरचित अध्याय एक ऐसा प्रोफाइल निर्मित करता है, जिस तक पहुंचते-पहुंचते कानून के लंबे हाथ भी कई बार असहाय से झूलने लगते हैं। मुख्तार की कहानी किसी मुंबइया फिल्म की तरह रोचक है। एक बेहद चालाक और क्रूर अपराधी कैसे राजनीति, तंत्र और अर्थशास्त्र का चतुर इस्तेमाल कर इतना ताकतवर हो जाता है कि पुलिस, जेलें और अदालतें भी उसका कुछ बिगाड़ नहीं पातीं। इसे समझने के लिए मुख्तार की जीवन यात्रा को पढ़ना होगा। मुख्तार ने चुनावी गणित की खामियों का भरपूर फायदा उठाया है। जाति, धर्म, पैसा और बाहुबल इत्यादि सारे समीकरण उसके पक्ष में थे। उत्तर प्रदेश की दो महत्वपूर्ण पार्टियों ने अलग-अलग समय पर उसका इस्तेमाल किया या यूं कहें कि वह इनका उपयोग ऊपर चढ़ने की सीढ़ी की तरह करता रहा। पिछले कई दशकों में अलग-अलग चुनाव चिन्हों पर वह माननीय बनने में कामयाब हुआ। चालाकी और क्रूरता उसकी सफलता के मुख्य औजार थे। चालाकी का हाल यह था कि बार-बार धोखा खाने के बाद भी एक निश्चित कालखंड में भिन्न दलों के नेता उसे अपना सबसे नजदीकी मानते रहे। क्रूरता का एक ही उदाहरण उसके व्यक्तित्व को समझने में मददगार सिद्ध होगा। कहा जाता है, वर्ष 1996 में विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी रुंगटा का इसने अपहरण कराया, उनकी हत्या कर शव इलाहाबाद में गंगा में फिंकवाकर बिना किसी भावनात्मक उद्वेग के उनके परिजनों को विश्वास में लेकर अपहृत की तलाश का नाटक करता रहा। इस बीच परिवार से फिरौती के रूप में कई करोड़ रुपये भी झटक लिए गए। उसे पता था कि अपराध की दुनिया में सफलता के लिए चालाकी और क्रूरता जरूरी सोपान हैं। इस पूरी गाथा में पुलिस उपाधीक्षक शैलेंद्र प्रताप सिंह के प्रसंग इसे किसी ग्रीक दुखांतिका में तब्दील कर देते हैं। कहानी में यह मोड़ आता है 2003- 04 में, जब वर्दी के जोश में आदर्शवाद से लबरेज एक पुलिस अधिकारी अपराध से सीधे भिड़ने का साहस करता है और नतीजतन, उसे इस्तीफा देना पड़ता है। मुख्तार का तो कुछ नहीं बिगड़ता, उल्टा उसी के खिलाफ मुकदमे कायम होते रहते हैं। एक मुकदमे से अभी हाल में वह बरी हो सका है। तब के मुख्यमंत्री ने फौज से एक लाइट मशीन गन की चोरी और संभावित अपराध में इसके इस्तेमाल की योजना को नजरंदाज करके उसके खिलाफ मुकदमा चलाने की इजाजत नहीं दी और नतीजा हमारे सामने है। एक माफिया कानून से ऊपर जाकर फलता-फूलता रहा और दूसरा कर्तव्य परायण पुलिस अधिकारी कहानी में अपना अंश सुनाते-सुनाते मीडिया के सामने रोने लगता है। सचिन वाजे और शैलेंद्र प्रताप सिंह के रास्ते अलग थे, लेकिन इनकी कहानी एक जैसी ही है। दोनों ही अपराध के जरिए अकूत धन और ताकत हासिल करने की दिलचस्प दुनिया हमारे सामने उद्घाटित करते हैं। फर्क इतना है कि एक का नायक इस तिलिस्म को तोड़ने का प्रयास करता है और दूसरा खुद इसका सक्रिय अंग बन जाता है। शैलेंद्र प्रताप सिंह की जलालत देखकर किसी भी पुलिस अधिकारी को सचिन वाजे बनना ज्यादा आकर्षक लग सकता है।

मुख्तार और वाजे, दोनों को राज्य सरकारों ने बचाने की आखिर तक कोशिश की। मुख्तार को सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के चलते पंजाब से उत्तर प्रदेश भेजना मुमकिन हुआ और वाजे केंद्र व राज्य की संस्थाओं के क्षेत्राधिकार की अस्पष्टता के चक्कर में फंसकर जेल गया। अपराध को लेकर यह ज्यादा चिंताजनक पहलू है। राज्य यदि इतनी बेशर्मी से अपराधियों के पक्ष में खड़ा दिखेगा, तो हम अनुमान ही लगा सकते हैं कि उनकी बेशुमार ताकत में कितना कुछ और जुड़ जाएगा। अभी ही उनके बाहुबल, धनबल और राजनीतिक आकाओं के चलते अक्सर कानून के हाथ उनके सामने छोटे लगने लगते हैं, अगर राज्य भी खुलकर उनके साथ दिखने लगे, तब तो मुहावरे का यह हाथ हमेशा लुंज-पुंज झूलता ही नजर आएगा। अपराध की दुनिया का यह भयावह यथार्थ है कि राज्य की सारी संस्थाएं अपराधियों के सामने बौनी पड़ती जा रही हैं। वाजे अगर महीने भर में एक ही महानगर के एक सेक्टर से 100 करोड़ रुपये वसूल सकता है, तो अंदाज लगाया जा सकता है कि इस रास्ते से कितना धन कमाया जा सकता है। इसी तरह, मुख्तार के बाहुबल के आगे कौन गवाह अदालत में टिकेगा, यह समझना भी मुश्किल नहीं है। अपराधी किसी को भी खरीद सकते हैं, किसी को भी भयाक्रांत करके उसे समर्पण को मजबूर कर सकते हैं और अक्सर देश की पुलिस, अदालतें और जेल इनके सामने असहाय लगने लगती हैं। यही कारण है कि पुलिस द्वारा अपराधियों को खुद ही गैर-कानूनी तरीकों से दंडित किए जाने को सामाजिक स्वीकृति मिल गई है। कोई इस पर गौर नहीं करना चाहता कि कथित एनकाउंटर स्पेशलिस्ट सिस्टम से ही वाजे जैसा लुटेरा पैदा होता है। मुख्तार के समर्थकों के मन में भी खौफ है कि उसे उत्तर प्रदेश में झूठी मुठभेड़ में मार दिया जाएगा। अगर ऐसा हुआ, तो कोई अच्छा संदेश नहीं जाएगा। कानून के लंबे और निष्पक्ष हाथों की गवाही तो ऐसी कार्रवाई देगी, जो विधि-सम्मत हो और जिसमें एक सक्षम अदालत आरोपी को सफाई का पूरा मौका देकर उसे उसके किए की सजा दे।

प्रवीण कुमार सिंह

बाजी हाथ से निकलते देख ममता बनर्जी को याद आए हिंदू

> वह चुनावी सभा में चंडीपाठ करने के साथ अपना गोत्र बताने लगी हैं, पर अब देर हो चुकी है। ममता के दस साल के राज में हिंदुओं में यह धारणा बनी है कि सरकार उन्हें दोयम दर्जे का नागरिक समझती है। सरस्वती पूजा पर रोक, दुर्गा मूंति विसर्जन न होने देना, हनुमान जयंती का सरकारी विरोध और जय श्रीराम के नारे के प्रति नफरत ने हिंदुओं की इस धारणा को पुष्ट कर दिया। बंगाल में जयश्रीराम का नारा ममता विरोध का नारा बन गया है। यह ममता की हार का कारण बनेगा, ऐसा साफ दिख रहा है।

परिवर्तन हमेशा कुछ मिथकों को स्थापित करता है तो कुछ को तोड़ता है। बंगाल की राजनीति में दो मिथक टूटते नजर आ रहे हैं। पहला, बंगाल का भद्रलोक जिस पार्टी के साथ होगा, सत्ता उसे ही मिलेगी। दूसरा, राज्य में दलित-मुस्लिम गठजोड़ स्थायी रूप से स्थापित हो गया है। परिवर्तन की यह प्रकिया 2019 के लोकसभा चुनाव के समय से ही शुरू हो गई थी। पिछले दो सालों में यह और तेज हुई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बौखलाहट की यही वजह है। उन्हें समझ में तो आ रहा है कि क्या हो रहा है, लेकिन यह नहीं सूझ रहा कि उसे रोकें कैसे? भाजपा ने बंगाल की राजनीति को बदल दिया है। यह बदलाव विधानसभा चुनाव की हार-जीत से परे जाता है। बंगाल के भद्रलोक यानी संभ्रांत वर्ग का न केवल समाज, बल्कि राजनीति पर भी वर्चस्व रहा है। संख्या में मामूली होने के बावजूद यह वर्ग पार्टियों और सरकारों की दशा और दिशा तय करता रहा है। 2014 के लोकसभा, 2016 के विधानसभा और 2019 के लोकसभा चुनाव में यह वर्ग भाजपा के खिलाफ और तृणमूल के साथ खड़ा रहा। भाजपा 2014 और 2016 में यह तिलिस्म नहीं तोड़ पाई, पर 2019 के लोकसभा चुनाव में तोड़ दिया।

भद्रलोक के समर्थन के बिना 2019 में भाजपा ने राज्य की 42 में से 18 लोकसभा सीटें जीत लीं। भाजपा की इस कामयाबी में सबसे बड़ी भूमिका रही पिछड़े, दलित और आदिवासी समुदाय की। अघोषित रूप से बना दलित-मुस्लिम गठजोड़ पहली बार टूट गया। मुसलमान ममता के साथ चले गए तो पिछड़े, दलित, आदिवासी भाजपा के साथ हो लिए। ममता इसके निहितार्थ नहीं समझ पाईं। वह मुगालते में रहीं। उन्हें लगा लोकसभा चुनाव के

कारण मोदी के नाम पर भाजपा को वोट मिल गए। चुनाव के बाद कई सभाओं में उन्होंने कहा कि मेरी क्या गलती थी? भाजपा को क्यों जिता दिया? उन्होंने मान लिया कि यह एक तात्कालिक मामला था।

विधानसभा चुनाव में फिर सब पहले जैसा हो जाएगा। दरअसल यह दलित-मुस्लिम गठजोड़ ही था, जिसने वाम मोर्चे को तीन दशक से ज्यादा तक सत्ता में रखा। ममता ने 2011 में इसे अपने पाले में खींच लिया। इससे उनका हौसला बढ़ा। उन्हें लगा कि अब वाम मोर्चा और कांग्रेस को मटियामेट करने का समय है। 2011 के चुनाव में वह मतुआ समुदाय की आध्यात्मिक गुरु बोरो मां (बड़ी मां) की शरण में गईं और उन्हें उनका आशीर्वाद मिल गया।

बड़ी मां के बेटे मंजुल कृष्ण ठाकुर को टिकट दिया और राज्यमंत्री बनाया। ममता इधर से निश्चिंत हो गईं। 2014 के लोकसभा चुनाव में इस परिवार में फूट पड़ गई। ठाकुर भाजपा में चले गए। आपसी मतभेद के कारण मतुआ महासंघ का राजनीतिक प्रभाव कम हो गया। सत्ता में आने के बाद ममता को लगा कि 30 फीसद मुस्लिम आबादी को पूरी तरह अपनी तरफ कर लिया तो वाम दलों और कांग्रेस का कांटा हमेशा के लिए साफ हो जाएगा।

ममता यह मानकर चल रही थीं कि भाजपा बंगाल में कभी पैर नहीं जमा पाएगी। यह उनकी भूल साबित हुई। मुस्लिम समुदाय को कांग्रेस और वाम दलों से अलग करने के चक्कर में उन्होंने तुष्टीकरण की सारी सीमाएं लांघ दीं। बात केवल मुसलमानों को सहूलियत देने की होती तो कोई समस्या नहीं थी। मुसलमानों को खुश करने के लिए वह हिंदू विरोधी बन गईं। कहने लगीं कि मुसलमान उनके लिए दुधारु गाय हैं, जिनकी लात खाने को भी तैयार हैं। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव के बीच भाजपा ने ममता के पैरों के नीचे की जमीन खिसका दी। ममता दीदी के लिए दुष्यंत कुमार का एक शेर है-तुम्हारे पांव के नीचे कोई जमीन नहीं, कमाल ये है कि फिर भी तुम्हें यकीन नहीं।

लोकनीति-सीएसडीएस के सर्वे के मुताबिक बीते पांच सालों में पिछड़े वर्ग में भाजपा का समर्थन 21 से बढ़कर 65 फीसद, दलितों में 20 से बढ़कर 61 और आदिवासियों में 11 से बढ़कर 58 फीसद हो गया। ममता 2019 के लोकसभा चुनाव में 22 सीटें जीत पाईं तो उसमें सबसे बड़ी भूमिका मुस्लिम मतदाताओं की रही। इस वर्ग में तृणमूल का समर्थन 40 से बढ़कर 70 फीसद हो गया। इस ध्रुवीकरण ने ही ममता की लाज बचाई। हार्वर्ड इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च के अयान गुहा लिखते हैं कि बंगाल में जाति की राजनीति के प्रति रुझान 2009 से ही शुरू हो गया था। इसके साथ ही वाम दलों का पराभव हुआ, पर बहुत से जानकार इसे मानने को तैयार नहीं हुए। उनका कहना था कि भद्रलोक का वर्चस्व ऐसा होने नहीं देगा। वह जाति की राजनीति को अप्रासंगिक बना देगा।

ममता ने वामदलों की ही नीति को अपना लिया और ग्रामीण इलाकों में विरोध की आवाज को निर्दयता से दबाकर रखा। सामाजिक शक्ति पर राजनीतिक शक्ति हावी रही। इस बीच दो और बड़े बदलाव हुए। बंगाल की राजनीति में भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी का प्रवेश हो गया। सूबे के पिछड़े और खासतौर से दलित एवं आदिवासियों को आवाज मिल गई। मतुआ महासंघ के साथ ही वृहत्तर दलित और आदिवासी समाज भाजपा से जुड़ गया।मतुआ समुदाय की आधिकारिक तौर पर आबादी करीब पौने दो करोड़ है, पर समुदाय के लोग कहते हैं कि वास्तविक आबादी (असम को मिलाकर) करीब चार करोड़ है। उनकी मांगें और शिकायतें तो बहुत हैं, लेकिन नागरिकता की मांग सबसे ऊपर और पुरानी है। 2019 में फिर से लोकसभा चुनाव जीतने के बाद भाजपा नागरिकता संशोधन कानून लाई और एनआरसी लागू करने की घोषणा की। ममता ने दोनों का विरोध किया। इससे मतुआ समुदाय को मोदी के रूप में अपना तारणहार दिखने लगा। इन तीनों समुदायों का समर्थन भाजपा को 2019 से ज्यादा मिलने वाला है।

बाजी हाथ से निकलते देख ममता को अचानक हिंदू याद आए हैं। वह चुनावी सभा में चंडीपाठ करने के साथ अपना गोत्र बताने लगी हैं, पर अब देर हो चुकी है। ममता के दस साल के राज में हिंदुओं में यह धारणा बनी है कि सरकार उन्हें दोयम दर्जे का नागरिक समझती है। सरस्वती पूजा पर रोक, दुर्गा मूंति विसर्जन न होने देना, हनुमान जयंती का सरकारी विरोध और जय श्रीराम के नारे के प्रति नफरत ने हिंदुओं की इस धारणा को पुष्ट कर दिया। बंगाल में जयश्रीराम का नारा ममता विरोध का नारा बन गया है। यह ममता की हार का कारण बनेगा, ऐसा साफ दिख रहा है।

भूमि का आधे से भी कम हिस्सा सिंचाई सुविधा संपन्न है, बाकी वर्षा पर निर्भर

पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने विश्व जल दिवस के अवसर पर कैच द रेन अभियान की शुरुआत की। इस मौके पर उन्होंने केन-बेतवा को लिंक नहर से जोड़ने के कदम का भी उल्लेख किया। कैच द रेन यानी हर बूंद को सहेजने सरीखे अभियान इसलिए आवश्यक हो गए हैं, क्योंकि भारत में विश्व का सिर्फ 2.4 प्रतिशत भौगोलिक भू-भाग और करीब चार प्रतिशत जल संसाधन हैं। इनकी मदद से देश विश्व की 17 प्रतिशत जनसंख्या की सारी आवश्यकताएं पूरी करता है। यह बात ध्यान देने योग्य है कि हमारी कुल खेती योग्य भूमि का आधा से भी कम हिस्सा ही समुचित सिंचाई सुविधा संपन्न है, बाकी खेती योग्य भूमि वर्षा पर निर्भर है। हमारी बढ़ती हुई जनसंख्या एवं घटती हुए कृषि योग्य भूमि की मौजूदा परिस्थितियों में कृषकों के ऊपर भारी दबाव है। यह भी ध्यान रहे कि भावी खेतिहर पीढ़ी में भविष्य को लेकर असुरक्षा की भावना है। इन परिस्थितियों से उबरने के लिए मानसून पर अपनी खेती की निर्भरता को कैसे कम किया जाए, इस पर चिंतन की बड़ी आवश्यकता है। इस कड़ी में केंद्र और सभी राज्य सरकारों को विज्ञानियों के साथ मिलकर कुछ ऐसा करना-सोचना होगा कि देश की लाखों हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि स्वस्थ मृदा, सिंचाई एवं समुचित जल निकासी सुविधा से संपन्न हो जाए।

आज जब मोदी सरकार किसानों को आत्मनिर्भर करने का संकल्प ले रही है, तब यह जरूरी है कि किसानों की इंद्र देव पर निर्भरता कम की जाए। आज के परिप्रेक्ष्य में यह बहुत मुश्किल भी नहीं है। यदि हम भारतीय कृषि की विकास दर को चार से पांच प्रतिशत करना चाहते हैं और इस मामले में विकसित देशों की सूची में शामिल होना चाहते हैं तो अपने किसानों एवं कृषि मजदूरों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना ही होगा। इस सिलसिले में यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि देश में अब तक सिंचाई एवं जल निकासी तंत्र से संबंधित जो भी आधारभूत सुविधाएं विकसित हुई हैं, वे अभी अपर्याप्त हैं। जून 2015 में प्रधानमंत्री ने देश में दूसरी हरित क्रांति की जरूरत जताते हुए कहा था कि इसकी शुरुआत पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, बंगाल, ओडिशा आदि से करनी होगी। उन्होंने यह भी कहा था कि खेत और शरीर एक जैसे हैं। जैसे शरीर की कमियों की जांच के लिए विभिन्न प्रकार की प्रयोगशालाओं का सहारा लिया जाता है, वैसे ही खेतों की मिट्टी की जांच के लिए भी समुचित संख्या में प्रयोगशालाएं होनी चाहिए, ताकि प्रत्येक खेत की मिट्टी का हेल्थ कार्ड बन सके। यह एक गलत धारणा है कि खेत में लबालब पानी होगा, तभी खेती से अच्छा उत्पादन हो सकेगा। दूसरी हरित क्रांति को सफल बनाने के लिए एक आदर्श सिंचाई एवं जल निकासी का संजाल कैसा होना चाहिए, इसकी रूपरेखा तैयार है। सिंचाई एवं जल निकासी तंत्र का मूल तत्व मानव शरीर में विद्यमान शिरा एवं धमनियों के संजाल पर आधारित है। जिस तरह शरीर में विद्यमान प्रत्येक कोशिकाओं को नपा-तुला पोषक तत्वों से मिश्रित रक्त मिलता है, उसी तर्ज पर लघु किसानों के छोटे-छोटे भू-क्षेत्रों को भी पूरे वर्ष निरंतर सिंचाई के लिए जल एवं उस जल की निकासी के लिए आधारभूत सुविधाएं मिलनी चाहिए। इस रूपरेखा को क्रियान्वित करने से ही हमारी खेती सुधरेगी। यदि प्रत्येक किसान के खेत को पूरे वर्ष निरंतर पानी मुहैया करा दिया जाए तो वह हमेशा उसमें कोई न कोई फसल उगाकर उसे हरा-भरा रख सकता है। वह भी दूसरों की तरह हर महीने अपने लिए आमदनी का जरिया बना सकता है। फलस्वरूप किसानों की आय भी दोगुनी होगी।

अगले एक दशक में भारत में इतनी जनसंख्या हो जाएगी कि सभी का पेट भरने के लिए 30 करोड़ टन से भी अधिक अनाज की आवश्यकता पड़ेगी। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए भी उक्त रूपरेखा को जमीन पर उतारना होगा। इसके लिए केंद्र सरकार ने समुचित प्रारंभिक राशि आवंटित करने के साथ माइक्रो इरिगेशन फंड का सृजन किया है। भारत ने पिछले 70 वर्षों में सिंचाई का एक व्यापक तंत्र खड़ा किया है। सिंचाई की सुविधा के मामले में हम विश्व में प्रथम स्थान पर हैं, लेकिन इस तंत्र के विधिवत रखरखाव में हम उतने अच्छे नहीं हैं। इसमें प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के माध्यम से और प्रगति करनी होगी। एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि आज चारों ओर इस बात पर बल दिया जा रहा है कि जल एक अमूल्य संसाधन है। अत- सिंचाई जल के व्यावहारिक मूल्य का भी निर्धारण होना चाहिए। इस तरह जलोपयोग दक्षता वृद्धि के फलस्वरूप पानी की जो अतिरिक्त बचत होगी, उससे असिंचित खेती को सिंचित खेती में बदला जा सकेगा। इससे सिंचाई जल उपलब्धता में सीधे वृद्धि हो जाएगी।

आज जरूरत इसकी है कि प्राकृतिक संसाधन के रूप में जल को सभी उपभोक्ताओं के सहयोग से विधिवत रूप से इस्तेमाल में लाया जाए। विभिन्न विचारों के आदान-प्रदान के उपरांत उत्कृष्ट कार्य नीतियां बनाई जाएं, ताकि उपलब्ध जल के संरक्षण एवं दीर्घकालिक जल सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सके। सिंचाई जल की उपलब्धता को बढ़ाने की दिशा में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा भी पर्यावरण अनुकूलित मल-जल (सीवेज) उपचार प्रौद्योगिकी पर आधारित 75 हजार लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले एक स्वदेशी संयंत्र को विकसित किया गया है। यह तकनीक कम लागत वाली है। पूर्ण रूप से पर्यावरण हितैषी है, जिसे एक सामान्य गांव का किसान भी चला सकता है। इसके इस्तेमाल में किसी रसायन की न जरूरत पड़ती है, न कोई गाद या तलछट बनती है।

लॉकडाउन को ना कहें, सावधानी को हां

कोरोना की दूसरी लहर से जुड़ी डराने वाली खबरों के बीच यह तथ्य कहीं दब गया कि कोरोना का टीका लगाने के मामले में भारत ने नया रेकॉर्ड बनाया है। सोमवार को यहां एक दिन में 43 लाख से ज्यादा टीके लगाए गए। मंगलवार तक देश भर में 8.4 करोड़ डोज दिए जा चुके थे। औसत की बात करें तो भारत में टीकाकरण अभियान के तहत लोगों को रोज 26.53 लाख डोज दिए जा रहे हैं, जो अमेरिका के बाद पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा है। बावजूद इसके, महामारी की चुनौती के मद्देनजर देखें तो हमारे ये प्रयास बिल्कुल नाकाफी लगते हैं। अब तक देश में दोनों डोज लेकर टीके की सुरक्षा घेरे में आ चुके लोगों की कुल संख्या एक करोड़ तक ही पहुंच सकी है। दूसरी तरफ कोरोना के नए मामले चिंताजनक ढंग से बढ़ रहे हैं। मंगलवार को देश में कुल एक्टिव केसों की संख्या 8 लाख के पार चली गई। ध्यान रहे, दो दिन पहले यह संख्या 7 लाख थी।

यानी दो दिन में एक लाख की बढ़ोतरी। ऐसी तेज बढ़ोतरी तो तब भी नहीं देखी गई थी, जब वायरस का कहर चरम पर था। जाहिर है, मामला पहली या दूसरी लहरों का नहीं है। बात यह है कि जिस वायरस को काबू में आया हुआ माना जाने लगा था, उसने यह दूसरा ऐसा हमला किया है, जो पहले से भी ज्यादा खतरनाक है। स्वाभाविक ही सरकारें एक बार फिर अलर्ट मोड में आ रही हैं। राजधानी दिल्ली में नाइट कर्फ्यू की घोषणा कर दी गई है। महाराष्ट्र में पहले ही यह घोषणा की जा चुकी है। कई इलाकों में आंशिक लॉकडाउन लागू किया जा रहा है। कई राज्य बाहर से आने वालों पर तरह-तरह की पाबंदियां लगाने का ऐलान कर रहे हैं। इन सबका मकसद यह बताया जा रहा है कि लोगों के स्तर पर देखी जा रही लापरवाहियों में कमी आए। मगर इन पाबंदियों का कुछ और ही असर हो रहा है। लगभग साल भर की सुस्ती के बाद बिजनेस गतिविधियों में जो तेजी दिखाई दे रही थी, वह दोबारा मंद पड़ने लगी है। गांवों से काम की तलाश में शहर लौटे मजदूरों के भी वापस गांवों का रुख करने के संकेत मिल रहे हैं। इसने कंपनी प्रबंधकों की चिंता बढ़ा दी है। लेबर की कमी उनकी रिवाइवल की योजना पर पानी फेर सकती है।

यही नहीं कर्फ्यू और लॉकडाउन जैसे कदम वैक्सिनेशन प्रक्रिया को भी प्रभावित करेंगे। लोगों की चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंच को मुश्किल बनाएंगे। इससे लोगों की आजीविका तो संकट में पड़ेगी ही, कोरोना को रोकने के उपाय भी कमजोर होंगे। साफ है कि चुनौती कठिन भले हो, लेकिन जरूरत लॉकडाउन की तरफ बढ़ने की नहीं, टीकाकरण को जितना हो सके बढ़ाने और मास्क लोगों तक मुफ्त पहंचाने जैसे कदम उठाने की है।

दशकों तक सैन्य तानाशाही में रहा म्यांमार एक अदद लोकतंत्र की तलाश में, असमंजस में चीन

> 2013 और 2014 में भी ऐसी सांप्रदायिक हिंसा भड़की थी। म्यांमार की वास्तविक नेता आंग सान सू की को अपने रोहिंग्या मुसलमानों समेत कई मसलों का जमीनी हल भी अभी निकालना था, पर तख्तापलट के चलते इनके समाधान अभी खटाई में हैं। म्यांमार में लोकतंत्र की अगुआई करने वाली आंग सान सू की हमेशा भारत को अपना दूसरा घर कहती रही हैं। दरअसल सू की को भारत में कई साल तक रहने का अनुभव है। उनकी मां भारत में राजदूत रही हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम लेडी कॉलेज से पढ़ाई करने वाली आंग सान सू की शिमला के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडी में बाकायदा फेलो भी रही हैं।

म्यांमार में लोकतंत्र की सबसे बड़ी उम्मीद आंग सान सू की से कहां चूक हो गई कि वहां की सत्ता पर एक बार फिर सेना का कब्जा हो गया। दशकों के संघर्ष के बाद उन्हें देश की कमान मिली थी। 2015 के चुनाव में जब सू की को जबर्दस्त जीत मिली थी तब लगा था कि म्यांमार के हालात सुधर जाएंगे, लेकिन एक बार फिर म्यांमार सैन्य शासन के हाथों में चला गया है। जाहिर है वहां एक अदद लोकतंत्र की तलाश अब भी जारी है। सैन्य शासन के पांच दशक के बाद मार्च 2016 में म्यांमार में लोकतंत्र बहाल हुआ था। म्यांमार के सांसदों ने आंग सान सू की के करीबी तिन क्यां को देश का पहला असैन्य राष्ट्रपति चुना था। वैसे तो सू की पार्टी नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी ने चुनाव में भारी जीत हासिल की थी। दोनों सदनों में उसे बहुमत भी मिले थे। बावजूद इसके म्यांमार में सेना ने भी मजबूत पकड़ बनाए रखी।

गौरतलब है कि साल 1962 में सत्ता को अपने हाथों में लेने वाली वहां की सेना ने म्यांमार के संविधान में एक ऐसा प्रविधान कर दिया कि आंग सान सू की बड़ी जीत हासिल करने के बावजूद राष्ट्रपति बनने से वंचित हो गई थी। उस प्रविधान के अनुसार जिनके करीबी परिजन विदेशी नागरिक हों वे राष्ट्रपति नहीं बन सकते। मालूम हो कि आंग सान सू की के बेटों के पास विदेशी नागरिकता थी यही उनके राष्ट्रपति बनने की राह में रोड़ा था। हालांकि 2018 में म्यांमार की कमान तिन क्यां की जगह विन मिंट को दे दी गई थी। कुल मिलाकर म्यांमार लोकतांत्रिक तरीके से आगे बढ़ चला था, मगर क्या पता था कि कोरोना के बीच वहां के लोकतंत्र को भी तानाशाही नामक वायरस जकड़ लेगा। एक बार फिर म्यांमार की जमीन पर लोकतंत्र बंधक हो जाएगा।

म्यांमार में इस सैन्य तख्तापलट और आंग सान सू की समेत कई शीर्ष नेताओं की गिरफ्तारी पर अमेरिका, इंग्लैंड समेत दुनिया के तमाम छोटे-बड़े देश चिंता जता रहे हैं। अमेरिका ने तो स्पष्ट किया है कि लोकतंत्र को बहाल करने के लिए सही कदम न उठाने पर कार्रवाई करेंगे। संयुक्त राष्ट्र ने भी इस पर चिंता जताई है। सवाल है कि म्यांमार में इस बार राजनीतिक संकट क्यों उत्पन्न हुआ? असल में सेना यह आरोप लगा रही है कि वहां चुनाव परिणामों में धांधली हुई है। मालूम हो कि नवंबर 2020 के चुनाव में वहां संसद के संयुक्त निचले और ऊपरी सदनों में सू की की पार्टी ने 476 सीटों में 396 सीटों पर जीत हासिल कर ली थी। यह सेना को नागवार गुजरी। उसने धांधली का आरोप लगाते हुए लोकतंत्र को बंधक बना लिया।सेना के पास साल 2008 के सैन्य मसौदा संविधान के अंतर्गत अभी भी कुल सीटों में से 25 फीसद आरक्षित हैं। इतना ही नहीं कई प्रमुख मंत्री पद भी सेना के लिए आरक्षित हैं। सेना बड़े पैमाने पर धांधली का आरोप लगा तो रही है, पर सुबूत देने में वह असफल है। ऐसे में यह साफ प्रतीत होता है कि उसका इरादा लोकतांत्रिक सत्ता को हड़पने का था। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सेना द्वारा पहले वहां लोकतंत्र पर कब्जा किया गया, फिर उसके खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों को मौत के घाट उतारा जा रहा है। अब तक यंगून, मांडले समेत करीब दो दर्जन शहरों और कस्बों में सैकड़ों प्रदर्शनकारी मारे जा चुके हैं। देखा जाए तो पुलिस और सैनिक आक्रामक रवैया अपनाए हुए हैं। हालांकि इन सबके बीच वहां लोकतंत्र की रक्षा और बहाली को लेकर भी बातें सामने आ रही हैं। सैन्य शासन जुंटा के प्रमुख ने कहा है कि वह हर कीमत पर जनता की रक्षा करेंगे और जल्द ही चुनाव कराएंगे, लेकिन इसका समय नहीं बता रहे हैं। म्यांमार में कभी अंग्रेजों का राज था। साल 1937 से पहले औपनिवेशिक सत्ता ने उसे भारत का ही एक राज्य घोषित कर रखा था। बाद में उसे भारत से अलग कर अपना एक उपनिवेश बना लिया। गौरतलब है कि 1980 के पहले इसका नाम बर्मा था। चार जनवरी, 1948 को बर्मा ब्रिटिश शासन से मुक्त हुआ और 1962 तक वहां पर लोकतंत्र के तहत सरकारें चुनी जाती रही थीं। मगर दो मार्च, 1962 को सेना के तत्कालीन जनरल ने विन चुनी हुई सरकार का तख्तापलट करते हुए सैन्य शासन की स्थापना कर दी। वहां के संविधान को निलंबित कर दिया। सैन्य शासन के उस दौर में मानवाधिकार के उल्लंघन के भी आरोप लगते रहे। वहां सैन्य सरकार को मिलट्री जुंटा कहा जाता था। फिर लंबे संघर्ष और कई उतार-चढ़ाव के बाद आखिरकार वहां पर लोकतंत्र बहाल हुआ, जिसका श्रेय तीन दशकों से इसके लिए प्रयासरत आंग सान सू की को जाता है। मगर एक हकीकत यह भी है कि जहां लोकतंत्र को हड़पने की स्थिति बनती हो वहां ऐसा बार-बार बनने की संभावना भी रहती है। पाकिस्तान भी इसका बड़ा उदाहरण है।पड़ोसी म्यांमार में सैन्य तख्तापलट होने और शीर्ष नेताओं को हिरासत में लेने के चलते भारत को चिंतित होना लाजमी है। पड़ोसी देशों में सत्ता के लोकतांत्रिक ढंग से हस्तांतरण का भारत हमेशा से समर्थन करता रहा है। जाहिर है कानून के शासन और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरुद्ध तानाशाही का म्यांमार में होना मानवता के हित में नहीं है। भारत का मानना है कि लोकतंत्र समर्थक शक्तियों को अलोकतांत्रिक ढंग से नहीं कुचला जाना चाहिए। भारत की लगभग 1600 किमी लंबी सीमा म्यांमार से लगती है। भारत को इस सीमा पर अलगाववादियों के हिंसक गतिविधियों का भी सामना करना पड़ता रहा है। इसके अलावा अफगानिस्तान के बाद म्यांमार नशीले पदार्थो का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। वहां से पूवरेत्तर में इनकी बड़ी खेप आना भारत के लिए एक बड़ी समस्या रही है। नशीले पदार्थो के अवैध व्यापार, विद्रोही गतिविधियों एवं तस्करी की बुराइयों से निपटने के लिए दोनों देशों के बीच 1993 में एक संधि भी हुई थी। भारत-म्यांमार व्यापार संबंध 1970 में हुए एक व्यापार समझौते के बाद प्रगाढ़ हुए हैं। नवंबर 2015 में वहां लोकतंत्र बहाल होने से भारत को एक और लोकतांत्रिक पड़ोसी का मिलना भी तय हो गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी तब वैश्विक फलक पर दिखने लगे थे।

वास्तव में नवंबर 2014 में मोदी ने म्यांमार, ऑस्ट्रेलिया समेत फिजी के दस दिवसीय दौरों के दौरान तीन दिन म्यांमार में बिताए थे। वह दौरा आसियान और पूर्वी-एशिया समिट में भाग लेने से संबंधित था। उसी दौरान सू की से उनकी मुलाकात हुई थी। तब से लेकर अब तक म्यांमार के साथ भारत का संबंध समतल बनाने का प्रयास किया गया है। हालांकि 2017 में म्यांमार के रखाइन प्रांत में रोहिंग्या मुसलमानों के साथ जातीय हिंसा में एक बार फिर तेजी आई थी। उसी दौरान प्रधानमंत्री मोदी की म्यांमार की एक और यात्र भी हुई थी। आज हजारों की तादाद में रोहिंग्या मुसलमान अवैध रूप से भारत में रह रहे हैं। ये भारत के लिए खतरा बने हुए हैं। यह अच्छी बात है कि म्यांमार के सहयोग से इन्हें वापस भेजा जा रहा है। गौरतलब है कि साल 2012 में रखाइन प्रांत में हिंसा हुई थी। कुछ दिनों में यह मध्य म्यांमार और मांडले तक फैल गया था। बौद्ध और मुसलमानों के बीच हुई हिंसा में तब सैकड़ों मुसलमानों की मौत हुई थी। 2013 और 2014 में भी ऐसी सांप्रदायिक हिंसा भड़की थी। म्यांमार की वास्तविक नेता आंग सान सू की को अपने रोहिंग्या मुसलमानों समेत कई मसलों का जमीनी हल भी अभी निकालना था, पर तख्तापलट के चलते इनके समाधान अभी खटाई में हैं। म्यांमार में लोकतंत्र की अगुआई करने वाली आंग सान सू की हमेशा भारत को अपना दूसरा घर कहती रही हैं। दरअसल सू की को भारत में कई साल तक रहने का अनुभव है। उनकी मां भारत में राजदूत रही हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम लेडी कॉलेज से पढ़ाई करने वाली आंग सान सू की शिमला के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडी में बाकायदा फेलो भी रही हैं।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

भाजपा ने उन्नाव से कुलदीप सिंह सेंगर की पत्नी को बनाया जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी

लखनऊ । उन्नाव के बहुचर्चित माखी कांड में दुष्कर्म तथा पीड़िता के पिता की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा झेल रहे कुलदीप सिंह सेंगर के प्रति भारतीय जनता पार्टी का प्रेम एक बार फिर उमड़ा है। दुष्कर्म में दोषी पाए जाने के बाद से भाजपा से निष्काषित कुलदीप सिंह सेंगर की पत्नी निवर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष संगीता सेंगर को एक बार फिर मैदान में उतारा है। बांगरमऊ से विभिन्न पार्टी से चार बार विधायक रहे सेंगर की पत्नी उन्नाव के फतेहपुर चौरासी से जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ेंगी। उनको टिकट देने के फैसले का उन्नाव में भाजपा के नेता दबे स्वर में विरोध भी कर रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश ने गुरुवार को तीसरे चरण के जिला पंचायत के चुनाव के लिए प्रत्याशी का नाम घोषित किया। इस सूची में संगीता सेंगर का नाम देखने के बाद सभी हैरत में हैं। भाजपा परिवारवाद के खिलाफ काम करने वाली पार्टी मानी जाती है, ऐसे में विवादित कुलदीप सिंह सेंगर की पत्नी को टिकट देकर विपक्ष को मौका दिया है। पार्टी ने संगीता को उन्नाव में जिला पंचायत सदस्य का प्रत्याशी बनाया है। संगीता सेंगर उन्नाव से पहले भी जिला पंचायत अध्यक्ष थीं। भाजपा ने उन्हें दोबारा टिकट दिया है। संगीता को उन्नाव के फतेहपुर चौरासी तृतीय से टिकट दिया गया है। उन्नाव में तीसरे चरण यानी 24 अप्रैल को चुनाव होंगे।

भाजपा ने गुरुवार को उन्नाव के जिला पंचायत के 51 वार्डों के प्रत्याशियों की सूची जारी की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने माखी कांड में सजायाफ्ता पूर्व विधायक कुलदीप सिंह की पत्नी संगीता सेंगर को भी प्रत्याशी बनाया है। संगीता सेंगर निवर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष हैं और फतेहपुर चौरासी तृतीय क्षेत्र से जिला पंचायत सदस्य के लिए प्रत्याशी होंगी। इसके साथ पूर्व जिलाध्यक्ष आनंद अवस्थी सरोसी प्रथम व नवाबगंज के निवर्तमान ब्लाक प्रमुख अरुण सिंह औरास द्वितीय से भाजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में होंगे।

विरोध से सुर भी तेज : उन्नाव में हसनगंज में भाजपा समर्थित प्रत्याशियों की सूची जारी होने के बाद विरोध के सुर भी फूटने लगे हैं। यहां भाजपा में दावेदारों की सबसे लंबी-चौड़ी फौज थी। जिसे प्रत्याशी बनाया गया, उसके खेमे में खुशी की लहर दौड़ गई। अन्य खेमे के भाजपाई विरोध पर उतर आए और टिकट बंटवारे को लेकर गंभीर आरोप लगाते हुए हार निश्चित होने का दावा कर रहे हैं। यहां एक तरह से भाजपा में अब अपनों के बीच में ही घमासान शुरू हो गया है। चुनावी जंग में उतरने से पहले ही अपनों के बीच टक्कर होने से बड़ों-बड़ों की प्रतिष्ठा दांव पर लग गई है।

कौन हैं कुलदीप सिंह सेंगर : कुलदीप सिंह सेंगर उन्नाव की सदर के साथ ही बांगरमऊ क्षेत्र से विधायक रहे हैं। वह भाजपा के साथ ही समाजवादी पार्टी व बसपा से भी विधायक रहे। वर्ष 2017 में उन्नाव में दुष्कर्म कांड के मामले में कुलदीप सिंह सेंगर को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद भाजपा ने 2019 में सेंगर को पार्टी से बाहर कर दिया। इसके बाद सेंगर को दुष्कर्म और अपहरण के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई। इसके साथ ही दुष्कर्म पीड़िता के पिता की हत्या के मामले में भी सेंगर को समेत सभी दोषियों को दस वर्ष कैद की सजा दी गई है।

पंचायत चुनाव लड़ रहे भाजपा पदाधिकारी पदमुक्तः पंचायत चुनाव लड़ रहे भाजपा के एक दर्जन से अधिक पदाधिकारियों के त्याग-पत्र स्वीकार करते हुए प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव ड्क्षसह ने उन्हें पदमुक्त कर दिया है। इससे पहले ललितपुर और अंबेडकरनगर के जिलाध्यक्षों को हटाकर उनके स्थान पर नए जिलाध्यक्षों की तैनाती की जा चुकी है। प्रदेश उपाध्यक्ष व पंचायत चुनाव प्रभारी विजय बहादुर पाठक ने बताया कि विभिन्न पदाधिकारियों ने पंचायत चुनाव में पार्टी प्रत्याशी घोषित होने के साथ ही अपने पद से त्याग पत्र दिया था, जिसे प्रदेश अध्यक्ष ने स्वीकार कर लिया है। पाठक ने बताया कि ब्रज क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजेश्वर पटेल एवं क्षेत्रीय कार्यसमिति सदस्य बबिता दिवाकर व सत्यदेव दुबे का त्यागपत्र स्वीकार किया गया है।

इसके साथ ही कानपुर क्षेत्र से क्षेत्रीय मंत्री जयन्ती देवी वर्मा, पूनम शंखवार व जेपी तिवारी और काशी क्षेत्र से क्षेत्रीय मंत्री बबिता तिवारी व कार्यसमिति सदस्य जयसिंह पाल को भी उनके पद से मुक्त किया गया है। इसी क्रम में अवध क्षेत्र से क्षेत्रीय उपाध्यक्ष शिव नायक वर्मा, पीयूष वर्मा तथा क्षेत्रीय मंत्री चंद्रप्रकाश ड्क्षसह गुड्डू व पीके वर्मा का त्याग पत्र स्वीकार किया गया है। गोरखपुर से क्षेत्रीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र यादव, मंत्री शिवनाथ चौधरी और कार्यसमिति सदस्य राजेश पाल चौधरी व अखिलेश राजभर और पश्चिम क्षेत्र से क्षेत्रीय उपाध्यक्ष व जिला संयोजक बंसत त्यागी तथा कार्यसमिति सदस्य मोहन लाल सैनी का त्यागपत्र भी मंजूर कर लिया गया है। पाठक ने बताया कि रिक्त स्थानों पर जल्द ही नियुक्ति की जाएगी।

संक्षिप्त खबर

भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कहा, अधिकृत प्रत्याशी ही लगाएं झंडा वरना होगी कार्रवाई

गोरखपुर । पंचायत चुनाव को लेकर भाजपा की क्षेत्रीय चुनाव प्रबंधन समिति की एक बैठक पार्टी के बेनीगंज कार्यालय पर आयोजित हुई। बैठक को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय अध्यक्ष डा. धर्मेंद्र सिंह ने चुनाव को लेकर पार्टी नेतृत्व की मंशा की जानकारी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को दी। उन्होंने साफ किया कि अधिकृत प्रत्याशी ही पार्टी के झंडे या बैनर का इस्तेमाल करेगा। अगर इसके अलावा कोई झंडा या बैनर लगाएगा या फिर भाजपा के बैनर पर चुनाव लड़ने की बात कहेगा तो उसके पार्टी मानकों के मुताबिक उसके खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। डा. सिंह ने बताया कि संगठन ने पंचायत चुनाव को गंभीरता से लिया है। पार्टी की मंशा है कि केंद्र और राय के साथ ही जिले की व्यवस्था का संचालन भी भाजपा कार्यकर्ता ही करें। इसीलिए पार्टी ने जिला पंचायत स्तर पर अपना प्रत्याशी भी घोषित किया है। ऐसे में भाजपा के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मंत्रीगण सभी को लगकर भाजपा के परचम को लहराना है। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कोविड संक्रमण के चलते जनसंपर्क पर जोर दिया और कहा कि इस बार के पंचायत चुनाव में सोशल मीडिया और आईटी सेल की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। इसलिए चुनाव प्रचार का हमारा यह माध्यम सशक्त होना चाहिए।

बैठक में यह रहे उपस्थित- बैठक में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष डा. सत्येंद्र सिन्हा व विश्वजीताशु सिंह आशु, क्षेत्रीय महामंत्री प्रदीप शुक्ला, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विश्वजितांशु सिंह आशु, मीडिया प्रभारी डा. बचा पांडेय नवीन, क्षेत्रीय चुनाव प्रबंधन डा. ज्ञानेंद्र सिंह, अभिषेक तिवारी, सौरभ अग्निहोत्र, अनादि प्रिय पाठक, इंद्र कुमार निगम, पीयूष मिश्रा आदि मौजूद रहे।

क्षेत्रीय वार रूम का शुभारंभ- इंटरनेट मीडिया और आइटी के माध्यम से पंचायत चुनाव की मानिटरिंग के लिए बेनीगंज स्थित क्षेत्रीय कार्यालय पर वार रूम का शुभारंभ शुक्रवार को किया गया। इस वाररूम गोरखपुर क्षेत्र के सभी 12 जिलों में चुनाव का संचालन होगा।

बिहार के विश्वविद्यालयों में नई शिक्षा नीति के तहत स्नातक कक्षाओं में लागू हो सकती सेमेस्टर प्रणाली

रभंगा। उच्च शिक्षा में फिर बड़ा परिवर्तन देखने को मिल सकता है। यह सीधे तौर पर छात्रों को प्रभावित करेगा। दरसअल, उच्च शिक्षा विभाग ने पुरानी शिक्षा पद्धति में बदलाव लाने के लिए कवायद शुरू की है। इसके तहत सूबे के विश्वविद्यालयों में स्नातक पाठ्यक्रमों में सेमेस्टर प्रणाली लागू की जा सकती है। नई शिक्षा नीति 2020 में इसकी घोषणा की गई है। दूसरे राज्यों में स्नातक और स्नातकोत्तर कक्षाओं में सेमेस्टर प्रणाली पूर्व से ही लागू है। बिहार के विश्वविद्यालयों में सिर्फ स्नातकोत्तर कक्षाओं में सेमेस्टर प्रणाली लागू है। इसे स्नातक कक्षाओं में अबतक नहीं लागू किया गया है। जानकार बताते हैं कि सेमेस्टर पद्धति में सतत मूल्यांकन के शामिल होने से विद्यार्थियों को लगातार अध्ययनरत रहने के कारण सीखने के अधिक अवसर मिलते हैं। इससे छात्र विषय की गहराई तक पहुंच पाते हैं। सिर्फ इसे सही ढंग से लागू करने की जरूरत है।

देश के विभिन्न विवि में लागू है सेमेस्टर प्रणाली- देश के अन्य विश्वविद्यालयों की बात करें तो मुंबई विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, मद्रास विश्वविद्यालय, बैंगलुरू विश्वविद्यालय में सेमेस्टर पद्धति प्रचलन में है। पंजाब विश्वविद्यालय तथा हिमांचल विश्वविद्यालय द्वारा भी सेमेस्टर सिस्टम लागू किया गया है। वार्षिक पद्धति के स्थान पर सेमेस्टर पद्धति को अपनाने के बारे में राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) ने विभिन्न पक्षों को ध्यान में रखते हुए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। रूसा के परिपत्र में लिखा है कि शैक्षणिक संस्थानों में वार्षिक पद्धति 10 से 12 महीनों का शैक्षणिक सत्र का प्रारूप है। यह प्रारूप सीमाओं से ग्रस्त है। यहीं वजह है कि पश्चिमी यूरोप और उत्तरी अमेरिका के अधिकांश संस्थान एक सेमेस्टर-आधारित प्रणाली का पालन करते हैं। सेमेस्टर प्रणाली एक समय-आधारित प्रारूप से बहुत आगे जाती है। सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्थान को बढ़ाता है और सभी संबंधितों के लिए सीखने के त्वरित अवसरों को प्रोत्साहित करता है। इसमें विभिन्न विकल्पों को समायोजित करने की क्षमता है। इसलिए सेमेस्टर सिस्टम को देशभर में अनिवार्य करने की जरूरत है।

भोजपुर में गुरु-शिष्या का रिश्ता हुआ कलंकित, शिक्षक ने झांसा देकर इंटर की छात्रा का किया यौनशोषण

आरा । भोजपुर जिले में गुरु-शिष्या के रिश्ते को तार-तार कर देने वाली घटना सामने आई है। पहले तो शादी का झांसा देकर एक शिक्षक द्वारा अपनी शिष्या का यौन शोषण किया गया। बाद में उसने शादी से इंकार कर दिया। घटना तियर थाना क्षेत्र के एक गांव की है। इसे लेकर पीड़ित इंटर की छात्रा ने संबंधित थाना में ट्यूशन पढ़ाने वाले एक शिक्षक अनुराग ठाकुर के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। इसके आधार पर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। पीड़ित छात्रा का मेडिकल जांच सदर अस्पताल, आरा में कराया गया। बाद में कोर्ट में भी 164 के तहत बयान दर्ज कराया जाएगा। शुरुआती जांच में पुलिस इस घटना को प्रेम-प्रसंग से भी जोड़कर देख रही है। अभी तक आरोपित शिक्षक की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

ट्यूशन पढ़ने जाने के दौरान संपर्क में आई, फिर करता रहा घिनौनी हरकत- बताया जाता है कि तियर थाना के एक गांव की निवासी 18 वर्षीय इंटर की छात्रा बिहिया जाती थी। छात्रा का आरोप है कि शिक्षक ने शादी का झांसा देकर उसे विश्वास में लिया। इस दौरान करीब एक साल तक उसका यौन शोषण करता रहा। बाद में शादी से इंकार कर दिया गया। जिसके बाद उसने तियर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई। इधर, पुलिस के अनुसार छात्रा के लिखित बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामला प्रेम-प्रसंग का प्रतीत हो रहा है।

अस्पताल में कराई गई छात्रा की मेडिकल जांच- इधर, पुलिस के अनुसार पीड़िता की मेडिकल जांच कराई जा रही है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस इस घटना को लेकर हर ऐंगल पर जांच कर रही है। प्रेम प्रसंग के बिंदु पर भी जांच चल रही है। जांच में आरोप सही पाए जाने पर गिरफ्तारी की जाएगी। बहरहाल शिक्षक पर छात्रा के शोषण का आरोप लगने से लोगों में गुस्सा है।

ताजनगरी में नाइट कर्फ्यू लगा तो दिन में निकलेगी आंबेडकर जयंती पर शोभायात्रा

आगरा । डा. भीमराव आंबेडकर की जयंती में अब पांच दिन ही बचे हैं। आयोजन समिति शोभायात्रा की तैयारियों में जुटी हुई है। इस वर्ष कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए आयोजन का स्वरूप बदला हुआ होगा। कोविड-19 की गाइडलाइन के चलते झांकियों में उचित दूरी बनाई जाएगी तो लोगों की संख्या भी सीमित रहेगी। कुछ ऐसा ही भीमनगरी के मंच पर नजर आएगा। अगर, ताजनगरी में कोरोना वायरस के संक्रमितों के केस बढ़ने पर नाइट कर्फ्यू लगता है तो दिन में शोभायात्रा निकाली जाएगी।

आगरा में डा. आंबेडकर की जयंती पर 14 अप्रैल को शोभायात्रा निकाली जाती है। इसके साथ ही भीमनगरी का आयोजन होता है। इस बार बिजलीघर स्थित चक्कीपाट में भीमनगरी सजाई जा रही है। वहां जगह सीमित होने की वजह से आगरा किला के सामने स्थित रामलीला मैदान में संसद और राष्ट्रपति भवन के आर्किटेक्चर पर आधारित मंच बनाया जा रहा है, जिसका स्ट्रक्चर लगभग तैयार हो चुका है और उसे अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस बीच आगरा में कोरोना वायरस के संक्रमितों की बढ़ती संख्या ने समारोह समिति के समक्ष चुनौतियां बढ़ा दी हैं। सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करते हुए शोभायात्रा निकालने और भीमनगरी के आयोजन की तैयारी है। पिछले वर्ष कोरोना वायरस के संक्रमण के चलते लागू लाक डाउन की वजह से दोनों आयोजन स्थगित करने पड़े थे।

14 अप्रैल को निकाली जाने वाली शोभायात्रा में करीब 50 झांकियां, बैंड आदि शामिल होने की उम्मीद है। अब तक समिति से 20 मोहल्लों द्वारा झांकियां निकालने को संपर्क किया गया है। हर झांकी के साथ 20 लोग ही शोभायात्रा में शामिल हो सकेंगे। प्रत्येक झांकी में 25 मीटर की दूरी रखी जाएगी। मास्क के साथ सैनिटाइजेशन व थर्मल स्क्रीनिंग की व्यवस्था होगी। वहीं, भीमनगरी के मंच पर शाम सात से रात 10 बजे तक कार्यक्रम होंगे। यहां पहले पांच हजार लोगों के बैठने का इंतजाम किया जा रहा था, लेकिन अब केवल 500 कुर्सियां ही लगाई जाएंगी। वहीं, मंच पर केवल 20 लोगों को रहने की अनुमति होगी। गुरुवार को एडीएम सिटी डा. प्रभाकांत अवस्थी और एसपी सिटी बोत्रे रोहन प्रमोद ने समारोह समिति के साथ बैठक कर कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन सुनिश्चित कराने पर जोर दिया था। डा. आंबेडकर जयंती और भीमनगरी समारोह केंद्रीय समिति के अध्यक्ष भरत सिंह पिप्पल ने बताया कि आंबेडकर जयंती पर शाम छह बजे से शोभायात्रा निकाली जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रयागराज पहुंचे, एसआरएन अस्पताल के कोविड वार्ड की भी जानेंगे हकीकत

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्रयागराज आगमन हो चुका है। निर्धारित कार्यक्रम के तहत शुक्रवार की दोपहर 12ः30 बजे वह प्रयागराज पहुंचे। सीएम का हेलीकॉप्टर पुलिस लाइन में लैंड किया। यहां मुख्यमंत्री कोरोना नियंत्रण के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा करेंगे। साथ ही अधिकारियों को कोरोना के बढ़ते संक्रमण को लेकर आवश?यक दिशा-निर्देश भी

आइट्रिपलसी के सभागार में होगी कोरोना संबंधी समीक्षा- कोरोना नियंत्रण के लिए प्रयागराज में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा नगर के परेड मैदान में स्थित आइट्रिपलसी के सभागार में होगी। विमान से उतरने के बाद मुख्यमंत्री आइट्रिपलसी सभागर के लिए रवाना हो गए हैं। वहां पर एक घंटे तक वह जिले से अफसरों के साथ कोरोना से बचाव के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करेंगे।

उल्लेखनीय है कि पिछले तीन दिनों से जिले में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले एक हजार से अधिक मिल रहे है। मामले की गंभीरता को देखते हुए ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का शुक्रवार को प्रयागराज आगमन हुआ है। सीएम योगी एक घंटे की समीक्षा करने के बाद स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल (एसआरएन) के कोविड वार्ड का निरीक्षण भी करेंगे। यहां से मुख्यमंत्री वाराणसी के लिए रवाना हो जाएंगे। मुख्यमंत्री के साथ यूपी के कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह और नंद गोपाल नंदी भी हैं।

मुरादाबाद में सड़क पर उतरे यमराज, लोगों से मास्क लगाने और फिजिकल डिस्टेंसिंग की अपील

मुरादाबाद । देश के साथ ही उत्तर प्रदेश में भी तेजी से बढ़ते कोरोना वायरस संक्रमण के मामले को देखते हुए यमराज को सड़क पर उतरना पड़ रहा है। पीतलनगरी मुरादाबाद में शुक्रवार लोगों के बीच कौतुहल का विषय बने यमराज ने सभी से मास्क धारण करने के साथ ही फिजिकल डिस्टेंसिंग का कड़ाई से पालन करने की अपील की है।

मुरादाबाद में कोरोना वायरस के तेजी से बढ़ते संक्रमण के बीच में लोगों की बढ़ती लापरवाही के कारण एक कलाकार को यमराज बनकर सड़क पर उतरना पड़ा। मुरादाबाद में इस कलाकार ने एक भैंसा के साथ शहर में काफी देर तक भ्रमण किया और लोगों से मास्क धारण करने के साथ ही हर जगह पर फिजिकल डिस्टेंसिंग बनाए रखने की अपील की।

यमराज के रूप में तैयार एक स्थानीय कलाकार ने हाथ में माइक ले रखा था। इसके साथ ही हाथ में प्ले कार्ड लिया था, जिस पर लिखा था कि धरती के वासियों हमारा वर्क लोड मत बढ़ाओ। मास्क लगाओ और फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन करो। वह लोगों के बीच में जाकर कोरोना वायरस महामारी के बारे में लोगों के बीच जागरूकता पैदा कर रहा था। इसी दौरान वह लोगों को इसके कहर से बचने की भी अपील कर रहा था। उनसे लोगों ने मास्क पहनने और शारीरिक दूरी का पालन करने का आग्रह भी किया।

पुलिस करेगी जांच, कहीं डरा-धमकाकर तो नहीं हुआ निर्विरोध निर्वाचन

गोरखपुर । त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में क्षेत्र पंचायत सदस्य (बीडीसी) तथा अन्य पदों के लिए कई उम्मीदवार इस बार निर्विरोध चुने गए हैं। पुलिस इसकी जांच कराएगी कि निर्विरोध निर्वाचित होने प्रत्याशी व उनके समर्थकों ने लोगों को डरा-धमकाकर निर्वाचित तो नहीं हुए हैं। उनके विरुद्ध किसी ने पर्चा दाखिल नहीं किया है। कुछ लोगों ने दाखिल भी किया तो उसे वापस ले लिया।

एडीजी ने जोन के सभी एसएसपी व एसपी को दिया निर्देश- पुलिस इसकी जांच करेगी कि जिन लोगों ने पर्चा वापस लिया है, उसका कारण कुछ और तो नहीं है। पंचायत चुनाव में एक दर्जन से अधिक ऐसे उम्मीदवार हैं, जो निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। इनमें से अधिकांश क्षेत्र पंचायत सदस्य हैं। निर्विरोध निर्वाचित होने वालों में कई पूर्व प्रमुख रह चुके हैं, अथवा जनप्रतिनिधि व धनबली हैं। इसमें कुछ माफिया भी शामिल हैं। इसे गंभीरता से लेते हुए गुरुवार को एडीजी ने जोन के सभी आईजी, डीआईजी, एसएसपी व एसपी को पत्र लिखकर निर्देशित किया है कि निर्विरोध चुने गए उम्मीदवारों की जांच करा ली जाए कि कहीं दबाव व बाहुबल के आधार पर वह निर्विरोध तो नहीं चुने गए।

गोरखपुर के पिपरौली ब्लाक प्रमुख रहे माफिया सुधीर सिंह व उसकी पत्नी ने भी बीडीसी का पर्चा दाखिल किया था। जबकि सुधीर जिला बदर है। डीएम के निर्देश के बाद सुधीर का पर्चा खारिज किया गया, जबकि उसकी पत्नी निर्विरोध बीडीसी चुनी गई हैं। इसी प्रकार कई अन्य प्रत्याशी भी निर्विरोध हुए है।

जोन में तीन शस्त्र रखने वाले सभी लाइसेंसधारियों का तीसरा असलहा जमा हुआ या नहीं इसका प्रमाण पत्र अब प्रत्येक जिले के एसएसपी व एसपी को देना होगा। एडीजी ने गुरुवार को जोन के सभी आईजी, डीआईजी, एसएसपी व एसपी को पत्र लिखकर निर्देशित किया है कि कप्तान लिखित प्रमाणपत्र दें कि उनके जिले में तीन शस्त्र रखने वाले सभी लाइसेंसधारियों का तीसरा असलहा जमा हुआ है अथवा नहीं। एडीजी ने बताया कि आयुध अधिनियम व आयुध संसोधन अधिनियम में दी गई व्यवस्था के अनुसार ऐसे सभी शस्त्र लाइसेंसी जिनके नाम से तीन शस्त्र दर्ज हैं, उन्हें तीसरा लाइसेंस सरेंडर करने के लिए निर्देशित किया गया था।

बिहार पुलिस में 11880 युवाओं को मिलेगी नौकरी, इस दिन आएगा फाइनल रिजल्ट

पटना । बिहार पुलिस में नौकरी का इंतजार कर रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर है। बिहार पुलिस संगठन में कांस्टेबल की नौकरी के लिए 15 अप्रैल तक फाइनल रिजल्ट आ जाएगा। केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) की ओर से इसकी तैयारी की जा रही है। केंद्रीय चयन पर्षद की ओर से वर्ष 2019 में राज्य में पुलिस संगठन में कांस्टेबल के 11880 पदों पर नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। ष्टस्क्चष्ट में नौकरी के लिए आवेदन प्रक्रिया होने के बाद वर्ष 2020 में लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। इसके लिए राज्य के लगभग 12 लाख से अधिक युवाओं ने आवेदन किया था। इसके बाद केंद्रीय चयन पर्षद की ओर से 20 जनवरी 2020 एवं आठ जनवरी 2020 को दो पाली में लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। केंद्रीय

चयन पर्षद के विशेष कार्य पदाधिकारी कमला कांत प्रसाद ने बताया कि लिखित एवं शारीरिक दक्षता परीक्षा के बाद अब स्क्रूटनी प्रक्रिया की जा रही है। इसको पूरा करते ही 15 अप्रैल या उससे पहले ही परिणाम जारी कर दिया जाएगा।

650 से अधिक मुन्नाभाई हुए थे गिरफ्तार

केंद्रीय चयन पर्षद की ओर से सिपाही भर्ती परीक्षा के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा में 650 से अधिक मुन्ना भाई को गिरफ्तार किया गया था। शारीरिक दक्षता परीक्षा सात दिसंबर 2020 से 30 जनवरी 2021 तक शहीद राजेंद्र सिंह स्मारक पटना हाई स्कूल गर्दनीबाग में आयोजित की गई थी। इसमें लिखित परीक्षा में दूसरे व्यक्ति को बैठाए 650 से अधिक मुन्ना भाई को केंद्रीय चयन पर्षद ने अंगूठे की मैचिंग नहीं होने के बाद पुलिस को सौंपा था, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया था। पर्षद के विशेष कार्य पदाधिकारी कमला कांत प्रसाद ने बताया कि शारीरिक दक्षता परीक्षा में 69402 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। इसमें 650 से अधिक अभ्यर्थियों का अंगूठा का निशान नहीं मिलने के बाद गिरफ्तार कर स्थानीय थाने को सौंप दिया गया था। अब इसकी स्क्रूटनी कर रिजल्ट जारी करने की प्रक्रिया की जा रही है।

बलरामपुर में चार पंचायत कर्मियों पर महिला से गैंगरेप का आरोप, सदस्यों ने शांतिभंग का किया चालान

बलरामपुर । रेहराबाजार थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। महिला ने चार पंचायत कर्मियों पर गैंगरेप का आरोप लगाया है। हैरानी की बात यह है कि पंचायत कर्मियों से सुलह न होने पर पुलिस ने दबाव बनाने के लिए महिला को ही शांतिभंग की आाशंका में चालान कर दिया है। पुलिस अधीक्षक ने महिला थाना में घटना की प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया है।

35 वर्षीया महिला का कहना है कि वह मंगलवार को किसी कार्य से गोंडा गई थी। ग्राम पंचायत सचिव ने उसे फोन करके शाम को रेहराबाजार बुलाया। कहाकि वह उसे घर तक छोड़ देगा। ग्राम पंचायत सचिव ने अपने एक साथी को बाइक से भेजकर महिला को अपने घर बुलवाया। आरोप है कि महिला को कोल्ड ड्रिंक में नशे की दवा मिलाकर पिला दी गई। बेहोशी की हालत में उसके साथ चार पंचायत कर्मियों ने बारी-बारी से दुष्कर्म किया। देर रात उसका मोबाइल छीनकर भगा दिया। स्थानीय लोगों व यूपी डायल 112 पुलिस की मदद से महिला रेहराबाजार थाना गई। बताया कि पुलिस ने महिला पर सुलह-समझौता करने का दबाव बनाया। इसके लिए तैयार न होने पर प्रभारी निरीक्षक पंकज कुमार सिंह ने उसे बुधवार को शांतिभंग की आशंका में चालान कर दिया। गुरुवार को महिला ने एसपी से मिलकर आपबीती सुनाई। एसपी हेमंत कुटियाल ने बताया कि महिला थाना में प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया गया है। आरोपितों सभी पंचायत कर्मियों को गिरफ्तार किया जाएगा। जांच सीओ सिटी वरुण मिश्र को सौंपी गई है।

लालू की जमानत पर सुनवाई टली, समर्थकों को उम्मीद अब 16 अप्रैल को हो जाएगी बेल

पटना । झारखंड के रांची हाईकोर्ट में शुक्रवार को राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की चारा घोटाला के दुमका कोषागार मामले में सजा के सिलसिले में जमानत अर्जी पर अहम सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान जस्टिस अपरेश कुमार सिंह की अदालत ने मामले में अगली तारीख दे दी। अब इसकी सुनवाई 16 अप्रैल को होगी। लालू के समर्थक हों या विरोधी, उनकी जमानत पर बिहार में सबकी नजरें टिकीं हैं। लालू परिवार, आरजेडी नेताओं व समर्थकों को उनकी जमानत की उम्मीद है तो विरोधी नहीं चाहते कि जमानत हो। आज की सुनवाई के पहले पटना स्थित राबड़ी आवास पर सुबह से ही गहमा-गहमी देखी गई।

सीबीआइ ने जमानत का किया विरोध, कोर्ट से मांगा समय- शुक्रवार को सुनवाई के दौरान जमानत का विरोध करते हुए सीबीआइ ने रांची हाईकोर्ट से एक सप्ताह का समय मांगा, लेकिन कोर्ट ने जवाब दाखिल करने के लिए उसे तीन दिनों का समय दिया। साथ ही मामले की अगली सुनवाई की तारीख 16 अप्रैल निर्धारित कर दी।

विदित हो कि बीते 19 फरवरी को रांची हाईकोर्ट में लालू प्रसाद यादव की जमानत याचिका पर बहस करते हुए कांग्रेस नेता और सुप्रीम कोर्ट के वकील कपिल सिब्बल ने दो माह बाद की तारीख देने का आग्रह किया था, जिसपर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने जमानत नहीं दी थी।

सीबीआइ ने उनकी जमानत का इस आधार पर विरोध किया था कि दुमका कोषागार मामले में लालू की आधी सजा पूरी होने में करीब एक माह 19 दिन शेष हैं। इसके बाद

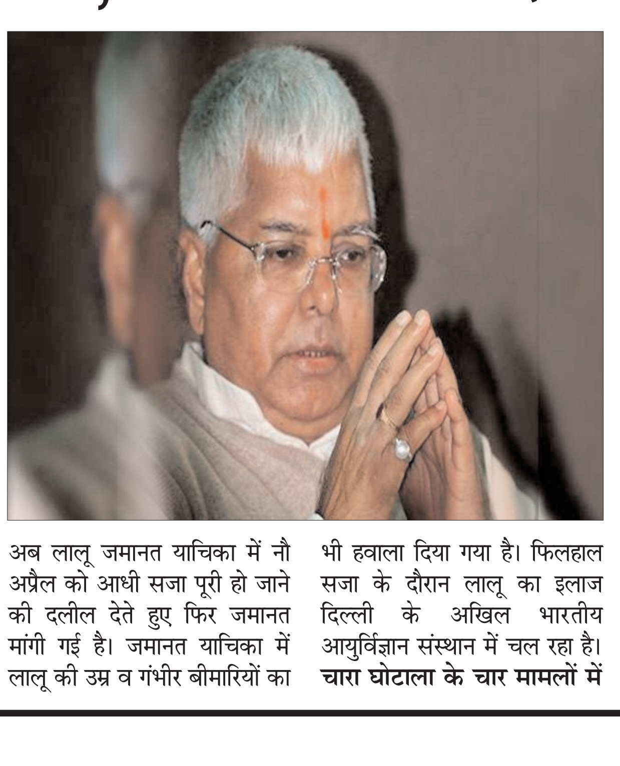

अब लालू जमानत याचिका में नौ अप्रैल को आधी सजा पूरी हो जाने की दलील देते हुए फिर जमानत मांगी गई है। जमानत याचिका में लालू की उम्र व गंभीर बीमारियों का भी हवाला दिया गया है। फिलहाल सजा के दौरान लालू का इलाज दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में चल रहा है।

चारा घोटाला के चार मामलों में सजा, तीन में मिल चुकी जमानत

लालू प्रसाद यादव चारा घोटाला के चार मामलों में सजायाफ्ता हैं, जिनमें तीन में उन्हें आधी सजा काट लेने के आधार पर जमानत मिल चुकी है। दुमका कोषागार मामले में भी लालू ने यही दलील दी है। इससे पहले बीते 19 फरवरी को हाईकोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया था। चारा घोटाला का एक और डोरांडा कोषागार का मामला फिलहाल सुनवाई के स्टेज में है।राबड़ी आवास पर रही गहमागहमी, आरजेडी को गुड न्यूज की उम्मीद

कानून अपने हिसाब से चलता है और भावनाओं की अपनी गति होती है। कानून के आधार पर कोर्ट फैसला करेगा, लेकिन बिहार में लालू परिवार व आरजेडी नेताओं को अगली सुनवाई में उनकी जमानत की उम्मीद है। इसके पहले शुक्रवार की सुनवाई को लेकर पटना स्थित राबड़ी आवास के बाहर समर्थक सुबह से ही जुटने लगे थे। राबड़ी आवास में पार्टी नेताओं का आना-जाना लगा रहा।

आरजेडी नेताओं व समर्थकों को उम्मीद थी कि आज उनके नेता को जमानत मिल जाएगी। हालांकि, सुनवाई अगली तारीख के लिए टल गई। वैसे, समर्थकों के अनुसार सजा की आधी अवधि पूरी हो जाने के कारण अब जमानत नहीं मिलने का कोई आधार नहीं बचा है। राबड़ी आवास के बाहर मौजूद उनके समर्थकों में शामिल पटना के रंजीत यादव व मुजफ्फरपुर के संजय राय को पूरी उम्मीद है कि उनके नेता को अगली तारीख को जमानत मिल ही जाएगी।

एक नजर

रेमेडिसिवर दवा की कालाबाजारी, दुकान पर छापा मार मुंबई पुलिस ने बरामद किए 272 इंजेक्शन; दो गिरफ्तार

मुंबई । मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने एक दवा की दुकान पर छापा मारकर 272 रेमेडिसिवर इंजेक्शन बरामद किए है। इन इंजेक्शन को दुकानदार ने ब्लैक में बेचने के लिए रख रखा हुआ था। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। बता दें कि पूरी दुनिया में कोरोना संक्रमण के चलते रेमेडिसिवर के लिए मारामारी शुरू हो गई है। कोरोना महामारी के इलाज में रेमेडिसिवर दवा का नाम ही सबसे पहले सामने आया था। आज देश के कई हिस्सों में इस दवा की कमी देखी जा रही है। महाराष्ट्र में भी कोरोना महामारी को देखते हुए रेमडेसिविर दवा की भारी कमी देखी जा रही है। मेडिकल स्टोर्स के बाहर लोगों की लंबी कतारें लगी हुई हैं। लोग कतार लगाकर 40 से 50 किलोमीटर का सफर तय करके यह दवा लेने आ रहे है। कमी का फायदा उठाते हुए दुकानदार भी एमआरपी से ज्यादा दाम वसूल रहे हैं। तो कुछ इसकी कालाबाजारी कर ब्लैक में बेच रहे है। महाराष्ट्र के परभणी जिले में एमआरपी से अधिक दाम वसूलने पर मुंबई क्राइम ब्रांच के एक अधिकारी ने एक मेडिकल स्टोर के मालिक समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया। बुधवार की रात इस गोरखधंधे की जानकारी मिलते ही मेडिकल स्टोर में एक जाल बिछाया गया और रेमडेसिविर की शीशी अधिक मूल्य में बेचते हुए आरोपी को रंगे हाथों पकड़ा गया।

मुंबई के दादर में फिर उमड़ा लोगों का हुजूम, कोरोना के खौंफ से बेखबर दिखे लोग

मुंबई । महाराष्ट्र में कोरोना की रफ्तार दिनोंदिन बढ़ती ही जा रही है लेकिन दादर की सब्जी मंडी में उमड़े हुजूम को देखकर नहीं लगता कि लोग कोरोना संक्रमण को लेकर सजग हैं। इस राज्य में महामारी का सबसे ज्यादा प्रकोप दिख रहा है लेकिन इसके बावजूद भी लोग कोरोना नियमों को ताक पर रखकर खरीदारी करते नजर आ रहे हैं। बता दें कि मुंबई में बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 8,938 नए मामले सामने आए है और 23 मौतें दर्ज की गई है। महाराष्ट्र में वीरवार को कोरोना संक्रमण के 56286 नए मरीजों की पुष्टि हुई है और 376 संक्रमितों की मौत दर्ज की गई है। 36130 लोग स्वस्थ हो चुके हैं और 5,21,317 मरीज सक्रिय बताये गए हैं। अब तक कुल 26,49,757 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं जबकि 57,028 की जान जा चुकी है। राज्य में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या 32,29,547 तक पहुंच चुकी है। कोरोना महामारी के बढ़ रहे मामलों को देखते हुए मुंबई पुलिस ने दो दिन पहले ही नई कोरोना गाइडलाइन जारी की है। इस गाइडलाइन के अनुसार शहर में कई स्थानों पर पाबंदियां लगा दी गई हैं। जिससे कोरोना संक्रमण को कुछ हद तक रोका जा सके। जानें नए मुंबई पुलिस की नई कोरोना गाइडलाइन।

बीएमसी की बिना अनुमति मनाया जन्मदिन, श्रीराम मंदिर एवं होटल रेसीडेंसी सभाकक्ष सील

भुवनेश्वर । बीएमसी की बिना अनुमति से जन्मदिन मनाने को लेकर जनपथ स्थित श्रीराम मंदिर एवं होटल रेसीडेंसी सभाकक्ष को सील कर दिया गया है। उसी तरह से पलाशपल्ली स्थित ऑक्सफोर्ड कॉलेज आफ मैनेजमेंट को भी कोरोना प्रतिबंध का उल्लंघन करने के कारण बीएमसी ने सील कर दिया है। दक्षिण-पूर्व जोनल डिप्टी कमिश्नर अंशुमान रथ के नेतृत्व में एक टीम ने श्रीराम मंदिर सभाकक्ष का परिदर्शन किया। यहां पर जन्मदिन मनाने की अनुमति नहीं ली गई थी और व्यक्तिगत दुराव का अनुपालन भी नहीं किया जा रहा था। इसके साथ ही जन्मदिन समारोह में शामिल लोग मास्क भी नहीं पहने हुए थे। बीएमसी की टीम ने हाल से लोगों को बाहर निकाल कर हाल को सील कर दिया। टीम ने आयोजक पर 5000 रुपए का जुर्माना भी लगाया है।
उसी तरह समान स्थिति होटल प्रेसीडेंसी के सभाकक्ष में देखने को मिली, जिसे सील कर दिया गया है। दक्षिण पश्चिम जोनल कमिश्नर रवि नारायण जेठी के नेतृत्व में ऑक्सफोर्ड कॉलेज पर अचानक छापा मारा गया। यहां पर भी कोरोना गाइडलाइन का उल्लंघन हो रहा था और बीएमसी ने इसे भी सील करते हुए स्टीकर लगा दिया है। इससे पहले कोरोना नियम का उल्लंघन करने के कारण सिलिकॉन, हैप्पी क्लासेस को सील किया जा चुका है।
परीक्षा खत्म हो जाने या फिर वर्तमान समय में परीक्षा ना होने वाले छात्रों को हॉस्टल खाली करने के लिए बीएमसी ने सभी प्लस 2, डिग्री कॉलेज के अधिकारियों को निर्देश जारी किया है। अभिभावकों को जानकारी देकर हॉस्टल खाली करने को कहा गया है। जिनकी परीक्षा है उन्हें हॉस्टल के एक रूम में रहने को कहा गया है।

ओड़िशा में सरकारी दफ्तर में आम लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध- कोरोना के बढ़ते प्रकोप को देख प्रशासन ने लिया फैसला

भुवनेश्वर । ओड़िशा में एक बार फिर कोरोना महामारी बढ़ने से सभी सरकारी कार्यालय में आम लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध जारी किया गया है। यह प्रतिबंध सामान्य प्रशासन विभाग की तरफ से जारी किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग की तरफ से जारी निर्देशनामा के मुताबिक भुवनेश्वर एवं कटक के साथ जिन जिलों में कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं, उन जिलों के सभी सरकारी दफ्तर में सामान्य लोगों के प्रवेश के लिए अनुमति नहीं मिलेगी। केवल बहुत जरूरी मामले में उच्च अधिकारी की अनुमति के आधार पर ही सरकारी दफ्तर में जाने के लिए अनुमति मिलेगी। सामान्य लोग अपनी शिकायत ई-शिकायत पोर्टल पर कर सकेंगे। उसी तरह से दफ्तरों में किसी भी बैठक के समय सर्वनिम्न 2 मीटर की दूरी बनाए रखने का निर्देश जारी किया गया है। आन लाइन बैठक करने पर यथा सम्भव महत्व दिया गया है। उसी तरह से दफ्तर कार्य को भी वर्चुअल के माध्यम से संचालन करने पर फोकस करने के लिए सरकार ने कहा है। इस निर्देशनामा को सभी दफ्तर को अवगत कराने के साथ ही कोविड नियम को सख्ती के साथ अनुपालन करने के लिए सामान्य प्रशासन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संजीव चोपड़ा ने निर्देश जारी किया है। सरकार के इस निर्देशनामा आते ही भुवनेश्वर डेवलपमेंट अथारिटी (बीडीए) एवं भुवनेश्वर म्यूंसीपाल कार्पोरेशन (बीएमसी) की तरफ से अनुरूप निर्देश जारी किया गया है। इन दोनों ही दफ्तरों में सामान्य लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

अब महबूबा की मां गुलशन से पूछताछ करेगा ईडी, घर जाकर थमाया नोटिस

श्रीनगर । मनी लॉड्रिंग मामले में घिरीं पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनकी मां गुलशन नजीर से भी पूछताछ का फैसला किया है। गुलशन नजीर से 15 अप्रैल को पूछताछ होगी। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों के एक दल ने वीरवार शाम को महबूबा के निवास पर जाकर उनकी मां गुलशन नजीर के नाम जारी समन सौंपा। अधिकारियों ने बताया कि गुलशन को राजबाग, श्रीनगर स्थित कार्यालय में पूछताछ के लिए बुलाया गया है। उनसे उसी मामले में पूछताछ होनी है, जिसमें महबूबा से 25 मार्च को पूछताछ की गई थी। महबूबा से मनी लॉड्रिंग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने अपने श्रीनगर स्थित कार्यालय में करीब साढ़े पांच घंटे पूछताछ की थी।
प्रवर्तन निदेशालय की पूछताछ को महबूबा राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित बताती रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि मुझे और मेरे परिजनों को परेशान करने के लिए ही यह सब किया जा रहा है। उन्होंने कहा था कि अगर कुछ दिनों बाद मेरे स्वजन को पूछताछ के लिए बुलाया जाता है तो इसमें हैरानी नहीं होनी चाहिए। पूछताछ के बाद महबूबा ने बताया था कि उनसे दो मुद्दों पर सवाल किए गए। पहला यह कि मेरे पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद और मेरे नाम पर अनंतनाग जिले के बिजबिहाड़ा में जमीन थी, उसे क्यों और किसके लिए बेचा गया। इससे मिले पैसे को कहां और क्यों खर्च किया गया पूछताछ का दूसरा मुद्दा सीएम के विशेषाधिकार में सीक्रेट फंड को लेकर लेकर था कि यह कहां इस्तेमाल किया गया मुझसे मेरे पिता की जमीन और उनके मकबरे के निर्माण पर खर्च के बारे में भी पूछा गया।

प्रवासी मजदूर नासिक राजमार्ग पर बस इंतजार का करते हुए, कोरोनोवायरस मामलों में उछाल के बाद अपने गृह राज्यों के लिए रवाना हो सकें।

राज्य सरकार से पेट्रोल और डीजल पर वैट की कमी की मांग को लेकर आज बंद रहेंगे राजस्थान के पेट्रोल पंप

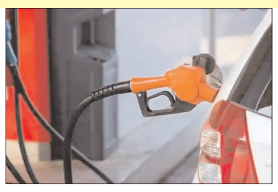

जयपुर । राजस्थान के पेट्रोल पंप शनिवार को एक दिन के लिए बंद रहेंगे। राज्य सरकार से पेट्रोल और डीजल पर वैट की कमी की मांग को लेकर पेट्रोल पंप संचालक शनिवार को एक दिन की हड़ताल रखेंगे। इसके बाद भी यदि मांग नहीं मानी गई तो 25 अप्रैल से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी। शनिवार को होने वाली एक दिन की हड़ताल के कारण प्रदेश के 7 हजार पेट्रोल पंप बंद रहेंगे। इससे करीब 3 करोड़ लीटर पेट्रोल व डीजल की बिक्री प्रभावित होगी। सरकार को रोड़ सेस सहित 34 करोड़ के राजस्व का नुकसान होगा।
पेट्रोल पंप संचालकों का कहना है कि राज्य में पिछले दो साल में पेट्रोल पर वैट 26 से बढ़ाकर 38 फीसदी और डीजल पर 18 से बढ़ाकर 28 प्रतिशत कर दिया। इस तरह पेट्रोल पर 12 व डीजल पर 12 फीसदी की बढ़ोतरी की गई। पिछले दिनों इनमें 2 प्रतिशत की कमी तो की, लेकिन फिर भी अन्य राज्यों के मुकाबले राजस्थान में पेट्रोल व डीजल महंगा है। राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन की वैट स्टेयरिंग कमेटी के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि अपनी मांगों को लेकर पेट्रोल पंप संचालकों ने कई बार सरकार का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया,लेकिन सफलता नहीं मिली। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी मुलाकात का समय नहीं दिया। उन्होंने कहा कि पड़ोसी राज्यों में राजस्थान के मुकाबले पेट्रोल व डीजल 5 से 10 रूपए सस्ता होने के कारण यहां के संचालकों को काफी नुकसान हो रहा है। पड़ोसी राज्यों से आने वाले वाहन चालक राजस्थान की सीमा में प्रवेश से पहले ही पेट्रोल व डीजल लेकर आते हैं। उन्होंने कहा कि पड़ोसी राज्यों ने अपनी सीमा पर बड़े-बड़े बोर्ड लगा रखे हैं,जिन पर लिखा है राजस्थान से सस्ता डीजल और पेट्रोल। पेट्रोल पंप संचालक वैट कम करने की मांग को लेकर शनिवार को सुबह 6 से रात 12 बजे तक बंद रखेंगे।

नीलामी में नहीं पहुंचा खरीददार, दस साल में 12 बार प्रयास हुए, लेकिन साढ़े 4 करोड़ में नहीं बिका 30 करोड़ का हेलीकॉप्टर

जयपुर । राजस्थान सरकार के हेलीकॉप्टर का कोई खरीददार नहीं मिल रहा है। पिछले 10 साल में 12 बार प्रयास करने के बावजूद सरकार के हेलीकॉप्टर अगस्ता एडब्लयू-109 ई पॉवर को खरीदने कोई नहीं आ रहा। सरकार ने निलामी में लगातार इसको बेचने की रकम कम की, लेकिन सफलता नहीं मिली। हालात यह है कि 16 साल पहले 30 करोड़ में खरीदे गए इस हेलीकॉप्टर को सरकार साढ़े 4 करोड़ में बेचने को तैयार है। लेकिन कोई इसमें दिलचस्पी नहीं ले रहा। खरीददार नहीं मिलने के कारण स्टेट हैंगर पर खड़ा हेलीकॉप्टर कबाड़ में तब्दिल हो रहा है।
इस साल अब तक के साढ़े तीन माह में तीन बार नीलामी करने के प्रयास किए, सामान्य प्रशासन एवं नागरिक उड्यन विभाग के अधिकारियों ने कई फर्मों से संपर्क किया, लेकिन कोई खरीददार नहीं मिला। दो दिन पहले तय की गई नीलामी की तारीख को लेकर सरकार को उम्मीद थी कि इस बार तो उसकी समस्या खत्म हो ही जाएगी,लेकिन ऐसा नहीं हुआ । इस साल 3 और 24 मार्च के बाद अब 7 अप्रैल को निलामी के प्रयास हुए हैं। करीब 7 साल पहले इसी हेलीकॉप्टर के 18 करोड़ रूपए मिल रहे थे, लेकिन तब अधिक कीमत मिलने की उम्मीद में सरकार ने इसे नहीं बेचा था । इसके बाद तत्कालीन वसुंधरा राजे सरकार ने 14 करोड़ में नीलामी रखी गई,फिर 12 करोड़ 40 लाख और इसके बाद 11 करोड़ करोड़ में हेलीकॉप्टर बेचने की कोशिश कई बार हुई,लेकिन सफलता नहीं मिल सकी । अब तो कोई साढ़े 4 करोड़ में भी खरीदने को तैयार नहीं है ।
तकनीकी खराबी के कारण सीएम की जान को हुआ था खतरा- तत्कालीन वसुंधरा रजे सरकार ने साल,2005 में वेस्टलैंड कंपनी से अगस्ता ए-109 डबल इंजन का हेलीकॉप्टर खरीदा था । उस समय अगस्ता वेस्टलैंड कंपनी के प्रतिनिधियों ने सरकार को विश्वास दिलाया था कि यह राजस्थान के रेगिस्तान और गर्म हवाओं के अनुकूल है। इसमें 2 क्रू मेंबर्स एवं 5 अन्य सहित कुल 7 लोगों के बैठने की क्षमता है । इसका रजिस्ट्रेशन नंबर वीटी-राज है । इसने कुल 5121 घंटे उड़ान भरी है । लेकिन इसकी पंखूड़ी कैप उखड़ने के बाद कंपनी ने इसे धूलभरी आंधी कारण बताते हुए सहायता करने से इंकार कर दिया । कंपनी ने इसमें तकनीकी खराबी बताया था । उल्लेखनीय है कि साल,2011 में अशोक गहलोत मुख्यमंत्री के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में इसी हेलीकॉप्टर में यात्रा कर रहे थे । बीच रास्ते में हेलीकॉप्टर की पंखुड़ी का कैप उखड़ने के कारण चूरू जिले के एक गांव में आपात लैंडिंग करानी पड़ी थी । गहलोत बाल-बाल बचे थे । इसके बाद इसे वीआईपी यात्रा के लिए बंद कर दिया और बेचने के प्रयास शुरू हुए । लेकिन कई बार कोशिश के बावजूद अब तक सफलता नहीं मिली ।

100 करोड़ वसूली मामला: जांच के लिए एनआइए कार्यालय पहुंचे सीबीआइ अधिकारी

मुंबई । 100 करोड़ की वसूली मामले में मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परम बीर सिंह द्वारा महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख पर लगाये गए आरोपों की जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो के अधिकारी एनआईए कार्यालय पहुंच चुके हैं। बता दें कि इस मामले में चल रही जांच को लेकर सीबीआइ ने वीरवार को भी परमबीर सिंह का बयान दर्ज किया था।
इससे पूर्व एंटीलिया मामले और मनसुख हत्याकांड को लेकर जांच कर रही केंद्रीय जांच एजेंसी ने बुधवार को मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह एवं कभी एनकाउंटर स्पेशलिस्ट रहे प्रदीप शर्मा से भी लंबी जांच पड़ताल की थी। वहीं दूसरी ओर इस बारे में मुंबई पुलिस द्वारा सरकार को भेजी गई एक गोपनीय जांच रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि सचिन वाझे के निलंबन को वापस लेकर उन्हें सीआइयू प्रमुख बनाने का फैसला भी परमबीर सिंह का ही था।
गौरतलब है कि बुधवार को एनआइए ने पूछताछ के लिए प्रदीप शर्मा को बुलाया था उनका नाम पहली मार इस मामले में सामने आया है। ज्ञात हो कि 2004 में सचिन वाझे, प्रदीप शर्मा के नेतृत्ववाली अंधेरी सीआइयू यूनिट में काम करता था। मनसुख हत्याकांड में गिरफ्तार किया गया विनायक शिंदे भी प्रदीप शर्मा के साथ लखन भैया फर्जी एनकाउंटर कांड में शामिल था। शिंदे को तो आजीवन कारावास की सजा हो गई थी लेकिन प्रदीप शर्मा को बाइज्जत बरी कर दिया गया था। बता दें कि प्रदीप शर्मा फिलहाल शिवसेना के नेता हैं और नालासोपारा इलाके से 2019 का विधानसभा चुनाव शिवसेना के टिकट पर लड़ चुके हैं। यहीं पर मनसुख हिरेन की हत?या की आशंका व्यक्त की गई थी।

अजमेर में मां और भाई की हत्या, पिता को भी किया किया लहूलुहान; गिरफ्तार

अजमेर । राजस्थान में अजमेर जिले के भिनाय कस्बे में बुधवार देर रात पारिवारिक गृह क्लेश के चलते एक युवक ने अपनी मां और भाई की हत्या कर दी। युवक ने अपने पिता और अन्य भाइयों को भी लहूलुहान कर दिया। इस घटना को लेकर पूरे कस्बे में शोक छा गया। आरोपित अमरचंद जांगिड को वारदात के बारह घंटे के अंतराल में पुलिस ने निमहेड़ा गांव से पकड़ लिया। पुलिस घटना के कारणों को तलाश रही है। अमरचंद ने मां और छोटे भाई के सिर में हथौड़े से वारकर हत्या की। अमरचंद अपने पिता और तीन भाइयों की भी हत्या करना चाहता था। शोर-शराबा होने से मुहल्ले के लोग जाग गए, जिससे उसके पिता और अन्य भाइयों की जान बच गई किन्तु वे जख्मी जरूर हो गए। वारदात को अंजाम देने के बाद अमरचंद घर से फरार हो गया। अमरचंद्र राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (रीट) की तैयारी कर रहा था। अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मां व भाई की हत्या का कारण क्या रहा। फिलहाल, पुलिस पारिवारिक कलह को ही कारण मान रही है। हालांकि, परिजनों से पूछताछ के बाद ही वारदात के कारण से पर्दा उठ पाएगा।
रात दो बजे दिया वारदात को अंजाम- पुलिस ने बताया कि जिस परिवार में यह खूनी वारदात हुई, वह फर्नीचर बनाने का काम करता है। मां-पिता गांव में रहते थे, जबकि बाकी सभी भाई परिवार एक साथ रहते थे। एक दिन पहले ही सभी भाई जयपुर से भिनाय अपने गांव आए थे। बुधवार देर रात अमरचंद्र अपने कमरे से बाहर निकला। उसने बिजली का कटआउट निकालकर घर की लाइट बंद कर दी। इसके बाद मां कमला देवी (60) के कमरे में गया। उनके सिर में हथौड़ा मारकर उनकी हत्या कर दी। इसके बाद छोटे भाई शिवराज (22) के कमरे में गया और उसके भी सिर में हथौड़ा मारकर हत्या कर दी। इस दौरान शोर-शराबा हो गया। आरोपी को रोकने के लिए दूसरे कमरों में सो रहे पिता रामधन (65) और तीन अन्य भाई भागचन्द, ओमप्रकाश व ताराचन्द दौड़े। लेकिन अमरचंद्र ने उन पर भी हमला कर दिया। वह उन सभी की हत्या करना चाहता था। हथौड़े के हमले में तीनों घायल हो गए। इस दौरान मुहल्ले के कुछ लोग जग गए और शोर-शराबा हो गया। इसके बाद आरोपी मौके से भाग गया।
रात को पूरा परिवार एक साथ खाना खाकर सोया था- भिनाय कस्बे में हुई इस वारदात का कारण किसी के समझ में नहीं आ रहा है। बताया जाता है कि रात में परिवार के सभी लोग आराम से खाना खाकर सोए और कोई विवाद वाली बात नहीं थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।
पांचों भाई जयपुर में ही रहते थे- अमरचंद्र व उसके चारों भाई जयपुर में रह रहे थे और अभी हाल ही में गांव लौटे थे। अमरचंद्र रीट की तैयारी कर रहा था। शिवराज भी जयपुर में पढ़ाई करता है। अमरचंद और शिवराज दोनों की ही अभी शादी नहीं हुई है। पिता गांव में फर्नीचर बनाने का काम करते हैं। वहीं, तीनों अन्य भाई जयपुर में रहकर यहीं काम करते हैं। इनमें से दो भाई शादीशुदा हैं। वारदात के बाद अजमेर से एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। भिनाय थाना पुलिस व खिसवीर सिंह मामले की जांच कर रही हैं। दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिनाय स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। पोस्टमार्टम के बाद दोनों शवों का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस अधीक्षक जगदीश चन्द्र शर्मा के निर्देशन में भिनाय थाना पुलिस ने 12 घंटे के भीतर ही अमरचंद को निमहेड़ा गांव के ग्रामीणों की मदद से दबोचा।

चौथे चरण में दांव पर है फिल्मी सितारों और सेलिब्रिटीज की साख

कोलकाता । बंगाल विधानसभा चुनाव में इस बार सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दलों ने बड़ी संख्या में सेलिब्रेटी को चुनावी मैदान में उतारा है। चौथे चरण में शनिवार को 44 सीटों पर होने वाले मतदान में इनमें से कई फिल्मी सितारों व सेलिब्रिटी के सियासी भाग्य का फैसला होगा। इस चरण में जिन सेलिब्रिटी के भाग्य का फैसला होगा उनमें तीन मशहूर बांग्ला अभिनेत्री, एक अभिनेता, एक पूर्व क्रिकेटर व अन्य शामिल हैं। इनमें कोलकाता के बेहला पूर्व सीट पर भाजपा की ओर से अभिनेत्री पायल सरकार का तृणमूल की रत्ना चटर्जी से मुकाबला है। रत्ना कोलकाता के पूर्व मेयर शोभन चटर्जी की पत्नी हैं और दोनों के बीच तलाक का मुकदमा चल रहा है।
वहीं, बेहला पश्चिम सीट पर भाजपा की ओर से मैदान में खड़ी अभिनेत्री श्रावंती चटर्जी का तृणमूल कांग्रेस के कद्दावर नेता व राज्य के शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी के साथ मुकाबला है। इसी तरह दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर दक्षिण सीट पर तृणमूल की ओर से अभिनेत्री लवली मोइत्रा मैदान में हैं। यहां भी भाजपा प्रत्याशी के साथ उनका सीधा मुकाबला है। इसी तरह हुगली के चंडीताला सीट पर भाजपा की ओर से बांग्ला फिल्म अभिनेता यश दासगुप्ता किस्मत आजमा रहे हैं।

अभिनेत्री पायल सरकार

इधर, हावड़ा के शिवपुर सीट से तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर मनोज तिवारी मैदान में हैं। यहां उनका मुकाबला हावड़ा के पूर्व मेयर व भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर रथीन चक्रबर्ती से है। इसके अलावा इस चरण में तृणमूल सरकार के पांच मंत्रियों के किस्मत का भी फैसला होना है। इसके साथ केंद्रीय मंत्री व आसनसोल से सांसद बाबुल सुप्रियो के भी किस्मत का फैसला होना है जो भाजपा के टिकट पर कोलकाता के टॉलीगंज सीट से खड़े हैं।

सांसद बाबुल सुप्रियो

इस सीट पर बाबुल का राज्य के कद्दावर मंत्री अरूप विश्वास के साथ मुकाबला है। इसके अलावा पूर्व अभिनेत्री व हुबली से भाजपा की सांसद लॉकेट चटर्जी के भाग्य का फैसला भी इस चरण में होना है। वह हुगली जिले में अपने संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत चुंचूरा सीट से मैदान में हैं। तो देखा जाए तो इस चरण में सबसे ज्यादा सेलिब्रिटी मैदान में हैं।

कश्मीर में आवारा कुत्तों के आतंक पर लगेगा अंकुश, आबादी रोकने के लिए की जाएगी नसबंदी

श्रीनगर । ग्रीष्मकालीन राजधानी और उसके साथ सटे इलाकों में आतंक का पर्याय बने आवारा कुत्तों की आबादी पर अंकुश लगाने के लिए श्रीनगर नगर निगम ने उनकी नसबंदी का फैसला किया है।अगले छह माह के दौरान 50 हजार कुत्तों की नसबंदी का लक्ष्य रखा गया है। श्रीनगर समेत पूरी वादी में आवारा कुत्तों की बड़ती संख्या और उनके द्वारा आम लोगों को काटे जाने की घटनाएं अक्सर सुर्खियां बटोरती हैं। बीते 2 सालों में श्रीनगर में कुत्तों द्वारा विभिन्न लोगों को काटे जाने के 11782 मामले दर्ज किए गए हैं।
एसएमसी के आयुक्त अतहर आमिर खान ने कहा कि आवारा कुत्तों की बड़ती संख्या एक बड़ी समस्या है। इनकी आबादी पर रोक लगाना जरुरी है। हमने भारतीय पशु कल्याण बोर्ड और पशु जन्म नियंत्रण नियम, 2001 के मुताबिक श्रीनगर में 75 प्रतिशत आवारा कुत्तों की नसबंदी और उन्हें एंटी रैबीज के टीके लगाने का फैसला कियाहै। इसके लिए हमें शेरे कश्मीर कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों की मदद से एक कार्ययोजना तैयार की गई है।
एसएमसी वेटर्नरी अधिकारी डा जावेद राथर ने बताया कि हम अगले छह माह में 50 हजार कुत्तों की नसबंदी करेंगे। इसके अलावा हम श्रीनगर में आवारा कुत्तों की सही संख्या का पता लगाने लिए एक सर्वे भी करेंगे। उन्होंने बताया कि एकअनुमान के मुताबिक श्रीनगर और उसके आस-पास के इलाकों में करीब 60-65 हजार आवारा कुत्ते हैं।
श्रीनगर महाराजा हरि सिंह अस्पताल श्रीनगर में एंटी रैबीज क्लिनिक के प्रभारी डा हिलाल अहमद ने बताया कि अप्रैल 2019 से मार्च 2021 के अंत तक 11782 लोग हमारे पास एंटी रैबीज के उपचार के लिए आए हैं। इन सभी को कुत्तों ने काटा था। इनमें से 6984 लोगों को वर्ष 2019-20 क दौरान और 4798 लोगों को वर्ष 2020-21 के दौरान कुत्तों ने काटा है।
डा जावेद राथर ने कहा कि कश्मीर में पहले भी आवारा कुत्तों की आबादी पर अंकुश लगाने की कई योजनाएं शुरु की गई, लेकिन कोई भी पूरी तरह अपने मकसद को हासिल नहीं कर पायी। सभी योजनाएं अधर में ही लटक गई थी। इसके अलावा हमारे पास यहां कुत्तों की नसबंदी के लिए संसाधनों की कमी भी महसूसकी जाती रही है।

महाराष्ट्र सरकार के अंदर कहां तक जुड़ी हैं भ्रष्टाचार की चेन, अभी कहना मुश्किल !

मुंबई । मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह द्वारा महाराष्ट्र के गृहमंत्री अनिल देशमुख पर 100 करोड़ रुपये की वसूली का सनसनीखेज आरोप लगाए जाने के बाद संसद में मुंबई की एक सांसद पूनम महाजन ने कहा था कि ये तो एक विभाग का टार्गेट है। महाराष्ट्र सरकार में ऐसे न जाने कितने विभाग हैं, जहां से वसूली के आदेश निकलते रहे होंगे। एनआइए कोर्ट के नाम लिखी सचिन वाझे की चिट्ठी सार्वजनिक होने के बाद पूनम महाजन की आशंका सही साबित होती दिखाई दे रही है। अभी तक तो अनिल देशमुख, परिवहन मंत्री अनिल परब एवं उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के नाम सामने आ चुके हैं। आगे ऐसे न जाने कितने नाम सामने आएंगे, और यह सीरीज कहां तक जाएगी, कुछ कहा नहीं जा सकता।
मुंबई महानगरपालिका का पिछला चुनाव भाजपा शिवसेना से अलग होकर लड़ी थी। तब वह शिवसेना पर लगातार 'खंडणी (वसूली) पार्टी' होने का आरोप लगाती रही थी। वर्ष 2014 का विधानसभा चुनाव भी शिवसेना से अलग होकर लड़ने के दौरान भाजपा यही आरोप उस पर लगाती थी। संयोग देखिए कि अब भाजपा के ये पुराने आरोप शिवसेना पर खुद ब खुद चस्पा होते जा रहे हैं। वह भी खुद के कारणों से कम, सरकार में उसकी सहयोगी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कारण ज्यादा।
परमबीर सिंह ने जिन गृहमंत्री महोदय पर पुलिस अधिकारियों से 100 करोड़ रुपयों की वसूली करवाने का आरोप लगाया, वह राकांपा के ही हैं। अब तो सचिन वाडो की चिट्ठी में उपमुख्यमंत्री अजीत पवार का भी नाम सामने आ गया है।
पवार का एक करीबी उनके नाम पर सचिन वाडो से गुटका और तंबाकू के अवैध कारोबारियों से हर महीने 100 करोड़ रुपये वसूल करवाना चाहता था। बताने की जरूरत नहीं है कि अजीत पवार न सिर्फ राकांपा के वरिष्ठ नेता हैं, बल्कि राकांपा प्रमुख शरद पवार के भतीजे भी हैं। इससे पहले राकांपा के ही एक और मंत्री धनंजय मुंडे भी कुछ निजी कारणों से चर्चा में रह चुके हैं। उनके कारण भी शिवसेनानीत महाविकास आघाड़ी सरकार को बदनामी डोलनी पड़ी थी। ताजा प्रकरण में अभी तक तो शिवसेना के सिर्फ एक मंत्री अनिल परब का नाम सामने आया है। वह भी सचिन वाडो की 'प्रतिभा' का इस्तेमाल मुंबई महानगरपालिका के ठेकेदारों से वसूली के लिए करना चाहते थे। प्रति माह 50 करोड़ रुपयों का 'टार्गेट' उन्होंने भी वाडो को दे रखा था। वाडो प्रकरण से अलग एक घोटाले में शिवसेना के एक विधायक प्रताप सरनाईक का नाम पहले ही आ चुका है। शिवसेना के बड़बोले नेता संजय राऊत का संबंध पीएमसी बैंक घोटाले के आरोपित से सामने आने के बाद उससे लिया गया करीब 50 लाख का 'उधार' उन्हें हाल ही में चुकाना पड़ा है।
शिवसेनानीत सरकार के ये कारनामे सिर्फ सवा साल के हैं। सरकार दीर्घजीवी रही, तो करीब पौने चार साल अभी सरकार को और काम करना है। ऐसा नहीं है कि महाराष्ट्र में वसूली का यह रैकेट पहले चलता नहीं था। मुंबई के डांस बार हमेशा से पुलिस और आबकारी विभाग के लिए दुधारू गाय रहे हैं। लेकिन राज्य के किसी गृहमंत्री द्वारा पुलिस अफसरों को 100 करोड़ रुपये का टार्गेट देने की घटना पहली बार ही सामने आई है।
मुंबई, पुणो, नासिक के भवन निर्माताओं से पैसे लेकर जमीनों का आरक्षण बदलवाना और उन्हें तमाम तरह की नाजायज अनुमतियां दिलवाना तो पहले भी चर्चा में रहता ही था, लेकिन बीएमसी ठेकेदारों से 50 करोड़ रुपये की मासिक वसूली का टार्गेट फिक्स करना पहली बार ही सामने आया है।
मुंबई के भीड़ भरे भिंडी बाजार इलाके को नया रूप देने में जुटे सैफी बुरहानी अपलिफ्टमेंट ट्रस्ट (एसयूबीटी) के ट्रस्टियों को बुलाकर झूठी शिकायतों के आधार पर उनसे वसूली की मंशा जताना पहली ही बार सामने आ रहा है। चुनावों के लिए उद्योग घरानों से चंदा लेना कोई नई बात नहीं है। लेकिन उद्योगों का सिरमौर रहे महाराष्ट्र में देश के शीर्ष उद्योगपति से ही पैसा वसूली की साजिश रचना पहली बार देखा जा रहा है।
अंटीलिया प्रकरण की जांच एनआइए पहले ही शुरू कर चुकी है। मुंबई उच्च न्यायालय के निर्देश पर सीबीआइ भी परमबीर सिंह के आरोपों की जांच शुरू कर चुकी है। चूंकि 100 करोड़ रुपये की वसूली वाले मामले में करोड़ों के लेनदेन की बात सामने आ रही है, इसलिए जल्दी ही प्रवर्तन निदेशालय एवं आर्थिक अपराध से जुड़ी अन्य जांच एजेंसियां भी इसकी जांच में जुट जाएं, तो ताज्जुब नहीं होना चाहिए।

कपिल देव की भूमिका निभाना आसान नहीं था

अभिनेता रणवीर सिंह की फिल्म '83' बन कर तैयार है, लेकिन फिल्म की रिलीज पिछले साल से ही कोविड-19 के कारण अटकी हुई है। अब फिल्म को जून में प्रदर्शित करने की घोषणा इस उम्मीद के साथ की है कि तब तक हालात पूरी तरह सुधर जाएंगे। यह फिल्म 1983 में विश्व कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम पर आधारित है। विश्व कप शुरू होने के पहले कोई भी भारतीय टीम को दावेदार नहीं मान रहा था, लेकिन टीम इंडिया ने अद्भुत प्रदर्शन करते हुए विश्व कप का खिताब जीत लिया। कपिल देव के नेतृत्व में भारतीय टीम ने हैरतअंगेज प्रदर्शन किया और विश्व की नामी टीम को धूल चटा दी। कपिल ने अपने प्रदर्शन से दूसरे खिलाड़ियों को प्रेरित किया और टीम ने विजेता बन कर ही दम लिया। फिल्म '83' में इसी यात्रा को दर्शाया गया है और कपिल देव की भूमिका अभिनेता रणवीर सिंह ने निभाई है। जब रणवीर को इस रोल के लिए चुना गया था तो कुछ लोगों को शक था कि क्या यह भूमिका रणवीर निभा पाएंगे? रणवीर सिंह ने कपिल देव बनने के लिए खासी मेहनत की। कपिल के साथ समय बिताया। उस सफर के बारे में चर्चा की। कपिल देव की बॉडी लैंग्वेज को पकड़ा। कपिल जैसा लुक अपनाया। साथ ही क्रिकेट भी सीखा और कपिल के अंदाज में शॉट लगाने के बारे में भी जानकारी हासिल की। क्रिकेट सीखना रणवीर के लिए बड़ी चुनौती थी क्योंकि यहां तकनीक हावी हो जाती है। जरा सी भी चूक को होशियार दर्शक पकड़ सकते हैं और उनका फिल्म देखने का मजा किरकिरा हो सकता है। इस बात का रणवीर ने खासा ध्यान रखा। फिल्म की एक तस्वीर में रणवीर सिंह कपिल देव का मशहूर नटराज शॉट लगाते दिख रहे हैं। ये तस्वीर फिल्म में उस सीन की है जहां कपिल देव ने 1983 के क्रिकेट विश्व कप सेमीफाइनल में जिम्बाब्वे के खिलाफ 175 रन बनाए थे। कपिल बनने में रणवीर कितने सफल हुए हैं, ये तो फिल्म देखने के बाद ही पता चलेगा, लेकिन फिल्म के जो पोस्टर सामने आए हैं, उसके आधार पर कहा जा सकता है कि रणवीर ने मेहनत तो बहुत की है। रणवीर चाहते हैं कि उनकी मेहनत अब सबके सामने आए। इंतजार उनके लिए भी और दर्शकों के लिए भी लंबा होता जा रहा है। फिल्म देखने का मजा निश्चित रूप से बड़ी स्क्रीन पर ही आएगा। यही कारण है कि फिल्म के निर्माताओं ने अब तक ओटीटी प्लेटफॉर्म वालों की बातों को अनसुना किया है। कबीर खान निर्देशित इस फिल्म में रणवीर सिंह के अलावा दीपिका पादुकोण, पंकज त्रिपाठी, बोमन ईरानी, साकिब सलीम, हार्डी संधू, एमी विर्क सहित कई अन्य एक्टर्स हैं।

क्या सलमान की 'राधे' ईद पर नहीं हो पाएगी रिलीज!

कल जब खबर आई कि अक्षय कुमार की फिल्म 'सूर्यवंशी' 30 अप्रैल को रिलीज नहीं हो पाएगी और रिलीज डेट अब आगे बढ़ा दी गई है। ऐसा रोहित शेट्टी की इस फिल्म के साथ कई बार हो चुका है। कोविड-19 ने फिल्म की रिलीज को लगभग एक साल से अटका रखा है। अब तो दर्शक भी इंतजार करते-करते थक गए हैं। भारत में एक बार फिर तेजी से हालात बदले हैं। महाराष्ट्र के अलावा अन्य प्रदेशों में भी केसेस बढ़ते जा रहे हैं। सूर्यवंशी बड़ी फिल्म है और इसको फायदा तभी पहुंच सकता है जब सभी जगह हालात ठीक हों। सूर्यवंशी के आगे खिसकने के बाद एक बार फिर सलमान खान की फिल्म 'राधे' पर सवाल खड़े हो गए हैं। क्या इस फिल्म की रिलीज भी आगे बढ़ जाएगी। सलमान की यह फिल्म भी एक साल से अटकी हुई है। पिछली ईद पर रिलीज होने वाली थी और अब यह ईद दरवाजे तक आ गई है। जिस तरह के हालात हैं वो जल्दी नहीं सुधरने वाले हैं। सलमान की मूवी को 13 मई को रिलीज करना अनाउंस किया गया है। सूर्यवंशी के रिलीज होने के दो सप्ताह बाद यह फिल्म रिलीज होने वाली है। अब सूर्यवंशी आगे बढ़ गई है, ऐसे में इस बात की पूरी संभावना है कि सलमान की फिल्म राधे की रिलीज भी आगे बढ़ जाएगी।

क्या ओटीटी पर आएगी ये दोनों फिल्में?

सलमान खान तो सिंगल स्क्रीन सिनेमाघर वालों से वादा कर चुके हैं कि 'राधे' को वे थिएटर में ही रिलीज करेंगे, लेकिन इस वादे को पूरा करने में कोविड-19 लगातार मुश्किल पैदा कर रहा है। दूसरी ओर भारी धन की राशि लिए ओटीटी वाले न केवल राधे बल्कि सूर्यवंशी के प्रोड्यूसर्स के पीछे लगे हुए हैं कि अपनी फिल्म हमें दे दो, लेकिन ये प्रोड्यूसर्स मान नहीं रहे हैं। आखिर कब तक नहीं मानेंगे? कब तक परिस्थितियों के सही होने का इंतजार करेंगे। फिल्म की लागत लगातार बढ़ती जा रही है जिसके कारण रिकवरी मुश्किल हो जाएगी। संभव है कि हालात जल्दी नहीं सुधरे तो सूर्यवंशी और राधे ओटीटी पर देखने को मिल जाए।

जितनी कल्पना की जा सकती है उससे भी मुश्किल

कोविड-19 से जूझ रहीं अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने दुआ और चिंता करने वाले अपने प्रशंसकों और फॉलोवरों का आभार जताने के लिए मंगलवार को इंस्टाग्राम का सहारा लिया। अभिनेत्री ने सभी से महामारी की दूसरी लहर के बीच बाहर न निकलने का अनुरोध किया और चेतावनी देते हुए कहा कि कोविड को झेलना बहुत मुश्किल है, जितनी कल्पना की जा सकती है, उससे भी मुश्किल। भूमि ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, ''सभी को नमस्कार .मैं आप सबसे मिल रहे प्यार से बहुत अभिभूत हूं। मेरे खातिर दुआ करने के लिए धन्यवाद। क्षमा करें, मुझे आपके संदेशों, कॉलों या डीएमएस पर जवाब देने का मौका नहीं मिला है। मैं कल सोने और कोविड से लड़ने में बिताया। बस, यही कहना चाहती हूं कि आप बीमार नहीं होना चाहते, तो घर में ही रहें और बाहर कदम न रखें, अगर वास्तव में बाहर जाना बहुत जरूरी हो तो प्रोटोकॉल का पालन जरूर करें।'' भूमि ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर सूचित किया था वह कोविड-19 की जांच में पॉजिटिव पाई गई हैं और घर में ही अलगाव में रह रही हैं। उन्होंने लिखा था, ''आज मुझमें कोविड के हल्के लक्षण हैं, लेकिन मैं ठीक महसूस कर रही हूं और खुद को अलग-थलग कर रही हूं। मैं अपने डॉक्टर और स्वास्थ्य पेशेवरों द्वारा दिए गए प्रोटोकॉल का पालन कर रही हूं। यदि आप हाल में मेरे संपर्क में आए हैं, तो कृपया तुरंत अपनी जांच करवा लें।''

कार्तिक आर्यन ने खरीदी करोड़ों की लैम्बॉर्गिनी कार

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन बीते दिनों कोरोना संक्रमित पाए गए थे, जिसके बाद उन्होंने बीते सोमवार ही इस वायरस को मात देदी है। कोविड-19 जांच रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद कार्तिक आर्यन अपनी नॉर्मल लाइफ में वापस लौट आए हैं। वहीं अपनी इस खुशी को दोगुना करते हुए कार्तिक ने अपने लिए एक ब्रैंड न्यू महंगी कार खरीद ली है। उन्होंने अपनी चमचमाती लैम्बॉर्गिनी कार के साथ एक वीडियो भी शेयर किया है। इस वीडियो में सेलीब्रेशन भी देखने को मिल रहा है, जिसके कारण कार्तिक अचानक चौंक पड़ते हैं। कार्तिक आर्यन ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में कार्तिक अपनी नई कार के पास खड़े होकर पोज दे रहे हैं। काले रंग की लैम्बॉर्गिनी के पीछे ढेर सारे गुब्बारे दिखाई दे रहे हैं। वहीं इस कार के आगे बने सतिया को देखें तो मालूम होता है कि पहले कार्तिक ने इसकी पूजा करवाई है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो इस कार की कीमत 35 से 45 करोड़ है। वहीं नई कार की खुशी में सेलीब्रेशन के दौरान कोई गुब्बार फोड़ देता है और इसकी आवाज से कार्तिक चौंक जाते हैं और लड़खड़ा पड़ते हैं। वीडियो को साझा करते हुए कार्तिक ने कैप्शन में लिखा- 'खरीद ली.पर मैं शायद महंगी चीजों के लिए बना ही नहीं हूं'। वहीं कार्तिक के इस वीडियो पर नई कार के लिए फैंस तो उन्हें बधाई दे ही रहे हैं। इसके साथ कई सेलेब्रिटीज ने भी कमेंट के जरिए कार्तिक के लिए खुशी जाहिर की है। कार्तिक की को-स्टार रह चुकीं भूमि पेडनेकर ने लिखा- 'तुम एक महंगी चीज हो'।

बॉलीवुड में थम नहीं रहे कोरोना केसेज, अब कटरीना कैफ पॉजिटिव

बॉलीवुड में कोरोना के मामले बढ़ते जा रहे हैं। मंगलवार को कटरीना कैफ के कोविड-19 पॉजिटिव होने की खबर आई है। कटरीना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने खुद को आइसोलेट कर लिया है और होम क्वॉरंटीन हैं। वह घर पर ही आराम कर रही हैं। सोमवार को विकी कौशल और भूमि पेडनेकर को कोरोना होने की खबर आई थी।

इंस्टाग्राम पर दी जानकारी

कटरीना ने अपने इंस्टाग्राम पर जानकारी दी है, मेरा कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव आया है। मैंने खुद को तुरंत आइसोलेट कर लिया है और होम क्वॉरंटीन रहूंगी। मैं अपने डॉक्टरों की सलाह पर सारे सेफ्टी प्रोटोकॉल्स का पालन क रही हूं। जो भी मेरे संपर्क में आया है उनसे अपील है कि तुरंत अपना कोरोना टेस्ट करवा लें। प्यार और सहयोग के लिए आभारी हूं।

कार्तिक आर्यन, मिलिंद सोमन हुए ठीक

बॉलीवुड में कोरोना की दूसरी लहर तेजी से बढ़ रही है। इस साल रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, मिलिंद सोमन, गोविंदा, कार्तिक आर्यन, भूमि पेडनेकर और विकी कौशल पहले ही कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से कार्तिक आर्यन, रणबीर कपूर और मिलिंद सोमन का कोरोना टेस्ट नेगेटिव आ चुका है। बीते साल सिंगर कनिका कपूर, अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, ऐश्वर्या राय, आराध्या बच्चन सहित कई सिलेब्स कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं।

10 करोड़ रुपये की उर्वशी रौटेला दीपिका-कैटरीना को पछाड़ा

उर्वशी रौटेला खूबसूरत हैं। हॉट हैं। इसके बावजूद बॉलीवुड में वे खास हलचल नहीं पैदा कर पाई। शायद गलत फिल्में साइन करने का नतीजा हो। हालांकि उर्वशी के पास अभी उम्र और समय दोनों है और संभव है कि वे आने वाले समय में बॉलीवुड में अपना स्थान बना लें। बहरहाल, उर्वशी को दक्षिण भारतीय फिल्मों में बड़ा अवसर मिला है। हाल ही में उन्होंने एक तमिल फिल्म साइन की है। खबर है कि इस फिल्म के बदले उन्हें पूरे 10 करोड़ रुपये मिले हैं। इतनी बड़ी रकम तो बॉलीवुड की कई नामी एक्ट्रेसेस को भी नहीं मिलती। उर्वशी ने इस फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। इस फिल्म में वे माइक्रोबायोलॉजिस्ट के रोल में हैं। तमिल फिल्म के अलावा वे एक तेलुगु फिल्म भी करने जा रही हैं। शायद दक्षिण भारतीय फिल्मों से उनकी किस्मत का द्वार खुले।

आयुष्मान और रकुल ने डॉक्टर जी का रीडिंग सेशन किया शुरू!

आयुष्मान खुराना और रकुल प्रीत अभिनीत जंगली पिक्च र्स की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'डॉक्टर जी' ने दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता और रोमांच पैदा कर दिया है। इस उत्सुकता को अधिक बढ़ाते हुए, प्रतिभाशाली और लोकप्रिय अभिनेताओं ने हाल ही में अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के जरिये अपने फॉलोवर्स और उत्साही प्रशंसकों को सूचित किया है कि उन्होंने इस कैंपस कॉमेडी ड्रामा का स्क्रिप्ट रीडिंग सेशन शुरू कर दिया है। आयुष्मान और रकुल 'डॉक्टर जी' में पहली बार एक साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए दिखाई देंगे। आयुष्मान जहां डॉ उदय गुप्ता की भूमिका निभाएंगे, वहीं अभिनेत्री एक मेडिकल स्टूडेंट डॉ फातिमा के किरदार में दिखाई देंगी, जो फिल्म में आयुष्मान की सीनियर है। फिल्म का कांसेप्ट यूनिक, दिलचस्प और कुछ ऐसा है जो हमने मैनस्ट्रीम सिनेमा में नहीं देखा है और यह इंतजार निश्चित रूप से मीठा होगा! फिल्म अनुभूति कश्यप द्वारा सह-लिखित और निर्देशित है। फिल्म सुमित सक्सेना, विशाल वाघ और सौरभ भारत ने लिखित है।

सलमान खान को डेट करना चाहती हैं अर्शी खान

सलमान खान को कौन डेट करना चाहता है? यह प्रश्न पूछा जाए तो ज्यादातर लड़कियां खुद का नाम लेंगी। आखिर सलमान बॉलीवुड के सबसे चर्चित और हैंडसम कुंआरे जो ठहरे। अब अर्शी खान का भी उन पर दिल आ गया है। अर्शी खान वही, जो हाल ही में बिग बॉस शो में नजर आई थीं, पहले भी दिखाई दी थीं। सलमान खान ने उनकी खूब क्लास ली थी, लेकिन इससे अर्शी को खास फर्क नहीं पड़ा। हाल ही में एक इंटरव्यू में अर्शी खान ने कहा है कि वे सलमान खान को डेट करना चाहती हैं। यही नहीं, सलमान के अलावा एक और शख्स है जिनके साथ वे रिश्ता जोड़ना चाहती हैं। ये हैं डब्ल्यूडब्ल्यूई रेसलर और सीईओ ट्रिपल एच। अर्शी के मुताबिक वे इन दोनों को डेट करना चाहती हैं। अर्शी इस तरह की बातें क्यों कर रही हैं? उनका दिल टूटा है। हाल ही में उनका ब्रेकअप हुआ है। इस समय वे सिंगल हैं। अर्शी एक बिजनेसमैन को डेट कर रही थीं जिसने काम दिलाने में उनकी मदद की थी। अब ब्रेकअप हो गया है और वे सिंगल हैं। अर्शी एक वेबसीरिज में नजर आई थीं। खबर है कि उन्हें टीवी पर एक स्वयंवर का शो भी ऑफर हुआ है, लेकिन अर्शी ने अब तक हां नहीं कहा है।

संक्षिप्त समाचार

एक सप्ताह देरी से शुरू होगा फ्रेंच ओपन

पेरिस, (एजेंसी)। कोरोना महामारी को देखते हुए फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट को एक सप्ताह के लिए टाल दिया गया है। आयोजकों ने कहा है कि कोरोना वायरस महामारी के कारण यह टूर्नामेंट अब एक सप्ताह और देर से शुरू होगा। इस क्ले कोर्ट ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट को पहले 23 मई से शुरू होना था पर अब पहले दौर के मैच 30 मई से शुरू होंगे।

फ्रेंच टेनिस महासंघ ने अपने एक फैसले में कहा है कि यह फैसला टूर्नामेंट के सुरक्षित माहौल में ज्यादा से ज्यादा दर्शकों के सामने खेले जाने की संभावना को बढ़ाने के लिए लिया गया है। पिछले साल भी इस टूर्नामेंट को कोरोना महामारी को देखते हुए ही सितंबर तक के लिए आगे बढ़ा दिया गया था। इसके साथ ही इसमें दर्शकों की संख्या 1,000 प्रत्येक दिन के लिए सीमित कर दी गयी थी।

ओलंपिक खेलों के सुरक्षित आयोजन के लिए कठोर नियमों की घोषणा करेगा जापान

टोक्यो, (एजेंसी)। जापान ने ओलंपिक खेलों के सुरक्षित आयोजन के लिए अपने प्रयास और तेज कर दिये हैं। इसी के तहत ही जापान सरकार ने कोरोना वायरस के नये प्रकार के प्रसार को रोकने के लिए और अधिक कठोर कदम उठाने की तैयारी शुरू कर दी है।

एक सरकारी समिति के विशेषज्ञों ने ओलंपिक को देखते हुए आपातकालीन उपायों को प्रारंभिक स्वीकृति प्रदान की है। इसमें अधिक प्रभावित टोक्यो, पश्चिमी जापान में क्योटो और दक्षिणी द्वीप ओकिनावा के लिए कुछ कठोर सुरक्षा आदेश शामिल हैं। जापानी प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा सोमवार से लागू होने वाले इस उपायों की घोषणा कर सकते है। यह नये नियम मई की शुरूआत तक लागू रहेगा। गौरतलब है कि टोक्यो में अभी ज्यादातर लोगों को टीका नहीं लगा है। ओलंपिक खेलों की शुरूआत 23 जुलाई से होगी।

हालात बेहतर होंगे तो आईपीएल को लेकर मीडिया पर पाबंदी घटेगी : बीसीसीआई

नई दिल्ली, (संवाददाता)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि कोरोना महामारी के खतरे के कारण मीडिया को भी स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति नहीं रहेगी। साथ ही कहा है कि अगर हालात बेहतर होते हैं तो ये प्रतिबंध कम किये जा सकते हैं। साथ ही कहा कि बीसीसीआई मीडिया को प्रत्येक मैच के बाद एक वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस की सुविधा उपलब्ध करायेगा जिससे उसके बारे में पूरी जानकारी मिल जाएगी।

बीसीसीआई ने कहा, कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य और सुरक्षा चिंताओं के कारण मीडियाकर्मी मैचों और टीम के अभ्यास सत्रों को कवर करने के लिए स्टेडियम में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। इसके साथ ही कहा, अगर स्वास्थ्य और सुरक्षा हालाता सत्र के अंत तक ठीक हो जाते हैं तो मीडिया को टूर्नामेंट के कवरेज की अनुमति दी जा सकती है। आईपीएल के सभी मुकाबले खाली स्टेडियम में होंगे।

हालात बेहतर होंगे तो आईपीएल को लेकर मीडिया पर पाबंदी घटेगी : बीसीसीआई

मुम्बई, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि कोरोना महामारी के खतरे के कारण मीडिया को भी स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति नहीं रहेगी। साथ ही कहा है कि अगर हालात बेहतर होते हैं तो ये प्रतिबंध कम किये जा सकते हैं। साथ ही कहा कि बीसीसीआई मीडिया को प्रत्येक मैच के बाद एक वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस की सुविधा उपलब्ध करायेगा जिससे उसके बारे में पूरी जानकारी मिल जाएगी।

साथ ही कहा कि आईपीएल के मुकाबले खाली स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसके लेकर बीसीसीआई ने कहा, कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य और सुरक्षा चिंताओं के कारण मीडियाकर्मी मैचों और टीम के अभ्यास सत्रों को कवर करने के लिए स्टेडियम में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। इसके साथ ही कहा, अगर स्वास्थ्य और सुरक्षा हालाता सत्र के अंत तक ठीक हो जाते हैं तो मीडिया को टूर्नामेंट के कवरेज की अनुमति दी जा सकती है।

ओलंपिक की होने वाली है शुरूआत, जापान उठाएगा कड़े कदम

तोक्यो, (एजेंसी)। ओलंपिक खेलों के शुरू होने में तीन महीने से कुछ अधिक समय बचे है और ऐसे में जापान तेजी से फैलने वाले कोरोना वायरस के नये प्रकार के प्रसार को रोकने के लिए और अधिक कदम उठाने को तैयार है। एक सरकारी समिति के विशेषज्ञों ने आपातकालीन उपायों को प्रारंभिक स्वीकृति दी जिसमें तोक्यो, पश्चिमी जापान में क्योटो और दक्षिणी द्वीप ओकिनावा के लिए कुछ कड़े आदेश शामिल हैं।

प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा सोमवार से लागू होने वाले इस उपायों की घोषणा कर सकते है जो मई की शुरूआत तक लागू रहेगा। तोक्यो में ज्यादातर लोगों को अभी तक टीका नहीं लगा है। ओलंपिक खेलों का आगाज 23 जुलाई से होगा।

भुवनेश्वर के आने से टीम की गेंदबाजी बेहतर हुई : वॉर्नर

चेन्नई, (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान डेविड वॉर्नर ने अनुभवी तेज गेंदबाजी भुवनेश्वर कुमार की टीम में वापसी पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा है इससे उनकी टीम की गेंदबाजी बेहतर होगी। वॉर्नर के अनुसार उनकी टीम सभी विभागों में अच्छी है। भुवनेश्वर ने पिछले साल फिट नहीं होने के कारण आईपीएल में केवल चार ही मैच खेले थे। इस समय वह अच्छे फॉर्म में हैं।

वॉर्नर ने अपने एक ट्वीट में कहा, हमारी टीम काफी अच्छी है इससे चयन आसान नहीं रहेगा।। आईपीएल में सनराइजर्स का पहला मुकाबला रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स से होगा। वॉर्नर ने कहा, यह अच्छी बात है कि भुवनेश्वर वापस आ गया है। उसने इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। हमारे पास गेंदबाजी में काफी गहराई है। इसके साथ ही हमारे पास आक्रामक बल्लेबाज है जो किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर सकते हैं। ।उन्होंने कहा कि दिल्ली और चेन्नई की धीमी पिचें उनकी टीम के अनुरुप हैं। उन्होंने कहा, हम पहले आठ या नौ मैच चेन्नई और दिल्ली में खेलेंगे। ये विकेट धीमी है जो हमारी टीम को इसमें आसानी होगी। वॉर्नर ने साथ ही कहा कि पृथकवास के दौरान अपने को फिट रखने के लिए वह होटल के कमरे के भीतर ही दौड़ लगाते थे। उन्होंने कहा, मुझे एक बड़ा कमरा मिला था जिसमें मैं दौड़ सकता था। भुवनेश्वर ने कहा कि इस बार वह पूरा सत्र खेलने को बेताब हैं। उन्होंने कहा, पृथकवास से बाहर आकर अच्छा लग रहा है।

गावस्कर, गंभीर और पीटरसन आईपीएल कमेंट्री टीम में शामिल

मुम्बई, (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल की कमेंट्री टीम में सुनील गावस्कर, गौतम गंभीर और केविन पीटरसन जैसे दिग्गज पूर्व क्रिकेटर शामिल हैं। आईपीएल की कमेंट्री कुल 100 कमेंटेटर करेंगे। इस बार आईपीएल का प्रसारण हिंदी सहित सात भारतीय भाषाओं में किया जाएगा। गावस्कर अंग्रेजी के अलावा हिंदी की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। वहीं अंग्रेजी में वह पूर्व भारतीय क्रिकेटर रोहन गावस्कर के साथ मैच का आंखों देखा हाल सुनाएंगे।

आईपीएल का प्रसारण विभिन्न चैनलों के अलावा डिज्नी ओर हॉटस्टार पर भी होगा। आईपीएल के 14वें सत्र के लिये विभिन्न भाषाओं के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर कमेंट्री टीम में शामिल किये गये हैं। कमेंट्री अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, बंगाली और मराठी में भी होगी। हिंदी कमेंट्री टीम में गावस्कर के अलावा आकाश चोपड़ा, निखिल चोपड़ा, गौतम गंभीर, अजित अगरकर, इरफान पठान, पार्थिव पटेल, आर पी सिंह और दीप दासगुप्ता भी शामिल हैं।

अस्पताल से छुट्टी के बाद घर पर ही पृथकवास में रह रहे तेंदुलकर

मुंबई, (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद अब घर पर ही पृथकवास में रह रहे हैं। तेंदुलकर को पिछले सप्ताह कोविड-19 के लिये पॉजीटिव पाये जाने के बाद डॉक्टरों की सलाह पर ही अस्पताल में भर्ती किया गया था। इस खिलाड़ी ने ट्विटर पर कहा कि मैं अभी अस्पताल से घर पहुंचा हूं तथा अब भी अलग थलग रहूंगा और आराम करूंगा। मैं शुभकामनाओं और प्रार्थनाओं के लिये सभी का आभार व्यक्त करना चाहूंगा।

उन्होंने अस्पताल में उनकी अच्छी तरह से देखभाल करने के लिये भी चिकित्साकर्मियों का आभार व्यक्त किया। तेंदुलकर ने कहा कि मैं उन सभी चिकित्साकर्मियों का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने मेरी इतनी अच्छी तरह से देखभाल की साथ ही कहा कि इन कठिन हालातों में भी पिछले एक साल से अधिक समय से स्वास्थ सेवा से जुड़े लोग लगातार अपना काम कर रहे हैं। तेंदुलकर का 27 मार्च को कोविड-19 के लिये पॉजिटिव पाया गया था। उसी के बार उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

आईपीएल में सीएसके के खिलाफ शुरूआती मुकाबले में धोनी से मिली सीख का इस्तेमाल करेंगे ऋषभ

मुंबई, (एजेंसी)। युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स की युवा टीम का मुकाबला शनिवार को अनुभवी कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से होगा। इस मुकाबले पर सभी की नजरें रहेंगी। ऋषभ इस मैच से पहली बार आईपीएल में कप्तानी करेंगे। दिल्ली की टीम यूएई में खेले गए पिछले सत्र में उपविजेता रही थी, इसलिए इस बार खिताब जीतने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देगी। उसके पास ऋषभ जैसा कप्तान है जिसने हाल के दिना में बेहद आक्रामक अंदाज में भारतीय टीम को कई मैच में जीत दिलाई है। वहीं दूसरी ओर उम्रदराज खिलाड़ियों से भरी सीएसके के पास कई स्टार खिलाड़ी हैं पर इसके बाद भी टीम को पिछले आईपीएल में करारी हार का सामना करना पड़ा था। पिछले सत्र में टीम प्ले ऑफ तक में नहीं पहुंच पायी थी। ऐसे में उसका लक्ष्य इस बार अच्छी शुरूआत करना रहेगा। तीन बार की विजेता सीएसके पिछले साल आठ टीमों में सातवें स्थान पर रही।

वहीं दिल्ली के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ ने हाल ही में कहा था कि वह पहले मैच में धोनी से अब तक मिली सारी सीख का इस्तेमाल करेंगे। उन्होंने कहा था कि कप्तान के तौर पर मेरा पहला मैच धोनी भाई के खिलाफ है। मेरे लिए यह अच्छा अनुभव होगा क्योंकि मैने उनसे बहुत कुछ सीखा है। मैं अपने अनुभव और उनसे मिली सीख का पूरा इस्तेमाल करूंगा। दिल्ली के पास सलामी बल्लेबाज शिखर धवन, पृथ्वी शॉ, अजिंक्य रहाणे, स्टीव स्मिथ और कप्तान ऋषभ जैसे अनुभवी बल्लेबाज हैं। धवन (618) पिछले आईपीएल में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर थे।

वहीं युवा पृथ्वी शॉ ने विजय हजारे ट्रॉफी में 827 रन बनाये और ऐसी संभावना है कि वह धवन के साथ पारी की शुरूआत करेंगे। कप्तान ऋषभ अच्छे शानदार फॉर्म में हैं जिसका लाभ उनकी टीम को मिलेगा। दिल्ली के पास मार्कस स्टोइनिस, शिमरोन हेटमायेर और सैम बिलिंग्स जैसे ऑलराउंडर हैं हालांकि टीम में संयोजन बनाना आसान नहीं रहेगा। अंतिम एकादश में चार विदेशी खिलाड़ी ही हो सकते हैं। गेंदबाजी में उनके पास ईशांत शर्मा, कैगिसो रबाडा, उमेश यादव, क्रिस वोक्स और एनरिच नोर्किया हैं। वहीं अनुभवी कैसिगो रबाडा और नोर्किया पृथकवास के कारण पहले मैच से बाहर भी रहते हैं तो दिल्ली की गेंदबाजी प्रभावित होगी है। स्पिन की जिम्मेदारी अनुभवी आर अश्विन और अमित मिश्रा पर रहेगी।

वहीं दूसरी ओर सीएसके को अनुभवी बल्लेबाज सुरेश रैना की वापसी से लाभ होगा। रैना ने आईपीएल में 5368 रन बनाए हैं। वह आईपीएल में सबसे अधिक रन बनाने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर है। टीम के पास शीर्षक्रम में रूतुराज गायकवाड़, फाफ डु प्लेसी और अंबाती रायुडू जैसे बल्लेबाज हैं ।युवा सैम कुरेन, मोईन अली और धोनी मध्यक्रम को संभालेंगे जबकि गेंदबाजी में युवा शारदुल ठाकुर के लय में होने का उसे लाभ मिलेगा। दीपक चाहर और रविंद्र जडेजा जैसे ऑलराउंडर भी उसके पास हैं जो गेंद और बल्ले दोनो से ही टीम के लिए अहम भूमिका निभाने में सक्षम हैं। टीम का कमजोर पक्ष उसके खिलाड़ियों का उम्रदराज होना है। टीम के अधिकतर खिलाड़ी 30 से अधिक उम्र के हैं।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं-

दिल्ली कैपिटल्स : ऋषभ पंत (कप्तान), शिखर धवन, पृथ्वी साव, अजिंक्य रहाणे, शिमरोन हेटमायेर, मार्कस स्टोइनिस, क्रिस वोक्स, आर अश्विन, अमित मिश्रा, ललित यादव, प्रवीण दुबे, कैगिसो रबाडा, एनरिच नोर्किया, ईशांत शर्मा, आवेश खान, स्टीव स्मिथ, उमेश यादव, रिपल पटेल, विष्णु विनोद, लुकमान मेरिवाला, एम सिद्धार्थ, टॉम कुरेन, सैम बिलिंग्स।

चेन्नई सुपर किंग्स : महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान), सुरेश रैना, अंबाती रायुडू, केएम आसिफ, दीपक चाहर, ड्वेन ब्रावो, फाफ डु प्लेसी, इमरान ताहिर, एन जगदीशन, कर्ण शर्मा, लुंगी एनगिडि, मिशेल सेंटनेर, रविंद्र जडेजा, रूतुराज गायकवाड़, शारदुल ठाकुर, सैम कुरेन, आर साइ किशोर, मोईन अली, के गौतम, चेतेश्वर पुजारा, हरिशंकर रेड्डी, भागनाथ वर्मा, सी हरि निशांत।

आंकड़ों से क्रिकेट में अच्छी प्रतिस्पर्धा को मिलना चाहिये प्रोत्साहन: राहुल द्रविड़

नई दिल्ली, (संवाददाता)। भारत के महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ ने कहा कि क्रिकेट में रणनीति बनाने और खिलाड़ियों के चयन में मदद करने वाले डेटा (आंकड़ों) से अच्छी प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहन मिलना चाहिये। द्रविड़ ने 15वीं एमआईटी स्लोन खेल विश्लेषण कांफ्रेंस में कहा , क्रिकेट में बेसबॉल की तरह ही डेटा का विशेष स्थान रहा है लेकिन पिछले 15 साल में हम औसत की तुलना करने की बजाय इसका इस्तेमाल रणनीति बनाने और खिलाड़ियों के चयन में कर रहे हैं। एमआईटी कांफ्रेंस में क्रिकेट पर पहली परिचर्चा का विषय , हाउजडाटा : हाउ एनेलेटिक्स इज रिवोल्शनाइजिंग क्रिकेट (कैसे आंकड़ों के जरिये विश्लेषण में क्रिकेट में क्रांति आ रही है) में क्रिकेट की बेहतरी के लिये आंकड़ों के इस्तेमाल पर बात की गई। भारत के पूर्व कोच और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज गैरी कर्स्टन और इंग्लैंड महिला टीम की पूर्व क्रिकेटर और मौजूदा कमेंटेटर इशा गुहा ने भी इसमें भाग लिया। इसके सूत्रधार डेल टेक्नॉलाजी के निदेशक आलोक सिंह थे। द्रविड़ ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब लोग सिंगल लेना छोड़ देंगे क्योंकि मैचअप उन्हें बताता है कि अगली दो या तीन गेंद में वह छक्का लगा सकते हैं।

टी20 सीरीज में दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी करेंगे क्लासेन, बावुमा बाहर

जोहांसबर्ग, (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले चार मैचों की टी-20 सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। एकदिवसीय सीरीज में टीम की कप्तानी करने वाले टेंबा बावुमा चोटिल होने के कारण इस सीरीज से बाहर हो गये हैं। बावुमा की जगह हेनरिक क्लासेन टीम की कप्तानी करेंगे। टी-20 सीरीज का पहला मैच शनिवार 10 अप्रैल को जोहानिसबर्ग में खेला जाएगा।

बावुमा हेमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गये हैं। तीसरे एकदिवसीय मैच में बल्लेबाजी के दौरान बावुमा को यह चोट लगी थी। वहीं रेसी वेन डर डुसेन फिट हो गये हैं और उनको भी टीम में शामिल किया गया है। ड्वेन प्रिटोरियस सीरीज के लिए फिट नहीं हो सके हैं, इस कारण उनको टीम में शामिल नहीं किया गया है। वहीं रीजा हेंड्रिक्स ने अपने पहले बच्चे के जन्म को देखते हुए पहले ही टी-20 सीरीज से अपना नाम वापस ले लिया था। एडम मार्करम, एंडिले फेलुकवायो टीम में अनुभवी खिलाड़ी हैं।

दक्षिण अफ्रीका की टीम इस प्रकार है- हेनरिक्स क्लासेन (कप्तान), ब्योर्न फॉर्टयूइन, एडम मार्करम, एंडिले फेलुकवायो, बेयुरान हेंड्रिक्स, जॉर्ज लिंडे, रासी वेन डर डुसेन, जानेमन मलान, सिसांडा मगाल, वियान मुल्डर, तबरेज शम्सी, लुथो सिपाम्ला, काइल वेरीयनी, पीट वेन बिलजोन, दरियन दुपविलॉन, मइगेल प्रिटोरियस, लिजाद विलियम्स, विहान लुब्बे।

कॉनवाय रविंद्र और डफी इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम में शामिल

वैलिंगटन, (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीकी मूल के क्रिकेटर डिवोन कॉनवाय सहित तीन नए खिलाड़ियों को जून में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट की क्रिकेट श्रृंखला के लिए अपनी टीम में शामिल किया है। कॉनवाय ने इससे पहले टी20 और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में न्यूजीलैंड की ओर से खेला है हालांकि उन्हें पहली बार टेस्ट टीम में जगह मिली है। वहीं दो नये खिलाड़ियों ऑलराउंडर रचिन रविंद्र और तेज गेंदबाज जैकब डफी को भी टीम में शामिल किया गया है। इससे पहले लाड्र्स में दो जून और एजबस्टन में 10 जून से होने वाले टेस्ट मैचों के लिए न्यूजीलैंड ने 20 सदस्यीय टीम की घोषणा की।

इस प्रकार भारत के खिलाफ साउथम्पटन में 18 जून से होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए टीम के सदस्यों की तादाद बढ़कर 15 हो जाएगी। रविंद्र न्यूजीलैंड के उभरते हुए खिलाड़ियों में शामिल हैं। बायें हाथ के इस बल्लेबाज और बायें हाथ के स्पिनर ने 18 साल की उम्र में वेलिंगटन की ओर से अपना पहला मैच खेला था। इसने प्रथम श्रेणी स्तर पर तीन शतक और दो अर्धशतक लगाये हैं। इसमें न्यूजीलैंड ए की ओर से वेस्टइंडीज के खिलाफ लगाया गया शतक भी शामिल है।

वहीं दूसरे खिलाड़ी डफी ने इस साल ईडन पार्क में पाकिस्तान के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करते हुए 33 रन देकर चार विकेट लिए थे। इसके अलावा पिछले साल मार्च में दायें टखने की सर्जरी कराने वाले ऑलउंडर कोलिन डिग्रैंडहोम को भी टीम में शामिल किया गया है हालांकि उन्हें अभी फिटनेस परीक्षण पास करना होगा क्योंकि वह कूल्हे की चोट से उबर रहे हैं।

टीम के कप्तान केन विलियमसन, ऑलराउंडर मिशेल सेंटनर और तेज गेंदबाज काइल जेमीसन और ट्रेंट बोल्ट पहले टेस्ट में शायद ही खेल पायें। उनका खेलना आईपीएल लीग के मुकाबलों पर निर्भर करेगा।

टीम इस प्रकार हैः केन विलियमसन (कप्तान), टॉम ब्लंडेल, ट्रेंट बोल्ट, डग ब्रेसवेल, डेवोन कॉनवाय, कोलिन डि ग्रैंडहोम, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जेमीसन, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, हेनरी निकोल्स, एजाज पटेल, रचिन रविंद्र, मिशेल सेंटनर, टिम साउथी, रोस टेलर, नील वैगनर, बीजे वाटलिंग और विल यंग।

बिली जीन किंग कप टेनिस में जीत के इरादे से उतरेंगे उप्पल

नई दिल्ली, (संवाददाता)। भारतीय फेड कप टेनिस टीम के कप्तान विशाल उप्पल ने कहा कि उनके खिलाड़ी आगामी बिली जीन किंग कप मुकाबले में अपने से बेहतर रैंकिंग वाली लातवियाई टीम के खिलाफ आक्रामक अंदाज में उतरेगी। उप्पल को भरोसा है कि उन्हें अपनी विरोधी टीम पर जीत मिलेगी। भारतीय महिला खिलाड़ी विश्व ग्रुप प्ले ऑफ मुकाबले के लिये लातविया जाएगी। इस दौरान 16 अप्रैल से जुमार्ला में नेशनल टेनिस सेंटर में इंडोर कोर्ट पर मुकाबला होगा।

इस दौरान मेजबान टीम अपने शीर्ष खिलाड़ियों को उतारेगी जिसमें दुनिया की 47वें नंबर की अनास्तासिया सेवास्तोवा, फ्रेंच ओपन चैम्पियन येलेना ओस्टापेंको (53वीं रैंकिंग), डायना मासिर्केविका (274वीं रैंकिंग) और डेनिएला विस्माने (492) भी शामिल हैं। लातवियाई टीम के कप्तान एड्रियन्स जगुन्स हैं जिसमें कम अनुभवी पैट्रिसिया स्पाका भी मौजूद है।

उप्पल ने इस दौरे के लिए रवाना होने पर कहा, हम सिर्फ उत्साहित ही नहीं हैं बल्कि जीत के लिये भी बेसब्र हैं। हमें इस दौरे से लाभ ही होगा, हम इस मुकाबले में कुछ भी खोयेंगे नहीं उन्होंने कहा, उनके पास शीर्ष 50 में शामिल खिलाड़ी हैं, इसलिये हमें हराने का दबाव उन पर होगा। हम प्रतिष्ठा के लिये नहीं खेल रहे पर खिलाड़ी कड़ी चुनौती पेश करेंगे। भारतीय टीम शनिवार को लातविया पहुंच जायेगी और सोमवार को कोर्ट पर उतरने से पहले 24 घंटे पृथकवास में रहेगी।

टीम के कप्तान ने कहा कि मुकाबलों में उलटफेर होते हैं। हम छाप छोड़ना चाहते हैं। यह भारतीय महिला टेनिस के लिये बड़ा क्षण है। हम पहले कभी भी प्ले-ऑफ चरण में नहीं पहुंचे हैं, हम सभी तैयार हैं। भारतीय टीम में अंकिता रैना इस समय 165वीं रैंकिंग पर कायम देश की सर्वश्रेष्ठ एकल खिलाड़ी हैं। टीम के अन्य सदस्यों में अनुभवी सानिया मिर्जा, करमन कौर थांडी (637), रूतुजा भोसले (420) और पदार्पण कर रही झील देसाई (568) हैं। उप्पल ने कहा, मेरे पास काफी विकल्प हैं, मैं किसी को भी शामिल कर सकता हूं।

केकेआर के बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं शाकिब

कोलकाता, (एजेंसी)। स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने कहा है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगे। शाकिब अपनी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए कोई भी भूमिका निभाने को तैयार हैं। आईपीएल में केकेआर का पहला मुकाबला 11 अप्रैल रविवार को सरराइजर्स हैदराबाद से होगा।

शाकिब पहले भी टीम का हिस्सा रहे हैं। वह वर्ष 2012 और 2014 में खिताब जीतने वाली नाइट राइडर्स की टीम में शामिल थे। शाकिब ने साल 2019 में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से सिर्फ तीन मैच खेले जिसके बाद प्रतिबंध के कारण वह बाहर हो गए थे।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आचार संहिता के तीन नियमों के उल्लंघन की बात स्वीकार करने के लिए इस ऑलराउंडर को आईसीसी ने दो साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया था जिसमें एक साल की सजा निलंबित थी। वह सुनील नारायण की तरह पारी की शुरूआत करने या फिनिशर की भूमिका निभाने के लिए भी तैयार हैं।

हेजलवुड की जगह तेज गेंदबाज बेहरेनडोर्फ सीएसके टीम में शामिल

मुंबई (ईएमएस। आईपीएल के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम ने ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जैसन बेहरेनडोर्फ को जोस हेजलवुड की जगह अपनी टीम में शामिल किया है। आईपीएल आयोजकों ने अपने एक बयान में कहा है कि हेजलवुड ने कुछ दिनों पहले ही इस टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया था। तेज गेंदबाज बेहरेनडोर्फ ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 11 एकदिवसीय और सात टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले हैं।

आईपीएल में यह उनका दूसरा सत्र होगा, इससे पहले हेजलबुड ने साल 2019 में मुंबई इंडियन्स की ओर से आईपीएल में खेला था। उस सत्र में उन्होंने पांच मैचों में पांच विकेट लिए थे। हेजलवुड ने इस साल खेले जाने वाले एशेज और टी20 विश्व कप से पहले अपने को तरोताजा रखने के लिए आईपीएल से हटने का फैसला किया था। यूएई में खेले गये पिछले सत्र में इस तेज गेंदबाज ने सीएसके की ओर से तीन मैच खेले थे। सीएसके की टीम का पहला मुकाबला शनिवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स से होगा।

शीतकालीन ओलंपिक का बहिष्कार नहीं करे अमेरिका : चीन

बीजिंग, (एजेंसी)। चीन ने अमेरिकी सरकार को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगले साल बीजिंग में होने वाले शीतकालीन ओलंपिक का बहिष्कार नहीं करे। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की डेमोक्रेट सरकार ने कहा था कि वे मानवाधिकार उल्लंघन की घटनओं को देखते हुए अन्य देशों के साथ ही इन खेलों का बहिष्कार कर सकते हैं जिससे चीन सरकार पर दबाव बनाया जा सके। इसके लिए अमेरिका अपने मित्र देशों से बात कर रहा है। इसके के बाद ही चीन सरकार ने यह धमकी दी है। चीनी विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने शिनझियांग प्रांत में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के आरोपों से इंकार किया है। साथ ही आगाह किया कि अमेरिका ने अगर खेलों का बहिष्कार किया तो उसे करारा जवाब दिया जाएगा।

चीन सरकार के एक प्रवक्ता झाओ लिजियान ने कहा, खेलों के राजनीतिकरण से ओलंपिक चार्टर की भावना के साथ ही सभी देशों के खिलाड़ियों के हितों को नुकसान होगा। उन्होंने कहा, अमेरिकी ओलंपिक समिति सहित अंतरराष्ट्रीय समुदाय बहिष्कार की बातों को कभी स्वीकार नहीं करेगा। गौरतलब है कि चीन में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न की शिकायतों को देखते हुए विभिन्न मानवाधिकार समूह फरवरी 2022 में होने वाले इन खेलों के चीन में आयोजन का विरोध कर रहे हैं।